@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/ qaumipatrika

दिल्ली–हरियाणा–पंजाब–चण्डीगढ़–उत्तर प्रदेश से प्रसारित

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

बुधवार, 1 अक्टूबर 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक – गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 322 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

महाराष्ट्र के 3 हजार से ज्यादा गांवों में बाढ़

● बारिश-बाढ़ से 104 मौतें

एजेंसी
नई दिल्ली। महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र के आठ जिलों में 3,050 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। 1 जून से 29 सितंबर तक बारिश-बाढ़ के कारण 104 लोगों की मौत हो गई है. नांदेड़ में सबसे ज्यादा 28 लोगों की मौत हुई।

इसके अलावा संभाजीनगर, बीड, हिंगोली, जालना, धाराशिव, परभणी और लातूर में लोगों की जान गई। मराठवाड़ा की 2,701 किलोमीटर सड़कें टूट गईं और 1,504 पुल क्षतिग्रस्त हुए हैं। 1,064 स्कूल, 352 केंद्र और 58 सरकारी बिल्डिंग खराब हुईं। बारिश और बाढ़ को देखते हुए महाराष्ट्र बोर्ड ने 12वीं क्लास के एग्जाम फॉर्म भरने की तारीख 30 सितंबर से बढ़ाकर 20 अक्टूबर कर दी हैं।

दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश, उमस और गर्मी से मिली राहत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी और एनसीआर में मंगलवार को तेज बारिश से लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग ने दिनभर सामान्यत: बादल छाए रहने और लगातार बारिश की संभावना जताई है।

दिल्ली, गाजियाबाद और नोएडा में आज तेज बारिश हुई, जिससे कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई। फिरोजशाह रोड, पटेल चौक मेट्रो स्टेशन के आसपास के इलाकों समेत अन्य जगहों पर पानी भरने से आवागमन प्रभावित हुआ।

लद्दाख हिंसा की न्यायिक जांच हो: राहुल गांधी

'लद्दाख में जिस तरह एक देशभक्त फौजी की जान ली गई, वह न केवल दुखद है, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों पर भी हमला है।'

एजेंसी
नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने लद्दाख हिंसा में मारे गए फौजी त्सेवांग थरचिन के पिता के दर्द को बयां करते हुए केंद्र सरकार से मामले की न्यायिक जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि लद्दाख में जिस तरह एक देशभक्त फौजी की जान ली गई, वह न केवल दुखद है, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों पर भी हमला है।

राहुल गांधी ने मंगलवार को त्सेवांग थरचिन के पिता का एक वीडियो एक्स पर साझा करते हुए कहा कि पिता फौजी, बेटा भी फौजी, जिनके खून में देशभक्ति बसी है। फिर भी देश के वीर बेटे की गोली मारकर जान ले ली गयी, सिर्फ इसलिए क्योंकि वो लद्दाख और अपने अधिकार के लिए खड़ा था। उन्होंने केंद्र से मांग की कि इस घटना की निष्पक्ष न्यायिक जांच होनी चाहिए और दोषियों को कड़ी सजा दी जानी चाहिए। वीडियो में मारे गए त्सेवांग थरचिन के पिता ने कहा कि जब किसी पुलिस या एसपी का बच्चा मरता है, तब वह क्या सोचता है? जब किसी देसी या गरीब का बच्चा मरता है, तो क्या वह उतना ही महत्व रखता है? गरीब को मारना इन्हें आसान लगता है न? अगर खुद का बच्चा रोए तो क्या ये लोग उसी तरीके से सह सकते हैं? हमें सब पता है। मैंने खुद 32 साल की सर्विस की है और हर मुश्किल जगह पर ड्यूटी की है। मैंने चार बार उन इलाकों में ड्यूटी की है जहां पांच

मुल्कों की पास में ही लगती हैं। इंडिया, चीन, पाकिस्तान, रूस और अफगानिस्तान। इन जगहों पर मैंने ड्यूटी की है, जहां तापमान माइनस 35 डिग्री तक चला जाता है और पीने के लिए पानी तक नहीं होता था। बर्फ तोड़कर, उसे पिघलाकर हम खाना बनाते थे और अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखते थे। ऐसे-ऐसे मुश्किल हालातों में मैंने काम किया है। और ये लोग क्या जानें?

दिल्ली के विकास और पार्टी के सुशासन में वीके मल्होत्रा का योगदान अविस्मरणीय : पीएम मोदी

पीएम ने वरिष्ठ नेता और दिल्ली भाजपा के पहले अध्यक्ष प्रोफेसर विजय कुमार मल्होत्रा के घर जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

● प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा का बुधवार को होगा अंतिम संस्कार

एजेंसी
नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और दिल्ली भाजपा के पहले अध्यक्ष प्रोफेसर विजय कुमार मल्होत्रा के घर जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। विजय कुमार मल्होत्रा का मंगलवार सुबह निधन हो गया है। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना भी व्यक्त की। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फोटो शेयर करते हुए लिखा, 'वीके. मल्होत्रा के आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके परिवार के प्रति संवेदना भी व्यक्त की। दिल्ली के विकास और हमारी पार्टी के सुशासन के एजेंडे को आगे बढ़ाने में उनके योगदान को सदैव याद रखा जाएगा।' इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने वीके मल्होत्रा के निधन पर दुख जाहिर करते हुए एक्स पर लिखा,' विजय कुमार मल्होत्रा ने एक उत्कृष्ट नेता के रूप में अपनी पहचान बनाई, उन्हें जनमानस से जुड़े मुद्दों की बहुत अच्छी समझ थी। उन्होंने दिल्ली में हमारी पार्टी को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई। संसदीय मामलों में उन्हें अपने कार्यकलापों के लिए भी याद किया जाएगा। उनके निधन से दुख पहुंचा है। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति संवेदना।' दिल्ली से 5 बार सांसद और 2 बार विधायक रहे भाजपा के वरिष्ठ नेता विजय कुमार मल्होत्रा का

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने वीके मल्होत्रा के निधन पर दुख जाहिर करते हुए एक्स पर लिखा,' विजय कुमार मल्होत्रा ने एक उत्कृष्ट नेता के रूप में अपनी पहचान बनाई, उन्हें जनमानस से जुड़े मुद्दों की बहुत अच्छी समझ थी।

मंगलवार को निधन हो गया। भाजपा के दिग्गज नेताओं में शुमार विजय कुमार मल्होत्रा अपनी मजबूत छवि के लिए जाने जाते थे।

विजय कुमार मल्होत्रा की शख्सियत का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि उन्होंने मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री बनने से पहले 1999 के लोकसभा चुनाव में भारी मतों से हराया था। भारतीय राजनीति के प्रमुख चेहरों में शामिल विजय कुमार मल्होत्रा ने 9वीं और 14वीं लोकसभा में दिल्ली सदर और दक्षिण दिल्ली निर्वाचन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व किया। 82 साल की उम्र में भी मोदी सरकार द्वारा कोई पद न दिए जाने के बावजूद वीके मल्होत्रा ने दिल्ली के लिए भाजपा का चुनाव अभियान अध्यक्ष बनने की पेशकश की और सभी 7 सीटें दिलाकर भाजपा को शानदार जीत दिलाई।

करूर भगदड़ मामले में टीवीके का एक और कार्यकर्ता गिरतार

● पुलिस ने पार्टी के करूर नगर प्रभारी पौनराज को गिरतार किया है।

एजेंसी
करूर। करूर में अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) की सभा के दौरान भगदड़ में 41 लोगों की मौत के सिलसिले में पार्टी के करूर जिला सचिव मथियाझगन को गिरफ्तार किया गया था, अब एक और कार्यकर्ता को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने पार्टी के करूर नगर प्रभारी पौनराज को गिरफ्तार किया है। उसने प्रचार के लिए ध्वज-स्तंभ और

तख्तियों की व्यवस्था की थी। विशेष पुलिस टीवीके महासचिव बुस्सी आनंद की भी तलाश रही है। भगदड़ मामले में पुलिस ने पार्टी पदाधिकारियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की चार धाराएं लगाई गई हैं, जिसमें धारा 105 गैर-इरादतन हत्या, धारा 110 गैर-इरादतन हत्या का प्रयास, धारा 125 दूसरों के जीवन को खतरे में डालना और धारा 223 के तहत आदेश की अवहेलना का आरोप है।

साथ ही तमिलनाडु सार्वजनिक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम, 1992 की धारा तीन के तहत भी मामला दर्ज किया गया है।

सीडीएस चौहान ने परमाणु हथियारों के जैविक खतरों से तैयार रहने का आह्वान किया

● सीडीएस चौहान ने परमाणु हथियारों के जैविक खतरों से तैयार रहने का आह्वान किया

एजेंसी
नई दिल्ली। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार को भविष्य के लिए परमाणु हथियारों से होने वाले जैविक खतरों के खिलाफ तैयार रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज के डेटा केंद्रित युद्ध के युग में सूचना तक पहुंच दुश्मन को या तो हम पर बढ़त दिला सकती है या उसे कुछ हद तक बढ़त दिला सकती है। हालांकि, डेटा सुरक्षा और डेटा संरक्षण सीधे तौर पर एमएनएस

की जिम्मेदारी नहीं है, लेकिन आपको इन सभी प्रकार की चुनौतियों के बारे में पता होना चाहिए। दिल्ली कैंट स्थित मानेकशॉ सेंटर में मिलिट्री नर्सिंग सर्विस (एमएनएस) के 100वें स्थापना दिवस पर वैज्ञानिक सत्र को संबोधित करते हुए सीडीएस जनरल चौहान ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद हमारे प्रधानमंत्री ने कहा है कि भारत परमाणु ब्लैकमेल से नहीं डरेगा। हालांकि, हमारी ओर से परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की संभावना बहुत कम है, फिर भी इसे हमारी सुरक्षा में शामिल करना समझदारी होगी। रेडियोलॉजिकल प्रदूषण के लिए अलग प्रोटोकॉल की आवश्यकता होती है और यह हमारे प्रशिक्षण का हिस्सा होना चाहिए। परमाणु खतरों के विरुद्ध तैयारी इसके उपयोग के विरुद्ध निवारक उपाय में योगदान करती है। मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है।

उन्होंने सैन्य नर्सिंग सेवा को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय डीएनए अद्वितीय है। हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली अलग-अलग वातावरण या संक्रमणों के प्रति अलग-अलग प्रतिक्रिया करती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने गाजा संघर्ष पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शांति पहल का स्वागत किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को गाजा संघर्ष को समाप्त करने को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शांति पहल का स्वागत किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह योजना फिलिस्तीनी और इजरायली लोगों के साथ-साथ बड़े पश्चिम एशियाई क्षेत्र के लिए दीर्घकालिक और स्थायी शांति, सुरक्षा और विकास के लिए एक व्यवहार्य मार्ग प्रदान करती है। मोदी ने आशा व्यक्त की कि सभी संबंधित पक्ष संघर्ष को समाप्त करने और स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप की पहल के समर्थन में एक साथ आएंगे।

प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा, हम राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप द्वारा गाजा संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक व्यापक योजना की घोषणा का स्वागत करते हैं। यह फिलिस्तीनी और इज़राइली लोगों के साथ-साथ व्यापक पश्चिम एशियाई क्षेत्र के लिए दीर्घकालिक और स्थायी शांति, सुरक्षा और विकास का एक व्यवहार्य मार्ग प्रदान करता है। हमें उम्मीद है कि सभी संबंधित पक्ष राष्ट्रपति ट्रम्प की पहल के पीछे एकजुट होंगे और संघर्ष को समाप्त करने और शांति सुनिश्चित करने के इस प्रयास का समर्थन करेंगे।

प्रधानमंत्री बुधवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शतादी समारोह में लेंगे भाग, स्मारक डाक टिकट और सिका करेंगे जारी

● यह कार्यक्रम दिल्ली स्थित अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में आयोजित होगा।

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी समारोह में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री इस अवसर पर विशेष स्मारक सिक्का और डाक टिकट जारी करेंगे। यह कार्यक्रम दिल्ली स्थित अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में आयोजित होगा। प्रधानमंत्री कार्यालय ने मंगलवार को बयान जारी कर बताया कि प्रधानमंत्री मोदी 1 अक्टूबर को सुबह 10:30 बजे डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री राष्ट्र के प्रति संघ के योगदान को दर्शाने वाला विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया स्मारक डाक टिकट और सिक्का जारी करेंगे। प्रधानमंत्री उपस्थित जनसमूह को संबोधित भी करेंगे। बयान में कहा गया है कि डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने 1925 में विजयादशमी के दिन नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी। संघ की स्थापना एक

स्वयंसेवक-आधारित संगठन के रूप में की गई थी, जिसका लक्ष्य नागरिकों में सांस्कृतिक जागरूकता, अनुशासन, सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देना था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के लिए एक अनूठा जन-पोषित आंदोलन है। इसके उदय को सदियों के विदेशी शासन के प्रति प्रतिक्रिया के रूप में देखा गया है और इसके निरंतर विकास का श्रेय धर्म में निहित भारत के राष्ट्रीय गौरव के इसके दृष्टिकोण की भावनात्मक प्रतिध्वनि को दिया जाता है। संघ का मुख्य जोर देशभक्ति और राष्ट्रीय चरित्र निर्माण पर है। यह मातृभूमि के प्रति समर्पण, अनुशासन, संयम, साहस और वीरता का संचार करता है। संघ का अंतिम लक्ष्य भारत का सर्वांगीण उन्नति (सर्वांगीण विकास) है, जिसके लिए प्रत्येक स्वयंसेवक स्वयं को समर्पित करता है। संघ ने अपनी स्थापना के बाद से अब तक शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक कल्याण और आपदा राहत के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संघ के स्वयंसेवकों ने बाढ़, भूकंप और चक्रवात जैसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राहत और पुनर्वास कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लिया है।

लेह शहर में सात घंटे के लिए कर्फ्यू में दी गई ढील, एक हफ्ते बाद मिली राहत

लेह। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के हिंसा प्रभावित लेह शहर में मंगलवार सुबह 10 बजे से सात घंटे के लिए कर्फ्यू में ढील दी गई।इस दौरान बाजार धीरे-धीरे खुले और एक हफ्ते से लगे प्रतिबंधों से जूझ रहे लोगों को राहत मिली। पुलिस और अर्धसैनिक बल संवेदनशील इलाकों में बड़ी संख्या में तैनात हैं और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कड़ी निगरानी रख रहे हैं। इससे पहले 24 सितंबर को प्रदर्शनकारियों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच व्यापक झड़पों में जान गंवाने वाले चार लोगों के अंतिम संस्कार के तुरंत बाद 4 बजे से दो घंटे के लिए प्रतिबंधों में ढील दी गई थी।

ऑपरेशन सिंदूर प्रमाण है, जब तीनों सेनाएं साथ आती हैं तो ताकत कितनी बढ़ जाती है : राजनाथ सिंह

● आजकल हमारे सामने नया खतरा साइबर हमले और सूचना युद्ध का भी है : रक्षा मंत्री

एजेंसी
नई दिल्ली । अभी हाल ही में, हमारी सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। यह ऑपरेशन इस बात का प्रमाण है कि जब हमारी सेनाएं मिलकर काम करती हैं, तो उनकी साझी ताकत कितनी बढ़ जाती है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यह बात सोमवार को दिल्ली में कही।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह वायुसेना द्वारा आयोजित त्रि-सेवा संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। यहां उन्होंने संयुक्तता, सामंजस्य और भविष्य के लिए तैयार सशस्त्र सेनाओं पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि इंटीग्रेटेड एयर कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम ने आकाशतीर और त्रिगुण के साथ मिलकर आधार स्तंभ का कार्य किया

और कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम को नए स्तर तक पहुंचाया। इसके माध्यम से केवल स्थिति की जानकारी बढ़ी ही नहीं, बल्कि हर एक सैन्य कार्रवाई सटीक और प्रभावी रही। रक्षा मंत्री ने कहा, यही असली सामूहिकता है, जहां तीनों सेनाएं एक साथ मिलकर एकता और स्पष्टता के साथ निर्णायक परिणाम प्राप्त करती हैं।' उन्होंने कहा कि आजकल हमारे सामने नया खतरा साइबर हमले और सूचना युद्ध का भी है। इन चुनौतियों के संदर्भ में यह बात उभर कर सामने आई है कि यदि हमारी सेनाओं के साइबर सुरक्षा तंत्र अलग-अलग मानकों पर काम करेंगे, तो उनके बीच अंतर उत्पन्न होगा। यह अंतर हमारे विरोधियों या किसी हैकर द्वारा प्रभावित किया जा सकता है। इसलिए साइबर और सूचना युद्ध के मानकों को भी एकीकृत करना आवश्यक है। रक्षा मंत्री ने कहा कि अब तक जो मूल्य और अनुभव हमारी सेनाओं में समय के साथ संचित हुए, वे धीरे-धीरे केवल किसी एक सेवा तक सीमित रह गए। अर्थात यदि थलसेना ने कुछ सीखा, तो वह केवल थलसेना में रहा, यदि नौसेना ने कुछ सीखा, तो केवल नौसेना में रहा और वायुसेना का ज्ञान भी केवल वायुसेना तक सीमित रहा।रक्षा मंत्री ने कहा कि 21वीं सदी में सुरक्षा का स्वरूप पूरी तरह बदल चुका है। खतरे पहले से कहीं अधिक जटिल हो गए हैं। आज भूमि, जल, वायु, अंतरिक्ष और साइबर क्षेत्र आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं। ऐसे समय में कोई भी सेवा (आर्मी, नेवी, एयरफोर्स) यह सोचकर अलग-थलग नहीं रह सकती कि वह अकेले अपने क्षेत्र की सभी चुनौतियों का सामना कर लेगी।

चिराग पासवान ने की प्रशांत किशोर की केजरीवाल से तुलना

● कहा-ऐसी ही राजनीति दिल्ली में देखी थी

एजेंसी
पटना । जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर के एनडीए नेताओं पर लगाए गए आरोपों को लेकर लोजपा (रामविलास) के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि वे लगातार विभिन्न लोगों पर आरोप लगा रहे हैं। यह जांच का विषय है।केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि प्रशांत किशोर द्वारा जिन लोगों पर आरोप लगाए गए हैं, वे पूरी तरह से अपना पक्ष रखने में सक्षम हैं। कुछ नेताओं ने मानहानि का दावा भी किया है और जवाब भी दिया है। उन्होंने कहा कि प्रशांत किशोर आरोप लगाएंगे और

ये जवाब देंगे, दूध का दूध, पानी का पानी हो जाएगा। विपक्ष के 'बिहार सरकार के खजाने में पैसा नहीं' और 'योजनाओं की घोषणा' करने के आरोपों को लेकर चिराग पासवान ने कहा कि विपक्ष केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं से घबरा चुका है। पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम नीतीश कुमार न केवल शिलान्यास कर रहे, बल्कि योजनाओं का उद्घाटन भी कर रहे हैं। अब तक विपक्ष सपना ही दिखा रहा था। 15 साल तो इन्हें भी मिले थे, तब इन्होंने क्यों नहीं इन योजनाओं को धरातल पर उतारा था? महिलाओं को लेकर इनकी सोच सिर्फ इतनी थी कि उम्र भर आप इन्हें आश्रित बनाकर रखते। आप हर महीने किस्त देते रहते। उन्होंने कहा कि आज महिलाओं के खाते में 10-10 हजार रुपए डालकर यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है कि वे उद्यमी बनें,

ड्रग मामले में अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती को मिली बड़ी राहत

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती को ड्रग मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने रिया चक्रवर्ती को विदेश यात्रा की अनुमति दे दी है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने रिया चक्रवर्ती की ज़मानत की शर्तों को कम कर दिया है। आरोप है कि दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मृत्यु से पहले, रिया और उनके भाई अक्सर विभिन्न व्यक्तियों के माध्यम से हशीश और गांजा जैसे नशीले पदार्थ मंगवाते थे। इस मामले में उन्हें 2020 में गिरफ्तार किया गया था। ज़मानत देते हुए, निचली अदालत ने शर्त लगाई थी कि रिया चक्रवर्ती विशेष न्यायाधीश की पूर्व अनुमति के बिना देश नहीं छोड़ सकतीं। इस शर्त में ढील दी गई है। दरअसल रिया चक्रवर्ती के वकील ने हाईकोर्ट में इस बाबत दलील दी। उन्होंने कहा कि उन्हें (रिया चक्रवर्ती) काम के सिलसिले में विदेश जाना पड़ता है और पूर्व अनुमति मिलने में देरी के कारण उन्हें काम छोड़ना पड़ता है। इस वजह से उन्हें आर्थिक तंगी का भी सामना करना पड़ रहा है। अदालत को यह भी बताया गया कि इस मामले में आठ सह-आरोपियों को भी राहत दी गई है। उधर विरोधी वकीलों ने आपत्ति जताई कि रिया चक्रवर्ती को विशेष सुविधा नहीं दी जानी चाहिए। क्योंकि वह एक सेलिब्रिटी हैं। वह देश वापस नहीं लौट सकतीं है। भागने का खतरा है। इस पर हाईकोर्ट ने कहा, रिया चक्रवर्ती ने अब तक मामले में सहयोग किया है और उन पर लगाई गई ज़मानत की किसी भी शर्त का उल्लंघन नहीं किया गया है। ट्रायल कोर्ट की अनुमति से यात्रा करने पर वह देश वापस आ सकती हैं। हाईकोर्ट ने कहा, विदेश यात्रा से कम से कम चार दिन पहले एजेंसी को सूचित किया जाना चाहिए। पूरा यात्रा कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाना चाहिए। यात्रा कार्यक्रम में उनके होटल और फ्लाइट की जानकारी होनी चाहिए। उनका फ़ोन हर समय चालू रखने का भी निर्देश दिया गया है।

सीएम योगी की फोटो से छेड़छाड़ करने वाला दबोचा

गाजियाबाद (एजेंसी)। (ईएमएस)। गाजियाबाद के लोनी में उत्तरांचल विहार सोसायटी में रहने वाले युवक ने मुख्यमंत्री की फोटो के साथ छेड़छाड़ कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दी। वहीं लोगों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शांति भंग करने की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर गिरफ्तार किया है। तिलक राम कॉलोनी निवासी मोहन शर्मा ने उत्तरांचल विहार सोसायटी निवासी सैफ के खिलाफ प्रदेश के मुख्यमंत्री की फोटो के साथ छेड़छाड़ कर धमकी भरे गाने के साथ फेसबुक आईडी पर वायरल करने की शिकायत पुलिस से की। शिकायत में बताया कि आरोपी ने क्षेत्र का माहौल बिगाड़ने और दंगा भड़काने के नीयत से सोशल मीडिया पर फोटो वायरल की है। एसीपी ने बताया कि पुलिस ने मामले में आरोपी के खिलाफ क्षेत्र में शांति व्यवस्था भंग करने की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की है।

मुंबई-दिल्ली इंडिगो फ्लाइट में बम की धमकी से मच गया हड़कंप, दिल्ली एयरपोर्ट पर फुल इमरजेंसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंगलवार सुबह मुंबई से दिल्ली आ रही इंडिगो की फ्लाइट में बम की धमकी से हड़कंप मच गया। फ्लाइट संख्या 6ई 762 में करीब 200 यात्री सवार थे। सुरक्षा एजेंसियों को यह धमकी अस्पष्ट लगी, लेकिन सूचना मिलते ही एहतियातन दिल्ली एयरपोर्ट पर पूर्ण आपातकाल (फुल इमरजेंसी) घोषित कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, यह उड़ान एयरबस ए321 नियो विमान से संचालित हो रही थी। जानकारी अनुसार, विमान को सुबह लगभग 7-53 बजे दिल्ली हवाई अड्डे पर सुरक्षित लैंड कराया गया। इस संबंध में इंडिगो इंडिगो एयरलाइन ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा, कि 30 सितंबर 2025 को मुंबई से दिल्ली की उड़ान 6ई 762 में सुरक्षा संबंधी खतरे की सूचना मिली। स्थापित प्रोटोकॉल के तहत तुरंत संबंधित अधिकारियों को सूचित किया गया और विमान को परिचालन की मंजूरी देने से पहले आवश्यक सुरक्षा जांच की गई।

आपात स्थिति में क्या हुआ?

जैसे ही धमकी की खबर मिली, एयरपोर्ट पर सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं। रनवे, ग्राउंड स्टाफ, सीआईएसएफ, फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस सहित सभी को अलर्ट कर दिया गया। विमान लैंड होते ही यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया। इसके बाद बॉम्ब डिस्पोज़ल स्क्वॉड ने विमान और यात्रियों के सामान की गहन जांच शुरू की। हालांकि, राहत की बात यह रही कि विमान और सभी यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं। सुरक्षा एजेंसियां अब धमकी के स्रोत और उसकी विश्वसनीयता की जांच में जुटी हैं।

असम में जुबिन गर्ग की मौत पर एफआईआर? मुख्यमंत्री की पत्नी समेत कई बड़े नाम शामिल

गुवाहाटी (एजेंसी)। मशहूर गायक जुबिन गर्ग की संदिग्ध मौत के मामले में असम में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। गायक के करीबी मित्र अंकुर हजारिका ने 27 सितंबर को गुवाहाटी के वशिष्ठा थाने में शिकायत दर्ज कराई है। इसमें असम के मुख्यमंत्री हेमंता बिस्वा शर्मा की पत्नी रिंकी भुवन शर्मा, टीवी एंकर अर्नब गोस्वामी समेत कई प्रभावशाली लोगों के नाम शामिल किए गए हैं। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि जुबिन गर्ग की मौत वित्तीय अनियमितताओं, मनी लॉन्ड्रिंग और कथित साजिश से जुड़ी है। दर्ज आवेदन में भारतीय दंड संहिता की कई गंभीर धाराओं का हवाला देते हुए कहा गया, शिकायत में दर्ज लोगों की साजिश, लापरवाही और षड्यंत्र के चलते गर्ग की जान गई है। जुबिन गर्ग का निधन हाल ही में सिंगापुर में संदेहप्रद हालत में हुई थी. उनकी मौत को लेकर असम में पहले सवाल उठ रहे हैं। अब लिखित शिकायत पर एफआईआर की अर्जी में मुख्यमंत्री की पत्नी का नाम सामने आने से मामला गरमा गया है। राजनीतिक तौर पर भी यह घटना अहम मानी जा रही है. हाल ही में बोडोलैंड परिषद चुनावों में भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ा है। विपक्ष इसे हेमंता सरकार के खिलाफ जनता के असंतोष से जोड़ रहा है। पुलिस ने शिकायत की पुष्टि की है. अभी मामले की जांच की जा रही है। भाजपा खेमे के लिए यह शिकायत बड़े संकट का संकेत बन सकती है।

ट्रंप के शांति प्रस्ताव का पीएम मोदी ने किया स्वागत कहा- अमन का बेहतर रास्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। गाजा में शांति के अमेरिकी प्रस्ताव का पीएम नरेंद्र मोदी ने सराहना की है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के 20-प्वाइंट पीस प्लान (शांति प्रस्ताव) का स्वागत किया। इस प्लान का मकसद इजराइल-गाजा युद्ध को समाप्त करना है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन ने तन्याहू से मुलाकात के कुछ ही घंटे बाद यह घोषणा की। इस ऐलान पर पीएम मोदी ने कहा कि यह फिलिस्तीनी और इजरायली लोगों के साथ-साथ बड़े पश्चिम एशियाई क्षेत्र के लिए दीर्घकालिक शांति, सुरक्षा और विकास का एक व्यावहारिक रास्ता है।

बता दें कि स्थानीय समयानुसार सोमवार को, ट्रंप ने नेतन्याहू के साथ गाजा में युद्ध को समाप्त करने की इस योजना पर चर्चा की। संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में, अमेरिकी राष्ट्रपति ने 20-प्वाइंट प्लान जारी किया। इसमें कहा गया कि अगर इजराइल और हमास दोनों इस योजना को स्वीकार कर लें, तो तुरंत संघर्ष समाप्त किया जाएगा। योजना स्वीकार किए जाने पर इजराइली सेना को निर्धारित रेखा पर वापस लौटना होगा ताकि बंधकों की रिहाई की तैयारी की जा सके।

इस प्रस्ताव को लेकर पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, हम राष्ट्रपति डॉनल्ड जे. ट्रंप की गाजा संघर्ष को समाप्त करने की व्यापक योजना की घोषणा का स्वागत करते हैं। यह फिलिस्तीनी और इजराइली लोगों के साथ-साथ पश्चिम एशिया क्षेत्र के लिए दीर्घकालिक और सतत शांति, सुरक्षा और विकास के लिए एक व्यावहारिक रास्ता है। हम आशा करते हैं कि सभी संबंधित लोग राष्ट्रपति ट्रंप की पहल के पीछे एकजुट होंगे और इस प्रयास का समर्थन करेंगे ताकि संघर्ष समाप्त हो और शांति स्थापित हो सके। अमेरिकी राष्ट्रपति की घोषणा के बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट में मोदी ने आशा व्यक्त की कि सभी संबंधित पक्ष राष्ट्रपति ट्रंप की पहल के लिए एकजुट होंगे और संघर्ष को समाप्त करने तथा शांति सुनिश्चित करने के इस प्रयास का समर्थन करेंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, इस प्रस्ताव के अंतर्गत सभी सैन्य गतिविधियां, जिनमें हवाई हमले और तोपखाना शामिल हैं, को रोका जाएगा और युद्ध रेखाएं तब तक स्थिर रहेंगी, जब तक चरणबद्ध वापसी की शर्तें पूरी नहीं होतीं। योजना का मकसद फिलिस्तीन में एक अस्थायी प्रशासनिक बोर्ड स्थापित करना भी है, जिसका नेतृत्व ट्रंप और ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर करेंगे।

20 प्वाइंट प्लान के अनुसार, जब सभी बंधकों को रिहा कर दिया जाएगा तो वे हमास सदस्य जो शांतिपूर्ण सहअस्तित्व के लिए प्रतिबद्ध हैं और अपने हथियारों को निरस्त कर देते हैं, उन्हें माफी दी जाएगी। ट्रंप और नेतन्याहू ने सोमवार को कहा कि वे गाजा में युद्ध समाप्त करने की योजना पर सहमत हो गए हैं लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि हमास इन शर्तों को स्वीकार करेगा या नहीं।

म्यांमार में आए भूकंप का भारत पर असर, पूर्वोत्तर राज्यों में लगे झटके

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में मंगलवार की सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। बाद में पता चला कि म्यांमार में आए भूकंप का असर भारतीय राज्यों में भी हुआ है। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 4.7 मापी गई, जिसकी पुष्टि नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने की है। सुबह 6 बजकर 10 मिनट पर आए इस भूकंप का केंद्र भारत-म्यांमार सीमा के बेहद नज़दीक था। इस झटके की तीव्रता ज़्यादा भले न रही हो, लेकिन मणिपुर, नागालैंड और असम सहित कई राज्यों में लोगों ने इसे साफ़ तौर पर महसूस किया। सुबह-सुबह ज़मीन के हिलने से लोगों में कुछ समय के लिए हलचल और चिंता का माहौल बन गया। सबसे बड़ी राहत की बात यह है कि अभी तक जान या माल के किसी बड़े नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। फिर भी प्रशासन और आपदा प्रबंधन एजेंसियां सतर्क हैं और स्थिति का आंकलन कर रही हैं। मणिपुर के उखरुल ज़िले से केवल 27 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में। इसकी गहराई ज़मीन के अंदर 15 किलोमीटर आंकी गई, जो इसे सतह के काफ़ी क़रीब बनाती है। यह भूकंप उस समय आया है, जब कुछ ही दिन पहले बांग्लादेश में भी धरती डोली थी। शनिवार, 27 सितंबर को बांग्लादेश में 3.5 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था, जो भारत के कोलकाता से महज़ 89 किलोमीटर दूर पूर्वोत्तर दिशा में था। उस भूकंप की गहराई 10 किलोमीटर थी। इससे भी ज़्यादा संयोग की बात यह है कि आज ही के दिन, 30 सितंबर को, भारत ने एक भयानक त्रासदी का सामना किया था। वर्ष 1993 में इसी तारीख को महाराष्ट्र के लातूर में एक विनाशकारी भूकंप आया था, जिसमें हजारों लोगों की जान चली गई थी। उसी दिन राजस्थान के जोधपुर में एक मंदिर में मची भगदड़ में भी सैकड़ों श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी।

करूर भगदड़ हादसे की जांच के लिए एनडीए टीम करेगी दौरा, 41 की हो चुकी है मौत

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के करूर जिले में राजनेता विजय की तमिलागा वेत्री कझगम (टीवीके) की रैली में मची भगदड़ ने पूरे देश को सदमे में डाल दिया है। इस हादसे में अब तक 41 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें 18 महिलाएं, 9 बच्चे और 13 पुरुष शामिल हैं। हादसे की जांच के लिए मंगलवार को हेमा मालिनी के नेतृत्व में एनडीए टीम दौरा करने वाली है।

पीएम मोदी, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन समेत तमाम राजनेताओं ने हादसे पर दुख प्रकट कर चुके हैं। केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण, एल मुरुगन और तमिलनाडु बीजेपी प्रमुख नैनार नागेंद्रन ने पहले ही प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। करूर हादसे में 41 लोगों की मौत और करीब 100 लोग घायल हुए हैं, जिनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना 27 सितंबर को वेलुसाम्यपुरम में करूर-ईरोड हाईवे पर हुई, जहां मिली अनुमति से ज्यादा समर्थक जुट गए। भीड़ के अपने प्यारे अभिनेता और राजनेता विजय को देखने के उत्साह में स्टेज की ओर बढ़ने से भगदड़ मची। तमिलनाडु सरकार ने पूर्व न्यायाधीश अरुणा जगदीश की एक सदस्यीय जांच आयोग गठित किया है, जो घटनास्थल का दौरा कर चुका है।

सीएम एम के स्टालिन ने मृतकों के परिवारों को 10 लाख रुपए और घायलों को 1 लाख रुपए के मुआवजे की घोषणा की है। वहीं, टीवीके प्रमुख विजय ने इसे अपूरणीय क्षति बताते हुए मृतकों के परिजनों को 20 लाख और घायलों को 2 लाख रुपए देने का ऐलान किया है। उन्होंने मद्रास हाईकोर्ट में डीएमके पर साजिश का आरोप लगाते हुए सीबीआई या एसआईटी जांच की मांग की है। पुलिस ने टीवीके के जनरल सेक्रेटरी बुशी आनंद और दो अन्य पर एफआईआर दर्ज की है, जिसमें भीड़ प्रबंधन की लापरवाही का आरोप है।

अयोध्या के राम मंदिर को लेकर फिर दायर हो सकती है क्यूरेटिव पिटिशन दाखिल!

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की एक टिप्पणी ने अयोध्या विवाद एक बार फिर चर्चा में ला दिया है। उन्होने एक इंटरव्यू में कहा था कि बाबरी मस्जिद का निर्माण ही मूल रूप से अपवित्र था। उनका कहना था कि जिस स्थान पर पहले से मस्जिद हो, वहां मस्जिद बनाना ही अपवित्र था। इसी को लेकर विवाद शुरू हो गया है और प्रोफेसर जी मोहन गोपाल ने तो राम मंदिर पर आए फैसले के खिलाफ याचिका दाखिल करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि चंद्रचूड़ के बयान के आधार पर ही क्यूरेटिव पिटिशन दाखिल की जा सकती है।

वहीं दूसरी तरफ चंद्रचूड़ अपने बयान पर सफाई भी दे चुके हैं। उनका कहना है कि उनके शब्दों को संदर्भ से बाहर निकालकर गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया है और सुप्रीम कोर्ट का अयोध्या फैसला साक्ष्य और कानूनी सिद्धांतों पर आधारित था, न कि आस्था पर। उन्होंने यह भी कहा कि आलोचक अक्सर पूरे फैसले को नहीं पढ़ते, जो 1,000 से अधिक पृष्ठों का है। कहा जाता है कि इस फैसले की ड्राफ्टिंग खुद चंद्रचूड़ ने ही की थी। चंद्रचूड़ के साक्षात्कार की क्लिप्स सोशल मीडिया पर भी खूब वायरल हो रही हैं।

प्रोफेसर जी. मोहन गोपाल ने कहा कि डीवाई चंद्रचूड़ के बयान में वह बात कही गई है, जो फैसले में ही नहीं है। ऐसे में इसके आधार पर पुनर्विचार याचिका दाखिल की जा सकती है। 2019 में 5 जजों की संवैधानिक बेंच ने राम मंदिर केस में फैसला सुनाया था। इस बेंच में तत्कालीन चीफ जस्टिस रंजन गोगोई, जस्टिस एसए बोबडे, जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस अशोक भूषण और जस्टिस अब्दुल नजीर शामिल थे। बेंच ने कहा था कि मुस्लिम पक्ष यह साबित करने में असफल रहा है कि बाबरी मस्जिद वाले स्थान पर उनका कोई निर्बाध मालिकाना हक रहा है। इसके साथ ही मंदिर निर्माण के पक्ष में फैसला दिया गया और अब राम मंदिर का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। राम मंदिर पर आए फैसले में यह भी स्पष्ट रूप से दर्ज किया गया कि बाबरी मस्जिद के निर्माण के लिए मंदिर को तोड़ने का कोई प्रमाण नहीं है। प्रोफेसर जी मोहन गोपाल ने चंद्रचूड़ की टिप्पणी के जवाब में कहा कि

अब अयोध्या का फैसला दूषित हो गया है और फैसले तथा बाद की टिप्पणियों के बीच असंगति से निर्णय में विश्वास कमजोर हो सकता है।

चैतन्यानंद के मोबाइल में मिली लड़कियों के चैट्स, पूछताछ में कर रहा गुमराह

नई दिल्ली (एजेंसी)। छात्राओं से यौन उत्पीड़न का आरोपी चैतन्यानंद सरस्वती पूछताछ में पुलिस को सहयोग नहीं कर रहा है। उसे अपने किए गए कृत्य पर कोई पछतावा नहीं है। पूछताछ में वह लगातार झूठ पर झूठ बोल रहा है। उसकी दो महिला सहयोगियों को हिरासत में लेकर आमना-सामना करवाया जा रहा है। पुलिस को उसके मोबाइल फोन से कई लड़कियों के चैट्स भी मिले हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चैट्स में सबूत मिला है कि चैतन्यानंद लड़कियों को झांसा देता था और उन्हें प्रलोभन भी देता था। साथ ही उसने कई एयरहोस्टेस के साथ फोटो खिंचवाकर फोन में रखी है। इसके अलावा कई लड़कियों की डीपी की स्क्रीनशॉट्स और गंदी चैट भी उसके मोबाइल फोन में मिली हैं। सख्ती से पूछताछ और चैतन्यानंद सरस्वती के खिलाफ मौजूद सबूतों को दिखाने पर ही बाबा सवालों के जवाब देता है। पूछताछ में बाबा के फर्जीवाड़े के नए-नए खुलासे हो रहे हैं। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यहां एक निजी संस्थान में 17 छात्राओं का यौन उत्पीड़न करने के आरोपी चैतन्यानंद सरस्वती का मंगलवार को उनकी दो महिला सहयोगियों से आमना-सामना कराया गया। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों महिला सहयोगियों ने पीड़ितों को धमकाया और उन्हें अपने अश्लील मैसेजे डिलीट करने के लिए मजबूर किया। पुलिस को चैतन्यानंद के फोन में कई महिलाओं के साथ चैट मिली हैं। जिसमें झूठे वादे करके उन्हें लुभाने की कोशिश की गई है। अधिकारी ने बताया कि चैतन्यानंद के फोन में एयरहोस्टेस के साथ कई फोटों भी मिली है। बता दें दिल्ली में एक केंद्र द्वारा अनुमोदित निजी संस्थान के अध्यक्ष पद पर रहते हुए चैतन्यानंद ने बाबा के भेष में अपने आपराधिक कारनामे जारी रखे।

वांगचुक और कार्यकर्ताओं को बिना शर्त रिहा करें तभी बातचीत संभव

-एलएबी ने चार प्रदर्शनकारियों की मौत के बाद अपनाया कड़ा रुख

लेह (एजेंसी)। लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और संवैधानिक सुरक्षा उपाय करने की मांग को लेकर आंदोलन जारी है। इसका नेतृत्व कर रहे लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) ने पुलिस गोलीबारी की न्यायिक जांच शुरू होने और सोनम वांगचुक समेत सभी कार्यकर्ताओं को बिना शर्त रिहा करने तक बातचीत में शामिल नहीं होने की घोषणा की। एलएबी के अध्यक्ष थुपस्तान छेवांग और सह-अध्यक्ष चेरिंग दोरजे ने कहा कि बातचीत फिर से शुरू करने से पहले लद्दाख में अनुकूल माहौल की बहाली जरुरी है। एलएबी ने 4 प्रदर्शनकारियों की मौत के बाद अपना रुख कड़ा कर लिया है।

एलएबी ने कहा कि अगर सरकार सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में न्यायिक जांच का आदेश देने और सभी कैदियों को रिहा करने की मांगें मान लेती है तो वह बैठक में शामिल नहीं होने के अपने फैसले पर विचार करेगी और 6 अक्टूबर को वार्ता में शामिल होगी। दोनों नेताओं ने कहा कि हम गृह मंत्रालय और केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन से आग्रह करेंगे कि वे वहां व्याप्त भय, गम और आक्रोश के माहौल को दूर करने के लिए कदम उठाएं। बातचीत का बहिष्कार करने की घोषणा प्रदर्शन में हुई हिंसा के दौरान मारे गए चौथे मृतक का कर्फ्यूग्रस्त लद्दाख की राजधानी में भारी सुरक्षा के बीच अंतिम संस्कार किए जाने के कुछ घंटों बाद की गई। मृतक पूर्व सैनिक था।

गृह मंत्रालय ने कहा कि सरकार लद्दाख मामलों पर एलएबी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस के साथ बातचीत के लिए हमेशा तैयार हैं। इसमें कहा गया कि हम लद्दाख पर उच्चाधिकार प्राप्त समिति या ऐसे किसी भी मंच के जरिए लेह एपेक्स बॉडी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस के साथ चर्चा का स्वागत करते रहेंगे। बयान में क्षेत्र में विकास और रोजगार लाने वाले पिछले नतीजों की ओर इशारा किया गया है। इसके मुताबिक लद्दाख को लेकर संवाद करने के लिए गठित तंत्र से अब तक अच्छे परिणाम मिले हैं, जैसे लद्दाख की अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण में वृद्धि, एलएएचडीसी में महिलाओं के लिए आरक्षण प्रदान करना और स्थानीय भाषाओं को संरक्षण प्रदान करना है। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में 1800 सरकारी पदों पर भर्ती की प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। हमें यकीन है कि निरंतर बातचीत से भविष्य में सही नतीजे हासिल होंगे।

आई लव मुहम्मद पर सीएम धामी की चेतावनी, शांति भंग करने पर कीमत चुकानी पड़ेगी

किसी भी दंगाई से इसकी कीमत वसूली जाएगी और सख्त कार्रवाई होगी

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को आई लव मुहम्मद लिखी तख्तियों के प्रदर्शन पर कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने इस प्रदर्शन को त्यौहारों और सार्वजनिक शांति भंग करने का एक सुनियोजित प्रयास बताया है। सीएम धामी ने इन हरकतों को सोची-समझी साजिश कहा, जिसका उद्देश्य त्यौहारों और धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान अशांति पैदा करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके पीछे वे ताकतें हैं जो भारत को मजबूत होते और विकसित भारत के संकल्प में हो रहे विकास को बर्दाश्त नहीं कर पा रही हैं। उन्होंने सवाल किया कि अगर आप किसी से जुड़े हैं, तो आपको उनके नाम की तख्ती लेकर घूमने का अधिकार किसने दिया? उन्होंने कहा कि सच्चा सम्मान व्यवहार में झलकना चाहिए।

सीएम धामी ने अल्टीमेटम देकर कहा कि शांति भंग करने पर कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि सरकारी या निजी संपत्ति को नुकसान पहुँचाने वाले किसी भी दंगाई से इसकी कीमत वसूली जाएगी और सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि उत्तराखंड की धरती पर इस तरह की अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

दरअसल ये पूरा विवाद उत्तर प्रदेश के बरेली शहर से जुड़ा है, जहाँ 26 सितंबर को आई लव मुहम्मद पोस्टर विवाद को लेकर हुआ विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया था, जिससे शहर में तनाव बना हुआ है। शुक्रवार की नमाज के बाद प्रदर्शनकारी आई लव मोहम्मद की तख्तियां लिए हुए आला हजरत दरगाह और आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खान के घर के बाहर जमा हुए। विरोध प्रदर्शन के दौरान पथराव हुआ और पुलिस के साथ झड़प हुई, जिसमें कई लोग घायल हुए और सार्वजनिक

संपत्ति को नुकसान पहुंचा। पुलिस के अनुसार, प्रदर्शनकारियों को व्हाट्सएप पर भड़काऊ संदेशों के जरिए उकसाया गया था। बरेली पुलिस ने 56 गिरफ्तारियाँ की हैं, जिनमें बरेली हिंसा मामले का प्रमुख साजिशकर्ता नदीम खान भी शामिल है। एसएसपी अनुराग आर्य ने पुष्टि की कि नदीम को हिंसा भड़काने में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी हालिया हिंसा में शामिल उपद्रवियों की कड़ी आलोचना की और उन्हें पुलिस कार्रवाई की चेतावनी दी।

बड़ी मुश्किल से अध्यक्ष चुन पाई थी कांग्रेस, फिर भी मच रहा है घमासान

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमाम विचार मंथन और असंतुष्ट नेताओं को समझा बुझाकर कांग्रेस ने हरियाणा में अपना प्रदेश अध्यक्ष चुना था। इसके लिए पार्टी को पूरा एक साल लग गया। इसके बाद भी अब अध्यक्ष को लेकर न केवल सवाल उठ रहे हैं बल्कि कांग्रेस के भीतर घमासान भी शुरु हो गया है।

कैप्टन अजय यादव ने ट्वीट किया, हरियाणा में कांग्रेस पार्टी के लगातार गिरते ग्राफ को देखते हुए आज लिए गए निर्णय पर पार्टी को आत्म निरीक्षण करने की आवश्यकता है। राहुल गांधी की इच्छा थी कि हरियाणा कांग्रेस का अध्यक्ष एक ऐसे व्यक्ति को बनाया जाए जिसकी छवि पूरी तरह साफ-सुथरी, बेदाग और युवा नेतृत्व की पहचान रखने वाली हो। लेकिन आज का निर्णय इसके ठीक उलट दिखाई देता है। इस वजह से पार्टी कार्यकर्ताओं और कैडर का मनोबल बिलकुल गिर गया है। उनका सीधा इशारा राव नरेंद्र सिंह की ओर है, जिन्हें प्रदेश अध्यक्ष की कमान मिली है।

सीनियर लीडर कैप्टन अजय यादव ने यह साफ नहीं किया कि वह क्यों राव नरेंद्र सिंह को साफ-सुथरी छवि का नेता नहीं मानते हैं, लेकिन इसके तार 2016 के एक केस जोड़े जा रहे हैं। दरअसल राव नरेंद्र सिंह पर 2016 में एफआईआर दर्ज हुई थी। उन पर आरोप लगा था कि उन्होंने जमीन का इस्तेमाल बदलने के लिए कैश लिया था। लोक अदालत की जांच के बाद राव नरेंद्र सिंह के खिलाफ केस फाइल हुआ था।माना जा रहा है कि कैप्टन अजय यादव ने इशारों में उसी केस का जिक्र करते हुए राव नरेंद्र सिंह को अध्यक्ष बनाए जाने का विरोध किया है। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि ओबीसी नेता के नाम पर खुद कैप्टन अजय यादव दावेदारी कर रहे थे। ऐसे में उनकी ही बिरादरी के राव नरेंद्र सिंह को बनाए जाने से वह खफा हैं। उन्हें लगता है कि इससे उनकी अपनी सियासी जमीन भी कमजोर होगी।

हरियाणा में कांग्रेस ने बीते साल विधानसभा चुनाव में करारी मात खाई थी। 2009 में आखिरी बार विधानसभा चुनाव जीतने वाली कांग्रेस को लगातार तीन बार हार झेलनी पड़ी है। इसके बाद नेतृत्व को लेकर रस्साकशी हुई तो एक साल बाद ही नेता विपक्ष के तौर पर भूपिंदर सिंह हुड्डा को चुना गया है तो वहीं प्रदेश अध्यक्ष अहीरवाल बेल्ट के नेता राव नरेंद्र सिंह को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। कांग्रेस को लगता है कि इससे उसे भाजपा के गढ़ बने अहीरवाल में सेंध लगाने में मदद मिलेगी, लेकिन इसका उलटा होता दिख रहा है। कैप्टन अजय सिंह यादव ने ही इस फैसले पर सवाल उठा दिए हैं, जो पार्टी के सीनियर लीडर हैं। उनका कहना है कि यह फैसला गलत है और इससे कार्यकर्ताओं का मनोबल गिरा है।

बदमाशों ने दुकान पर बोला धावा, चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दुकानदार व उसके साथी को किया घायल

नई दिल्ली। बाहरी जिला के मंगोलपुरी इलाके में शुक्रवार रात बदमाशों ने लूटपाट का विरोध करने पर एक दुकानदार सचिन कुमार के सिर में चाकू से हमला कर दिया। बचाव में आए दुकानदार के साथी अरुण कुमार के पैर पर ताबड़तोड़ चाकू से हमला कर दिया। दोनों को संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लोगों ने एक हमलावर को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया है। पुलिस हमलावर से पूछताछ कर अन्य बदमाशों की पहचान कर रही है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि शुक्रवार रात मंगोलपुरी थाना पुलिस को मार्केट में चाकूबाजी होने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल दुकानदार सचिन कुमार और उनके दोस्त अरुण को पास के अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं, एक बदमाश को मौके से हिरासत में लिया, जिसे स्थानीय लोगों ने हमले के दौरान पकड़ा था। दुकानदार ने बताया कि आधा दर्जन के करीब बदमाश उनकी दुकान पर आकर लूटपाट करने लगे। विरोध करने पर बदमाशों ने उनके सिर पर चाकू मार दिया। अरुण ने बदमाशों को पकड़ने की कोशिश की तो उसके पैर में ताबड़तोड़ चाकू मार दिए। सभी बदमाशों के हाथ में चाकू था। पुलिस भागे हुए बदमाशों को पकड़ने की कोशिश कर रही है।

50 मामलों में शामिल घोषित बदमाश गिरफ्तार

पूर्वी दिल्ली। मंडावली थाना पुलिस ने 50 आपराधिक मामलों में शामिल एक घोषित बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की एक बाइक बरामद की है। बदमाश की पहचान शकरपुर निवासी पंकज सिंह के रूप में हुई है। वह शकरपुर थाने का घोषित बदमाश है। पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त ने बताया कि 10 सितंबर को पुलिस खेल गांव में रात को गश्त कर रही थी। इस दौरान पुलिस को बाइक पर सवार एक संदिग्ध दिखाई दिया।

चाचा की हत्या के बाद अंगुली से कुरेदे थे जख्म

कौमी पत्रिका

मेरठ। मेरठ के किठौर के भड़ौली गांव में भाजपा नेता की हत्या के मामले में आरोपी रोबिन को लेकर खुलासा हुआ है। गांव में रोबिन और उसके साथियों का आतंक है। ये वर्चस्व के लिए किसी से भी मारपीट और आए दिन फायरिंग कर दहशत फैलाते हैं। रोबिन ने अपने साथियों के साथ बुधवार को गांव के ही शिवम पर गढ़मुक्तेश्वर के नानपुर गांव में फायरिंग की थी। प्रमोद भड़ाना और प्रधान पति अंकित इस मामले में शिवम पक्ष के साथ गढ़मुक्तेश्वर थाने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इससे रोबिन बौखला गया और उसने प्रमोद भड़ाना की हत्या कर दी। एसपी देहात के मुताबिक विनीत व रोबिन का शिवम से किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। शिवम बुधवार शाम नानपुर गांव स्थित सैलून पर बाल कटवाने गया था। इसी दौरान रोबिन अपने साथी विनीत और उसके भाई राहुल संग बाइक से वहां पिस्टल लेकर पहुंचे। आरोपियों ने शिवम पर करीब आठ राउंड फायर किए। किसी तरह वह बच गया। शिवम के साथ प्रमोद और अंकित गढ़मुक्तेश्वर थाने पहुंचे थे। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर राहुल को गिरफ्तार कर लिया था। रोबिन के पिता तरसपाल को हिरासत में लिया था। इसी रंजिश में रोबिन ने प्रमोद की हत्या कर दी। शनिवार को विनीत ने कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया था। रोबिन को पुलिस तलाश कर रही थी। विनीत किठौर थाने का हिस्ट्रीशीटर है। उत्तराखंड में भी

उसके खिलाफ कई मुकदमे हैं। रोबिन पर भी हत्या, चोरी व मारपीट समेत चार मुकदमे दर्ज हैं। क्षेत्र के गांव नानपुर में तीन दिन पूर्व बाल कटवाने आए जनपद मेरठ के किठौर थाना क्षेत्र के गांव भड़ौली निवासी शिवम पर उनके ही गांव निवासी विनीत ने गोली चला दी थी। उस घटना में शिवम बाल-बाल बच गया। जबकि आरोपी कई राउंड फायरिंग कर फरार हो गए। घटना में शिवम के चाचा सतीश प्रधान और प्रमोद भड़ाना ने विनीत के अलावा रोबिन और राहुल के खिलाफ केस दर्ज कराया था। रोबिन को भी हापुड़ पुलिस निरंतर तलाश कर रही थी। हालांकि रोबिन के पिता को गढ़ कोतवाली पुलिस ने पूछताछ के लिए हिरासत में लिया था। पुलिस के आला अधिकारियों ने रोबिन के संबंध में पूछताछ की थी। पुलिस के अनुसार मुकदमा दर्ज होने के बाद से ही रोबिन पिस्टल लेकर सतीश और प्रमोद के पीछे घूम रहा था। ग्रामीणों के मुताबिक, प्रमोद रोजाना सुबह पशुओं को चारा लाने अपने खेत पर जाता था। इसकी जानकारी रोबिन को थी। इसके चलते वह पहले ही प्रमोद के खेत से पहले एक ईख के खेत में छिपकर बैठ गया। प्रमोद बुग्गी लेकर ईख के खेत के पास पहुंचा तो रोबिन ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। फोरेंसिक टीम को मौके पर जांच के दौरान करीब आधा दर्जन खोखे मिले हैं। सीओ किठौर प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि गढ़मुक्तेश्वर में पांच दिन पूर्व शिवम पर गोली चलाई गई थी। इस मामले में विनीत भड़ौली ने दो दिन पहले मेरठ कोर्ट में आत्मसमर्पण किया था। इस मामले में गोलू गैंग का भी नाम जांच में सामने आया है। विनीत भड़ौली गोलू गैंग से जुड़ा बताया जा रहा है। इस बिंदु पर भी किठौर पुलिस जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक, मकान के विवाद को लेकर हुई पंचायत में एलान के बाद 15 अगस्त 2018 की रात अपने शराब के ठेके लौट रहे नरेश की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पत्नी विमलेश ने अपने जेठ तरसपाल और उसके पुत्र रोबिन समेत अन्य के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। तब रोबिन नाबालिग था। ग्रामीणों ने बताया कि रोबिन अपने चाचा से इतनी रंजिश रखता था कि हत्या के बाद गोली के जख्मों को उसने अंगुली से कुरेदा था। रोबिन नानपुर स्थित रूद्रा इंस्टीट्यूट में बीए में पढ़ता था। वह कॉलेज में भी वर्चस्व जमाना चाहता था। रोजाना अन्य छात्रों से मारपीट करता था। कई बार समझाने के बाद कॉलेज प्रबंधन ने एक वर्ष पूर्व उसे निष्कासित कर दिया था।

ग्रामीण की अपेक्षा शहरी क्षेत्रों में अधिक लोगों को काट रहे हैं कुत्ते, एक शोध में खुलासा

नई दिल्ली। कुत्ते काटने के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं। एक शोध में सामने आया है कि ग्रामीण क्षेत्रों की अपेक्षा शहरी क्षेत्रों में लोगों को कुत्ते अधिक काट रहे हैं। जागरूकता के कारण कुत्ते काटने से पीड़ित करीब 84 फीसदी से अधिक लोग 24 घंटे के अंदर टीकाकरण करा लेते हैं। एक जर्नल में प्रकाशित डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल के शोध में 1044 प्रतिभागियों को शामिल किया गया था। इसमें 78.3 फीसदी पुरुष और 21.6 फीसदी महिलाएं शामिल थीं। इस शोध में 69.5 फीसदी प्रतिभागियों की उम्र 20-60 वर्ष थी। जबकि 0-10 वर्ष वाले 8.4 फीसदी, 11 से लेकर 20 वर्ष वाले 18.8 फीसदी और 60 वर्ष से अधिक उम्र वाले 3.2 फीसदी थे। यह शोध वर्ष 2024 में अस्पताल के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के डॉ. इशांत कुमार, डॉ. देवाशीष परमार, डॉ. संजीत, डॉ दीपक ने किया। डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल के एंटी रेबीज वैक्सीनेशन सेंटर के प्रभारी डॉ. देवाशीष परमार ने बताया कि कुत्ते के काटने पर सबसे पहले घाव वाली जगह को साबुन और नल से चलते हुए पानी से 10-15 मिनट तक धोएं। घाव को धोने के लिए एंटीसेप्टिक का भी इस्तेमाल कर सकते है। 24 घंटे के अंदर किसी नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर टीकाकरण करवा लें। टीकाकरण होने पर धूम्रपान वाली चीजों को इस्तेमाल न करें और काटने वाले स्थान पर तेल-मिर्च न लगाएं। शोध के अनुसार 86.6 फीसदी लोगों को कुत्तों ने, 8.5 फीसदी को बिल्ली ने, 2.2 फीसदी को बंदर और 0.7 फीसदी को अन्य जानवरों ने काटा। इसमें 83.7 फीसदी मामले कुत्ते काटने की श्रेणी तीन में दर्ज किए गए। कुत्ता काटने को लेकर तीन अलग-अलग श्रेणियां है। इसमें सबसे गंभीर श्रेणी तीन है। यानि कुत्ते के काटने पर संबंधित जगह पर खून का रिसाव और जख्म का होना है। जबकि श्रेणी दो में 13.9 फीसदी और श्रेणी एक में 2.4 फीसदी मामले दर्ज हुए। शोध के मुताबिक 84.1 फीसदी को अज्ञात और 16.0 फीसदी को परिचित जानवर ने काटा है। काटने के बाद 84.3 फीसदी ने 24 घंटे के अंदर टीकाकरण करवा लिया। जबकि 15.7 फीसदी ने 24 घंटे के बाद टीकाकरण कराया। देरी से टीकाकरण कराने की अलग-अलग वजह रही। इसमें 15.7 में एंटी रेबीज वैक्सीन के बारे में जागरूकता की कमी, 23.7 फीसदी सुविधा का दूर होना, 2.5 फीसदी मामलों में सुविधा केंद्र पर वैक्सीन का न होना, 23.9 फीसदी ने काम संबंधी कारण, 2.0 फीसदी ने सुविधा का छुट्टी की वजह से बंद होना और 0.3 फीसदी ने सोशल स्टिग्मा, 1.6 फीसदी वित्तीय कारण और 30.5 फीसदी अन्य कारण रहे जिनका उल्लेख नहीं किया गया। सबसे ज्यादा शरीर के निचले हिस्से यानि कमर से नीचे काटने के 69.2त्न मामले देखे गए। जबकि 13.5 त्न को हाथ पर, 10.2त्न को कोहनी से ऊपर, 3.2त्न को सिर और चेहरे पर, 2.2 को धड़ पर आगे-पीछे काटा। शोध के अनुसार 89.7त्न मामलों में बिना उकसावे के और 10.3त्न मामलों में उकसाने वाले व्यक्ति को काटा। रेबीज की बीमारी से हर साल वैश्विक तौर पर 59 हजार लोगों की मौत होती है। जबकि भारत में 20 हजार मौत दर्ज की जाती है।

झगड़े को लेकर पड़ोसी ने किया था कांग्रेस नेता का कत्ल

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर में कांग्रेस नेता लखपत सिंह की हत्या की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कांग्रेस नेता की हत्या उनके मोहल्ले में रहने वाले ने ही की हैं और यह बताया जा रहा है कि किसी पुराने विवाद के चलते कांग्रेस नेता की हत्या की गई है। दक्षिण जिला पुलिस उपयुक्त अंकित चौहान इस मामले में दोपहर को खुलासा करेंगे। मालवीय नगर स्थित पार्क में शुक्रवार सुबह दो बदमाशों ने कांग्रेस नेता और प्रॉपर्टी डीलर लखपत सिंह कटारिया (55) की गोली मारकर हत्या कर दी थी। आरोपियों ने गोली मारने से पहले लखपत की क्रिकेट बैट से पिटाई की और वारदात के बाद बाइक से फरार हो गए थे। पुलिस के मुताबिक, लखपत सुबह करीब 9:30 बजे विजय मंडल पार्क में टहल रहे थे।

बीएसएफ अधिकारी को 10 लाख मुआवजा देने के आदेश

नई दिल्ली। साकेत कोर्ट ने फर्जी पॉश एक्ट के मामले में पीड़ित सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक अधिकारी को 10 लाख रुपये का मुआवजा देने का फैसला सुनाया है। जिला न्यायाधीश गुंजन गुप्ता ने कहा कि एक सहयोगी की ओर से उन पर लगाए गए यौन उत्पीड़न के झूठे आरोपों से उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा और मानसिक उत्पीड़न हुआ। उनका तीन दशक से अधिक का सेवा रिकॉर्ड बेदाग रहा है। अदालत ने इस सिविल मुकदमे का फैसला आंशिक रूप से अधिकारी के पक्ष में सुनाया। अधिकारी ने 2016 में उनके खिलाफ कई यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज होने के बाद मुआवजे की मांग की थी। न्यायाधीश ने कहा कि कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न एक गंभीर अपराध है, लेकिन झूठे आरोप भी उतने ही गंभीर हैं, क्योंकि वे किसी व्यक्ति के सम्मान के साथ जीने के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करते हैं। अदालत ने यह भी कहा कि जब ऐसी शिकायतें निराधार पाई जाती हैं तो वे समाज और कार्यस्थल में तेजी से फैलती हैं, जिससे एक आरोपी अधिकारी को कलंक के साथ जीने के लिए मजबूर होना पड़ता है। वहीं, बीएसएफ की ओर से की गई एक जांच में यह निष्कर्ष निकाला गया कि आरोप प्रथम दृष्टया झूठे और तुच्छ थे।

सार्वजनिक जगहों पर जुआ खेलने वाले 11 धरे

नई दिल्ली। बाहरी जिला पुलिस ने सार्वजनिक जगहों पर जुआ खेलने वाले 11 सट्टेबाज को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने राज पार्क और सुल्तानपुरी इलाके के दर्ज होने के बाद मुआवजे की मांग की थी। न्यायाधीश ने कहा कि कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न एक गंभीर अपराध है, लेकिन झूठे आरोप भी उतने ही गंभीर हैं, क्योंकि वे किसी व्यक्ति के सम्मान के साथ जीने के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करते हैं। अदालत ने यह भी कहा कि जब ऐसी शिकायतें निराधार पाई जाती हैं तो वे समाज और कार्यस्थल अलग-अलग जगहों से आरोपियों को पकड़ा है। इनके कब्जे से नकद और जुए खेलने में इस्तेमाल सामान बरामद हुए हैं। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मंगोलपुरी निवासी दीपक, हर्ष, पवन, रामा विहार निवासी मनोज, अमन विहार निवासी तस्लीम, नसीम, सुल्तानपुरी निवासी राजपाल, दीपक, अरुण, सुनील और प्रवीण के रूप में हुई है।

NAME CHANGE
I Nizam khan S/o MD. Safi, R/o House no. 105, 2nd floor, E- Block, Sector - 72, Chhajarsi, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201307, have changed my name and shall hereafter be known as Wasim khan

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mrs. Shobha W/o Mr. Netrapal Singh is the owner of Freehold Residential Vacant Plot area measuring 25 Sq. Yds. i.e. 20.90 Sq. Mtrs. out of Khasra no.11/3 Situated at Bharat Nagar, Khoda Colony Pargana Loni Tehsil and District Ghaziabad, U.P. by virtue of Sale Deed dated 01.06.2016 Vide Doc No.6013, Book No.1, Volume no.11188, on Page Nos.281-306, Registered on 01.06.2016, in S.R-II Ghaziabad. till date and has lost/Misplace his Original Sale Deed dated 10.06.2011 Doc No.5712, Book No.1, Volume No.4855, on Page Nos.195-216, Registered on 10.06.2011, in S.R-II Ghaziabad. it was executed in favour of Mr. Ram Aasre S/o Mr. Jagru Prasad Sahu now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same has been financed by AAVAS FINANCIERS LIMITED Branch: Noida Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE
SO No: 430/2014 Delhi Police/Crime Branch, Delhi
LR No: 3253258/2025
RADHEY KRISHNAN,S/O SH. SHISH RAM YADAV, R/O V.P.O KAPASHERA, SOUTH WEST, Delhi . have LOST MY ORIGINAL PROPERTY DOCUMENT NO-Ac.37.03 Village, lands situated in ThiruUthira kosamangal of Agricultural dry Thiruthira kosamangal Group, Ramanathapuram Takuk & District, comprising in Survey Numbers: 182/28, 142/4, 145/8A, 145/80, 171/4, 283/2, 289/3, 283/1, 331/1, 287/2, 295/1 Part (Western Side), 304/2, 295/2, 286/1, 310/1, 155/1 & 157/1, by virtue of Sale Deed duly Regd. as Document No. 1311, Sheet No. 12, on Dt.25/08/2004, in the office of Sub-Registrar, Keelakkarai, Village Thirul Uthirakosamangai State Tamil Nadu

PUBLIC NOTICE
M/s Collection Realty PVt. Ltd. Owner of the Residential Flat/Dwelling Unit No. 596, on 9th floor, Super area admeasuring 1100 sq. ft., in the "Windsor Green" Plot bearing no-F-28, Sec -50, Noida Distt. Gautam Budh Nagar, U.P. , M/s Collection Realty PVt. Ltd. have lost Original GPA executed by Mr. Bawa Shahzore Singh and Mrs. Anjuli Bawa. In favour of Mr. Bawa Sandeep Singh duly regd. vide doc no 1053 , vol no 434 , page no 25-36 , dated 12.08.2009, for which complaint lodged to the police. That any person(s)/Appropriate authority etc. if find the misplaced GPA aforesaid said person may come forward and inform the undersigned within 15 days from the date of Publication.
RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Off.: 43B, Third Floor, Patpargang Village, Mayur Vihar Phase-I, Delhi-1
M-NO- 7252922875

NAME CHANGE
I, KALAVANTABAI is legally mother of No. 2803158F Rank HAV, Name SOLAV GOVIND UDDHAVRAO,R/O VILL-BARBADI, POST-PIMPALA LOKHANDE, TEH-PURNA, DIST-PARBHANI, STATE-MAHARASHTRA, PIN-431511, have changed my name from KALAVANTABAI to KALAVANTI UDDHAVRAO SOLAV and date of birth from 11/06/1967 to 01/01/1968 for all future purposes. Vide affidavit dated 25.09.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as Vedwati W/o dinesh kumar R/o C-25, Honda chowk, Media village Sector-phi 4, Greater Noida, Alpha, Greater Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201310 have changed my name and shall hereafter be known as Vidhi.

NAME CHANGE
I, SURJEET KUMAR SAROJ S/O BADDI PRASAD R/o 147, T-Huts, Prayog Vihar, Hari Nagar, South West Delhi, Delhi-110064 declare that name of my minor daughter has been wrongly written as PRACHI DEVI in my minor daughter PRACHI SAROJ aged 14 years in her School Records. The actual name of my minor daughter is PRACHI SAROJ.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, GAURAV GUPTA S/O JAGDISH CHAND R/O 1726/125 3rd Floor, Gali No-125, Near Bank of Baroda, Shanti Nagar, Tri Nagar, Onkar Nagar, North West Delhi, Delhi-110035 declare that name of my wife has been wrongly written as VERSHA GUPTA in my minor daughter namely SWASTI GUPTA aged 14 years in her school records. The actual name of my wife is VARSHA GUPTA which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, No-2620766P Rank-HAV Name-SUNIL DEVAMANE Presently residing at VPO-NILAJI, TQ-RAIBAG, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591217, have changed my wife's name from DEEPALI SUBHASH VANJIRE to DEEPALI SUNIL DEVAMANE for all future purposes vide Affidavit dated 30/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I GEETA JOSHI w/o MOHAN PANDEY residing at D-20, STREET NO 7, NEAR SABJI MANDI, MANDAWALI, UNCHE PAR, SHAKARPUR, DELHI-110092 declare that name of mine has been wrongly written as GEETA JOSHI in school records. The actual name of mine is GEETA PANDEY. Which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I, Pavan Jain S/O Jag Jor Prasad R/O D-5/26 B, gali No-3, Sadatpur Extn, Karawal Nagar North East Delhi-110094 Have changed my name to Pawan Kumar Jain for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Shiv Dhan Gupta S/O Kalp Nath Gupta R/O 6/258, Rao Vihar, Nangloi, West Delhi, Delhi - 110041, have changed the name of my minor daughter namely Nandani aged 14 years and she shall hereafter be known as Nandani Gupta.

NAME CHANGE
I, Chander Mohan S/O Hem Raj R/O House No-C-4/56, C-4 Block, Yamuna Vihar, Garhi Mendu, North East Delhi, Delhi - 110053, have changed the name of my minor daughter Shraddha Singh aged 15 years and she shall hereafter be known as Shraddha.

NAME CHANGE
I, MANDA is real Mother in respect of Army No. 2809375N Rank HAV Name SAPRE BABASAHEB DILIP, Unit 11 Maratha 11 and resident of AT-WAGHACHA AKHADA, POST-RAHURI, THE-RAHURI, DIST-AHMEDNAGAR, STATE-MAHARASHTRA, PIN 413705 have changed my name from MANDA to SAPRE MANDA DILIP and date of birth from 3 APRIL 1964 to 01 Jan 1969 for all future purposes. Vide affidavit dated 06.09.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, ANAM AHMED D/O TANVEER AHMED resident of 1407, GONDNI STREET KALAN MAHAL, DARYAGANJ, N.D-110002.have changed my name to JAVERIA AHMED for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना
मैं भीकम पाल पुत्र स्व0 भोजराज पता-मकान नं. टी-510 एन. गली नं0 2. नियर बालकनाथ मंदिर, बलजीत नगर, नई दिल्ली-110008 यह घोषणा करता हूं कि मैंने अपने पुत्र ओम प्रकाश (जन्मतिथि 17.02.2001) जो कि अविवाहित है को इसके दुर्व्यवहार एवं कहना न मानने के कारण इसे अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर सभी सम्बन्ध विच्छेद कर लिये हैं। मेरा पुत्र ओम प्रकाश पिछले 3 वर्षों से मेरा कहना व अपने मनमाने मन से गलत कार्यों में संलिप्त है जो कि मुझे अब पता चला है। यह कि आज के बाद उपरोक्त ओमप्रकाश से मेरा कोई लेना देना नहीं है। भविष्य में अगर ओम प्रकाश किसी व्यक्ति से किसी प्रकार का कोई लेनेदन करता है तो उसके लिए मेरी कोई जिम्मेदारी नही होगी इसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given on behalf of Mr. Gajendra Singh to inform to the public at large that Mrs. Raj Kumari W/o Mr. Gajendra Singh is purchasing the Residential House of Area Measuring 59.80 Sq. Yards, Khasra No.561, Situated at Daulatram (Escort) Colony, Kasba Dadri, Pargana and Tehsil Dadri, District Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh from Mrs. Priyanka who became owner vide Sale Deed dated 29.07.2025 (Document No.39664) and same to be finance & mortgage by Hinduja Housing Finance Ltd., Branch Loni. That, Original Sale Deed dated 27.01.2012 Executed by Mrs. Atri Devi in favor of Mrs. Doli Sharma, vide Document No.1699, Book No.1, Vol No.4068, Page No.353-368, SR-Dadri has lost/misplaced. So, to comply the requirements of BANK/NBFC, we give this public notice that if any Person having any type of claim /right/title/interest/creating mortgage over the said property, may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within a week from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.
Advocate Abhishek Singh
B-82, Ground Floor,
DLF Dilshad Extn.-II,
Bhopura, Ghaziabad, U.P.-201005
Mobile: 7706007066, 9310370510
Email: advabhisingh1993@gmail.com

NAME CHANGE
I hitherto known as VIJAY KUMAR GUPTA alias VIJAY GUPTA S/o RAM SWARUP, R/o 832, Plot No. 35, Skylark Apartment, Sector-6 Dwarka, Dwarka Sec-6, South West Delhi, Delhi-110075, have changed my name and shall hereafter be known as VIJAY GUPTA, for all future purposes.

NAME CHANGE
I, TETARI is Mother of No. 2801553W Rank-HAV Name-YADAV RADHESHYAM SUBHAS, R/O VILL-BIRPURA, POST-BIRPURA, TEH-RASRA, DIST-BALLIA, STATE-UTTAR PRADESH PIN-221709, have changed my name from TETARI to TETRI DEVI and date of birth from 22-11-1961 to 01-01-1960 for all future purposes. Vide affidavit dated 16.09.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, Raunaq Hasnain Zaidi S/O: Ali Hasnain, R/O 22, kidwayinagar, Muzaffarnagar, Uttar Pradesh - 251002, have changed the name of my minor son Ata ABBAS aged 12 years and he shall hereafter be known as Mohammad Zaidi.

NAME CHANGE
I, Arun Kumar S/O Badri R/O 16-J, Pocket-J, EHS (Mix Housing) mayur Vihar Phase 3 East Delhi 110096 Have Changed the name of my minor son (Naitik, Aged - 11 years) and shall hereafter be known as Tanveer Kumar.

NAME CHANGE
I, Radhey Shyam Yadav S/O Ram Kishan Yadav, R/O paprawat road, khasra n 317 - 318 new roshan pura, Najafgarh, South West Delhi, Delhi-110043,have changed the name of my minor son Sourabh Kumar aged 16 years and he shall hereafter be known as Yash Kumar.

NAME CHANGE
I, Savita Palaiya w/o Ekhlesh Kumar R/o Flat No-705, Pkt-3, Shaeed Bhagat Singh Apt, Dwarka Sector-14, New Delhi-110078 have changed my name to Savita Singh for all future purposes

NAME CHANGE
I, Ekhlesh Kumar Prajapati s/o Madan Pal Singh Prajapati R/o Flat No-705, Pkt-3, Shaeed Bhagat Singh Apt, Dwarka Sector-14, New Delhi-110078 have changed my name to Ekhlesh Kumar for all future purposes

NAME CHANGE
I ANKITA PRABHAKAR D/o BHARAT SINGH, R/o B-16, GALI NO -4 BHAGWATI GARDEN EXTENSION UTTAM NAGAR DELHI-110059, I have changed my name to ANKITA permanently

NAME CHANGE
I, LILA SETHI W/O SHARWAN KUMAR SETHI R/O ESSKAY FARM 19 A OAK DRIVE SULTANPUR ROAD MEHRAULI SOUTH DELHI-110030, HAVE CHANGED MY NAME TO LEELA SETHI FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, SHARMA SORBHA S/O SATYA NARAYAN SHARMA R/O H NO 1188, OPP GOVT SCHOOL, BHONDSI, GURGAON, HARYANA-122102,I HAVE CHANGED MY NAME TO SOURABH

NAME CHANGE
I hitherto known as VEENA RANI GUPTA alias VEENA GUPTA W/o VIJAY GUPTA, R/o Flat No. 832, Plot No. 35, Skylark Apartment, Sec-6, Dwarka, Dwarka Sec-6, South West Delhi, Delhi-110075, have changed my name and shall hereafter be known as VEENA GUPTA, for all future purposes.

NAME CHANGE
I, UDDHAV is legally father of No. 2803158F Rank-HAV Name-SOLAV GOVIND UDDHAVRAO, R/O , VILL-BARBADI, POST-PIMPALA LOKHANDE, TEH-PURNA, DIST-PARBHANI, STATE-MAHARASHTRA, PIN-431511, have changed my name from UDDHAV to UDDHAVRAO MUNJAJI SOLAV and date of birth from 11/06/1962 to 01/01/1968 for all future purposes. Vide affidavit dated 25.09.2025 before Public Notary Delhi

NAME CHANGE
I hitherto known as Vedant Grover alias Arryaman Grover S/O: Sumit Grover, R/O B-27, Sector-33, Noida, Gautam Buddha Nagar,Gautam Buddha Nagar ,Uttar Pradesh, 201301, have changed my name and shall hereafter be known as ARRYAMAN GROVER.

NAME CHANGE
I hitherto known as Nirmala Devi W/o Brham Prakash R/o P 7/53, Mangolpuri, Mangolpuri N Block, North West Delhi, Delhi-110083 have changed my name and shall hereafter be known as Nirmla.

NAME CHANGE
I, hitherto known as GEETA JOSHI daughter of KRISHNA NAND JOSHI wife of BRIJ MOHAN PANDEY, residing at D-20, STREET NO 7, NEAR SABJI MANDI, MANDAWALI, UNCHE PAR, SHAKARPUR, DELHI-110092, have changed my name after marriage and shall hereafter be known as GEETA PANDEY. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connec

NAME CHANGE
I MOHD FAHEEM S/O BASHIR KHAN R/O C3/40 GALI NO-3 C-BLOCK KABIR NAGAR GOKAL PUR NORTH EAST DELHI 110094 HAVE CHANGED MY NAME TO FAHEEM KHAN

NAME CHANGE
It is for general information that I, ARIVUDURAI SENTHIL RAJAN S/O SEENIAPPAN ARIVUDURAI Present Address:- Y-4, HUDCO PLACE TYPE-IV (S), BLOCK-Y, HUDCO PLACE EXTENSION, NEW DELHI-110049, Permanent Address:- 1/101, KAMARAJAR STREET, RAMANATHAPURAM, SIVAGIRI, TIRUNELVELI, TAMIL NADU-627760 declare that name of mine has been written shortly as A SENTHIL RAJAN in my Service Record. The full name of mine is ARIVUDURAI SENTHIL RAJAN which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection

NAME CHANGE
I, SULAXANA W/O SUDEEP KUMAR resident of C-253, 2ND FLOOR, MAYFIELD GARDEN, GURGAON, HARYANA 122018. have changed my name to SULAXANA SINDHU for all future purposes.

NAME CHANGE
It is for general information that I, Kamal Garg, S/O Roshan Lal Garg, R/o SD-446, Pitampura, North West Delhi, Delhi-110034, declared that name of my minor son has been wrongly written as VIRAAJ ROSHAN GARG, in my minor son namely Viraaj Garg aged 11 years in his School Records. The actual name of my minor son is Viraaj Garg respectively which my be amended accordingly.

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **रघु नाथ पुत्र जय पाल निवासी ग्राम दरियापुर तुगन, ढवारसी, अमरोहा, यूपी** ने **FIR No. 91/2016, U/S 33/52(2) DE Act, अन्तर्गत थाना कोतवाली, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **रघु नाथ** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **रघु नाथ** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आपको छिपा रहा है)।

अत: इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 91/2016, U/S 33/52(2) DE Act, अन्तर्गत थाना कोतवाली, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **रघु नाथ** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **14.11.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
सुश्री सायशा चड्ढा
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-08 (केंद्रीय)
केंद्रीय जिला, कमरा नं. 272
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/13025/N/2025(Court Matter)

त्यौहार विशेष रेलगाड़ियों की संख्या में वृद्धि-2025

पहले से ही घोषित अनेक त्यौहार विशेष रेलगाड़ियों के साथ-साथ रेलवे द्वारा निम्नलिखित त्यौहार विशेष रेलगाड़ियों का भी संचालन किया जायेगा। इन रेल सेवाओं की समय-सारणी निम्नानुसार होगी :-

09309/09310 इंदौर जं. - हज़रत निज़ामुद्दीन - इंदौर जं. सुपरफास्ट विशेष ट्रैन (सप्ताह में दो दिन) — 36 फेरे

रेलगाड़ी सं. 09309		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 09310	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	17:00	इंदौर जं.	21:00	---
05:00	---	हजरत निजामुद्दीन	---	08:20

चलने के दिन: 09309 इंदौर जं. से दिनांक 03.10.2025 से 30.11.2025 तक (प्रत्येक शुक्रवार एवं रविवार को) और **09310 हजरत निजामुद्दीन से** दिनांक 04.10.2025 से 01.12.2025 तक (प्रत्येक शनिवार एवं सोमवार को)।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता.
ठहराव: देवास जं., उज्जैन जं., नागदा जं., रामगंज मंडी जं., कोटा जं., सवाईमाधोपुर जं., गंगापुर सिटी एवं मथुरा जं. स्टेशन।

09095/09096 बान्द्रा (टर्मि.) - अयोध्या कैंट - बान्द्रा (टर्मि.) विशेष ट्रेन (साप्ताहिक) — 16 फेरे

रेलगाड़ी सं. 09095		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 09096	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	11:00	बान्द्रा (टर्मि.)	06:00	---
17:30	---	अयोध्या कैंट	---	21:00

चलने के दिन: 09095 बान्द्रा (टर्मि.) से दिनांक 01.10.2025 से 19.11.2025 तक (प्रत्येक बुधवार को) और **09096 अयोध्या कैंट से** दिनांक 02.10.2025 से 20.11.2025 तक (प्रत्येक गुरूवार को)।
स्थान: 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य
ठहराव: बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, भरूच जं., वडोदरा जं., दाहोद, मेघनगर, रतलाम जं., नागदा जं., उज्जैन जं., मक्सी जं., शुजालपुर, सीहोर, संत हिरदाराम नगर, बीना जं., वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, उरई, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ एवं बाराबंकी स्टेशन।

09097/09098 बान्द्रा (टर्मि.)-लुधियाना जं.-बान्द्रा (टर्मि.) सुपरफास्ट विशेष ट्रेन (साप्ताहिक) — 18 फेरे

रेलगाड़ी सं. 09097		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 09098	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	21:50	बान्द्रा (टर्मि.)	10:20	---
00:30	---	लुधियाना जं.	---	04:00

चलने के दिन: 09097 बान्द्रा (टर्मि.) से दिनांक 05.10.2025 से 30.11.2025 तक (प्रत्येक रविवार को) और **09098 लुधियाना जं. से** दिनांक 07.10.2025 से 02.12.2025 तक (प्रत्येक मंगलवार को)।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी।
ठहराव: बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच जं., वडोदरा जं., रतलाम जं., कोटा, सवाईमाधोपुर, गंगापुर सिटी, हिण्डौन सिटी, मथुरा जं., नई दिल्ली, पानीपत एवं अंबाला कैंट स्टेशन।

07095/07096 चर्लपल्ली - हजरत निजामुद्दीन - चर्लपल्ली स्पेशल ट्रेन — 4 फेरे

रेलगाड़ी सं. 07095		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 07096	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	07:40	चर्लपल्ली	04:00	--
16:00		हजरत निजामुद्दीन	--	19:00

चलने के दिन: 07095 चर्लपल्ली से दिनांक 07.10.2025 एवं 16.10.2025 (मंगलवार एवं गुरूवार) को और **07096 हजरत निजामुद्दीन** से दिनांक 08.10.2025 एवं 17.10.2025 (बुधवार एवं शुक्रवार) को।
स्थान : प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव: जनगांव, काजीपेट, पेद्दपल्ली, मंचिर्याल, सिरपुर कागजनगर, बल्हारशाह, चन्द्रपुर, सेवाग्राम जं., नागपुर जं., आमला जं., इटारसी जं., भोपाल, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, आगरा कैंट एवं मथुरा जं. स्टेशन।

उपरोक्त रेलगाड़ियों के मार्ग में आने वाले ठहरावों और समय-सारणी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 डायल करें अथवा रेलगाड़ी पूछताछ वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in देखें।

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139
रेलमदद वेबसाइट देखें :- www.railmadad.indianrailways.gov.in
रेलमदद ऐप डाउनलोड करें
पर हमें फॉलो करें
उत्तर रेलवे
सदैव आपकी सेवा में
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
3023/25
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

युद्ध में ड्रोन के इस्तेमाल को बढ़ावा देगी सेना

एजेंसी

चंडीगढ़। युद्ध में स्वदेशी ड्रोन के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सेना के जवानों ने नारायणगढ़ फील्ड फायरिंग रेंज में स्वदेशी ड्रोनों की दक्षता और युद्ध में उनके उपयोग का परीक्षण करने के लिए द्विपक्षीय संयुक्त अभ्यास वायु समन्वय का आयोजन किया। पश्चिमी कमान के तत्वावधान में आयोजित इस अभ्यास ने भारतीय सेना की अपनी मानवरहित हवाई प्रणालियों में आक्रामक अभियान चलाने की क्षमता का प्रदर्शन किया। साथ ही एक जटिल युद्धक्षेत्र में यूएएस प्रणालियों का भी प्रदर्शन किया। इस अभ्यास ने अपने सैनिकों की तैयारियों, युद्धक्षेत्र की उभरती चुनौतियों के बीच समाधान खोजने, रणनीति और प्रक्रिया में बदलाव लाने की उनकी क्षमता को प्रदर्शित किया गया। पश्चिमी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार, पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसएम ने इस अभ्यास को देखा और सैनिकों की व्यावसायिकता और तकनीकी अनुकूलनशीलता की सराहना की।

सुशासन, पारदर्शिता व जन सरोकारों के प्रति सरकार संकल्पबद्ध : डा. मिड्ढा

जींद। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि सरकार सुशासन, पारदर्शिता, उत्तरदायित्व एवं जन सरोकारों के प्रति संकल्पबद्ध प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। वर्तमान युग सूचना एवं प्रौद्योगिकी क्रांति का युग है। प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेशवासियों को सुशासन व्यवस्था देते हुए ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से जीरो टॉलरेंस पर कार्य किया जा रहा है। डिजिटल हरियाणा के सपने को पूरा करने का काम किया जा रहा है। पेपर रहित रजिस्ट्री, निशानदेही मिलने से प्रदेश वासियों को राहत मिलेगी और उन्हें घर बैठे ही सुविधाओं का लाभ प्राप्त होगा। डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा राजस्व विभाग द्वारा डीआरडीए हॉल में आयोजित पेपर रहित रजिस्ट्री प्रणाली, पेपर रहित निशानदेही, व्हाट्सअप, चैटबोट, राजस्व न्याय निगरानी प्रणाली पोर्टल लांच के जिला स्तरीय कार्यक्रम में बतौर मुख्यअतिथि संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उचाना के विधायक देवेन्द्र चतुर्भुज अत्री विशिष्ठ अतिथि के रूप में शामिल हुए। जिला स्तरीय कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र जिला की बाबैन तहसील से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया। डिप्टी स्पीकर डा. मिड्ढा ने कहा कि प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रदेश में आमजन को दी जाने वाली कई सेवाओं को ऑनलाइन किया था। उसी परिपाटी को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री प्रदेश की जनता के लिए कार्य कर रहे हैं और महत्वपूर्ण सेवाओं को उनके घर द्वार तक पहुंचाने के लिए ऑनलाइन व्यवस्था लागू कर रहे है।

महापौर ने वरिष्ठ उप-महापौर, उप-महापौर व नामित पार्षदों को दिलाई शपथ

गुरुग्राम। मानेसर नगर निगम की महापौर डा. इंद्रजीत कौर यादव ने सोमवार को आईएमटी सेक्टर-8 स्थित नगर निगम कार्यालय के सभागार में वरिष्ठ उप महापौर, उप महापौर व तीन नामित पार्षदों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। महापौर ने सभी को बधाई देते हुए नगर निगम मानेसर के समग्र विकास की दिशा में काम करने का आग्रह किया। शपथ ग्रहण कार्यक्रम की शुरुआत 12 बजे से हुई। निगम सचिव अपूर्व चौधरी ने मौजूद मेयर, सीनियर डिप्टी मेयर, डिप्टी मेयर व सभी पार्षदों का धन्यवाद करते हुए कार्यवाही को आगे बढ़ाया। मेयर डॉ. इंद्रजीत कौर यादव की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में एक-एक करके पांचों को शपथ दिलाई। सबसे पहले सीनियर डिप्टी मेयर प्रवीन यादव, डिप्टी मेयर रीमा चौहान, नामित पार्षद शेर सिंह, किरोड़ी तंवर व सत्यदेव शर्मा को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाई गई। शपथ के उपरांत मेयर ने सभी को बधाई दी और मिठाई खिलाई। मेयर ने कहा कि शपथ उपरांत सभी विधिवत सदन के सदस्य बन गए हैं। सभी को मिल कर मानेसर नगर निगम की बेहतरी के लिए प्रयास करने होंगे। मानेसर नगर निगम हरियाणा में नया निगम है। हम सभी को मिल कर मानेसर नगर निगम को प्रदेश का मॉडल नगर निगम बनाने की दिशा में काम करना होगा।

पुलिस और जनता के सहयोग से अपराधों पर लगेगा अंकुश: पुलिस आयुक्त

सोनीपत। पुलिस आयुक्त ममता सिंह ने कहा कि अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस और जनता के बीच सहयोग अत्यंत आवश्यक है। जब समाज पुलिस का सहयोग करता है, तब अपराधों की रोकथाम अधिक प्रभावी ढंग से संभव होती है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपने आसपास के वातावरण में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस की सहायता करें। पुलिस आयुक्त ममता सिंह थाना मुरथल परिसर में जनसंवाद कार्यक्रम संबोधित कर रही थी। कार्यक्रम में लगभग 150 स्थानीय नागरिकों ने शिरकत की अपनी समस्याएं और सुझाव साझा किए। पुलिस आयुक्त ने नागरिकों की बातों को सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। ममता सिंह ने कहा कि ऐसे जनसंवाद कार्यक्रम न केवल पुलिस-जनता के बीच विश्वास बढ़ाते हैं, बल्कि पारदर्शिता और संवेदनशीलता की भावना को भी सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने उपस्थित नागरिकों से नशा, हिंसा और सामाजिक बुराइयों के खिलाफ जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने पुलिस अधिकारियों और नागरिकों के साथ पौधा रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

आत्मनिर्भर भारत में स्वदेशी को बढ़ावा देगी हरियाणा सरकार

मुख्यमंत्री की अगुवाई में पूरे राज्य में निकलेगी जागरूकता रथयात्रा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने व भाजपा संगठन पूरे राज्य में स्वदेशी वस्तुओं के निर्माण से लेकर उनकी बिक्री व इस्तेमाल को प्रोत्साहित करेगी। इसकी शुरूआत त्यौहारी सीजन से होने जा रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी स्वयं इस अभियान की अगुवानी करेंगे। लोगों को स्वदेशी के प्रति प्रेरित और जागरूक करने के लिए भाजपा राज्य में रथयात्रा निकालेगी। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि दीपावली समेत विभिन्न त्योहारों में विदेशी लाइटों के स्थान पर मिट्टी के दीयों का उपयोग करने के लिए लोगों को प्रेरित किया जाएगा। महिलाओं को अपने देश और राज्य में बने उत्पादों की बिक्री के लिए तैयार किया जाएगा। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती तक पूरे राज्य में यह रथयात्रा निकलेगी। इस अवधि में सेमीनार और सम्मेलनों का आयोजन होगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने चंडीगढ़ में मीडिया से बातचीत करते

हुए आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान को राज्य में लागू करने की पूरी रूपरेखा साझा की। उन्होंने कहा कि हरियाणा में सरकार और संगठन लोगों के सहयोग से अपनी पूरी शक्ति के साथ स्वदेशी अभियान को चलाएंगे, जिसके तहत घर-घर तक स्वदेशी अपनाने का संदेश पहुंच सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वदेशी गरूकता अभियान को हरियाणा के हर गांव और हर शहर तक पहुंचाने के लिए प्रत्येक जिले में कार्यक्रम होंगे। नवंबर व दिसंबर माह में आत्मनिर्भर भारत संकल्प सम्मेलन किए जाएंगे, जिनमें स्थानीय कारीगरों, शिल्पकारों, उद्यमियों व किसानों को सक्रिय रूप से शामिल किया जाएगा। हम व्यापारी सम्मेलन, एमएसएमई उद्योगपति सम्मेलन और कालेजों में युवाओं के साथ संवाद गोष्ठियों का आयोजन करेंगे।

पूरे प्रदेश में आत्मनिर्भर भारत संकल्प रथयात्रा निकाली जाएगी, जिसका रूट प्लान तैयार किया जा रहा है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि दीवाली व त्योहारों में विदेशी लाइट के स्थान पर मिट्टी के दीयों का उपयोग करना चाहिए। इसके लिए लोगों को प्रोत्साहित किया जाएगा। पूजा पंडालों में स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए स्टाल और बैनर लगाए जाएंगे। संकल्प फार आत्मनिर्भर भारत के लोगो बनवाकर उन्हें दुकानदारों को देंगे, ताकि वे उन्हें अपने प्रतिष्ठानों पर लगा सकें।

पलवल में 65 फुट ऊंचे रावण का होगा दहन, मुस्लिम कारीगर बना रहे पुतले

एजेंसी

पलवल। जिले में विजयादशमी पर्व की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। इस बार पलवल में 65 फुट ऊंचे रावण, 60 फुट के कुंभकर्ण और 55 फुट ऊंचे मेघनाद के साथ तीन मंजिला सोने की लंका का भी दहन किया जाएगा। खास बात यह है कि इन विशालकाय पुतलों का निर्माण उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से आए 14 मुस्लिम कारीगर कर रहे हैं।श्री सनातन धर्म दशहरा कमेटी के प्रधान सुशील भक्तजी ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि पुतलों के निर्माण पर करीब चार लाख रुपये खर्च होंगे, जबकि झांकी, बैंड-बाजा और अन्य तैयारियों सहित पूरे दशहरा मेले पर लगभग 15 लाख रुपये का खर्च आने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि यह कार्य सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल है, क्योंकि दशहरा पर्व के प्रतीकात्मक पुतलों को मुस्लिम कारीगर तैयार कर रहे हैं। पुतलों का निर्माण आगरा चौक स्थित एक निजी भवन में किया जा रहा है, जबकि उनका दहन नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम मैदान में होगा। पुतला निर्माण कार्य देख रहे ठेकेदार जमील खान ने बताया कि उनकी 14 सदस्यीय टीम अगस्त के अंतिम सप्ताह से पलवल में डेरा डाले हुए है। पुतलों को तैयार करने में बांस और कागज का इस्तेमाल किया जा रहा है। साथ ही आतिशबाजी के लिए विशेष बम लगाए जाएंगे। जमील खान वर्ष 2018 से पलवल में दशहरा पर्व के लिए पुतले बना रहे हैं। कारीगर इकबाल खान ने बताया कि वह कई वर्षों से इस कार्य में जुटे हैं और हर साल हरियाणा के विभिन्न शहरों में रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतले बनाते हैं।

हरियाणा में भ्रष्टाचार मुक्त शासन के लिए कड़ा रवैया अपनाया : गौरव गौतम

एजेंसी

सोनीपत। हरियाणा के युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता राज्यमंत्री गौरव गौतम ने कहा कि प्रदेश को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लिए सरकार ने जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी भ्रष्टाचारी को बख्शा नहीं जाएगा।राज्यमंत्री गौरव गौतम की अध्यक्षता में जिला परिषद हॉल में कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक आयोजित की गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रशासनिक तंत्र जनता के प्रति पारदर्शी और जवाबदेह बने, जनसमस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए, और किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार की गुंजाइश न छोड़ी जाए। बैठक में 20 शिकायतों में से 16 का मौके पर समाधान किया गया, जबकि 4 शिकायतों का समाधान अगली बैठक तक करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में गांव बनवासा के कप्तान सिंह ने शिकायत दी कि उनके

साथ धोखाधड़ी कर 16 कनाल 6 मरले जमीन की रजिस्ट्री अपने नाम करवा ली गई है। राज्यमंत्री ने मामले की गहन जांच कराने और यदि किसी पटवारी की संलिप्तता पाई जाती है तो उसे तत्काल निलंबित करने का आदेश दिया।सेक्टर-12 निवासी जयपाल सिंह ने शिकायत दी कि सेक्टर-23 में नेशनल एक्स सर्विसमैन वैलफेयर सोसायटी द्वारा फ्लैट गलत लोगों के नाम किए गए। इस पर राज्यमंत्री ने पुलिस आयुक्त को जांच और दोषी के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए। भीम नगर निवासी कोमल, गांव आहुलाना के लोग, प्रियंका और प्रीति सहित अन्य शिकायतों में राज्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को मौके मुआयना, दस्तावेज उपलब्ध कराने और उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

निर्वाचन सूची में नए नाम जोड़ने का कार्य समय पर पूरा करें अधिकारी: कैप्टन मनोज कुमार

एजेंसी

नारनौल। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कैप्टन मनोज कुमार ने निर्वाचन पंजीयन अधिकारियों (ईआरओ) की बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान और नए मतदाताओं के फॉर्मों की फीडिंग कार्य की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस कार्य में और अधिक तेजी लाई जाए।

उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों की अनुपालना की जाए। उन्होंने जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्वाचन संबंधी फॉर्मों के निपटान में समयबद्धता सुनिश्चित की जाए।

कैप्टन मनोज कुमार ने कहा कि सभी प्रकार के फॉर्मों का निपटान निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा किया जाए, ताकि कोई भी अनावश्यक देरी न हो। उन्होंने निर्देश दिए कि लंबित फॉर्मों की साप्ताहिक समीक्षा की जाए और सात दिनों से अधिक समय तक किसी भी फॉर्म को लंबित न रखा जाए। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि फॉर्मों को

त्वरित रूप से प्रोसेस करके आयोग को भेजा जाए, ताकि पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ नए योग्य मतदाताओं को सूची में जोड़ा जा सके। उपायुक्त ने अधिकारियों को इस राष्ट्रीय महत्व के कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखकर सफलतापूर्वक संपन्न करने के निर्देश दिए। इस मौके पर एसडीएम अनिरुद्ध यादव, एसडीएम कनिका गोयल, एसडीएम उदयसिंह, एसडीएम डॉ जितेंद्र सिंह, निर्वाचन तहसीलदार सुरेन्द्र सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पराली जलाने पर तीन किसानों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने धान की कटाई के पीक सीजन से पहले ही पराली जलाने की रोकथाम के लिए अपनी मुहिम तेज कर दी है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में सोमवार को चंडीगढ़ में फसल अवशेष प्रबंधन (सीआरएम) हेतु राज्य कार्ययोजना के क्रियान्वयन की समीक्षा हेतु उच्च स्तरीय बैठक हुई।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस सीजन में अब तक फतेहाबाद, जींद और कुरुक्षेत्र जिलों से पराली जलाने के तीन मामले सामने आए हैं। सभी मामलों में एफआईआर दर्ज की गई है और संबंधित किसानों के भू-अभिलेखों में रेड एंट्री की गई है। इसके अलावा, पर्यावरण क्षतिपूर्ति (ईसी) जुर्माना भी लगाया गया है। विभाग ने चेतावनी दी है कि भविष्य में ऐसे किसी भी मामले में सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रधान सचिव पंकज अग्रवाल ने बताया कि प्रदेश में 39.33 लाख एकड़ धान क्षेत्र है और 5.65 लाख किसानों ने पराली प्रबंधन हेतु पंजीकरण कराया है। पंजीकरण करवाने वालों में शीर्ष पांच जिले- करनाल (4.69 लाख एकड़), कैथल (4.34 लाख एकड़), सिरसा (3.70

लाख एकड़), फतेहाबाद (3.61 लाख एकड़) और जींद (3.56 लाख एकड़) हैं। गौरतलब है कि अकेले इस वर्ष, 471.96 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन स्वीकृत किए गए हैं। इससे किसानों को स्थायी अवशेष प्रबंधन पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रति एकड़ 1,200 रुपये प्रदान किए जा रहे हैं। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी गांवों में हर खेत का मानचित्रण किया जाए ताकि पराली प्रबंधन के विशिष्ट तरीके–चाहे वह फसल विविधीकरण हो, स्थानीय स्तर पर समावेशन हो, चारे के रूप में बाहरी उपयोग हो या उद्योगों को आपूर्ति हो–उचित रूप से निर्धारित और कार्यान्वित किए जा सकें। मुख्य सचिव ने किसानों को बायोमास संयंत्रों, ब्रिकेटिंग यूनिट्स जैसे उद्योगों और हरियाणा विद्युत उत्पादन निगम से जोड़कर एक मजबूत स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला बनाने के महत्व पर बल दिया। सुचारू लेनदेन सुनिश्चित करने के लिए किसानों को औद्योगिक खरीदारों से सीधे जोड़ने के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग भी किया जा रहा है। मुख्य सचिव ने सभी उपायुक्तों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने जिलों में तैयारियों की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करें और कटाई के पीक सीजन से पहले सभी निवारक उपाय पूरी तरह लागू करें। बैठक में कृषि विभाग के पोर्टल और मेरी फसल मेरा ब्यौरा प्रणाली के कामकाज की भी समीक्षा की गई, जो पंजीकरण, मशीनों की बुकिंग, प्रोत्साहन राशि के वितरण और रीयल टाइम डेटा रिपोर्टिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। बेहतर पहुँच सुनिश्चित करने के लिए, नोडल अधिकारियों को किसानों के समूह सौंपे गए हैं। इनमें से प्रत्येक अधिकारी की रेड और येलो ज़ोन में अधिकतम 50 किसानों और ग्रीन ज़ोन में 100 किसानों की ज़िम्मेदारी है।

अपने घर, मोहल्ले और गांव को स्वच्छ बनाएं : गौतम

एजेंसी

जींद। सफीदों के विधायक रामकुमार गौतम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से लेकर दो अक्टूबर तक पूरे देश में सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस सेवा पखवाड़ा के दौरान पूरे देशभर में स्वास्थ्य जांच शिविर, रक्तदान शिविर, टीकाकरण अभियान, स्वच्छता अभियान और पौधारोपण जैसे अनेक कल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। सेवा पखवाड़ा का उद्देश्य समाज में सेवा, सहयोग और समर्पण की भावना को बढ़ावा देना है। इस मौके पर विधायक रामकुमार गौतम ने गांव बिटानी में सोमवार को स्वच्छता अभियान में स्वयं भाग लिया और हाथ में झाड़ू लेकर गांव में सफाई की और उपस्थित लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नही बल्कि जीवनशैली का हिस्सा होना चाहिए। उन्होंने लोगों से कहा कि अपने घरए मोहल्ले और गांव को स्वच्छ बनाएं और आसपास गंदगी न फैलाएं। विधायक रामकुमार गौतम ने गांव में पौधारोपण भी किया। उन्होंने कहा कि पृथ्वी पर पेड़, पौधों के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। अधिक से अधिक पौधे लगाकर हम आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा और स्वस्थ वातावरण उपलब्ध करवा सकते हैं। उन्होंने कहा कि पौधारोपण केवल लगाना ही नहीं बल्कि उनकी देखभाल करना भी हम सबकी जिम्मेदारी बनती है।

पेपरलेस रजिस्ट्री व निशानदेही से घर बैठे मिलेंगी सेवाएं : राव इंद्रजीत सिंह

एजेंसी

गुरुग्राम। केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि हरियाणा सरकार की डिजिटल पहल अब नागरिकों को सरकारी सेवाओं का लाभ आसान, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से प्राप्त करने में मदद करेंगी। यह बात उन्होंने सोमवार को राजस्व विभाग की चार नई पहलों पेपर रहित रजिस्ट्री प्रणाली, पेपर रहित निशानदेही, व्हाट्सऐप चैटबोट और राजस्व न्यायालय डिजिटल निगरानी प्रणाली के शुभारंभ के अवसर पर कही। उन्होंने कहा कि इन पहलों के लागू होने से लोगों को सरकारी कार्यालयों में लंबी कतारों में इंतजार करने या बार-बार चक्कर लगाने की जरूरत नहीं होगी, जिससे सेवा अधिक सुविधाजनक और प्रभावी बनेगी। राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि डिजिटल निगरानी और पेपर रहित प्रणाली के माध्यम से किसानों और आम जनता के लिए जमीन तथा अन्य राजस्व संबंधी कार्य पूरी तरह पारदर्शी बनेंगे। अब नागरिक अपने मोबाइल या कंप्यूटर के जरिए रजिस्ट्री और पैमाइश के लिए आवेदन कर सकते हैं, जिससे दस्तावेज़ों की प्रक्रिया तेज, सरल और सुविधाजनक होगी। उन्होंने यह

भी बताया कि इससे सरकारी अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित होगी। केंद्रीय राज्य मंत्री ने यह भी कहा कि डिजिटल सेवाओं के माध्यम से न्यायालयों में चल रहे मामलों की जानकारी सीधे मोबाइल पर उपलब्ध होगी, जिससे लोगों को बार-बार कार्यालयों का चक्कर काटने की आवश्यकता नहीं होगी।

उन्होंने लघु सचिवालय परिसर में पौधारोपण भी किया और लोगों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इन सभी पहलों का उद्घाटन कुरुक्षेत्र की बाबैन तहसील से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से किया। इस अवसर पर हरियाणा के सभी जिलों में डिजिटल सेवाओं का लाइव संचालन शुरू हुआ। अब नागरिक घर बैठे ही मोबाइल के माध्यम से रजिस्ट्री, पैमाईस और अन्य राजस्व सेवाओं के लिए आवेदन कर सकेंगे। गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा ने कहा कि यह डिजिटल पहल नागरिकों की सुविधा और सरकारी कामकाज की पारदर्शिता के लिए महत्वपूर्ण कदम है। इस पहल से समय की बचत के साथ-साथ लोगों की परेशानियों में भी कमी आएगी। विधायक तेजपाल तंवर ने कहा कि डिजिटल सेवाओं की शुरुआत से प्रशासनिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ेगी और भ्रष्टाचार पर कड़ी रोक लगेगी। उन्होंने कहा कि यह नई पहल हरियाणा को स्मार्ट और आधुनिक राज्य बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम है। इस अवसर पर डीसी अजय कुमार, एडीसी वत्सल वशिष्ठ, गुरुग्राम के एसडीएम परमजीत चहल, बादशाहपुर के एसडीएम संजीव सिंगला, मानेसर के एसडीएम दर्शन यादव, जिला राजस्व अधिकारी विजय यादव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

होटल में महिला से दुष्कर्म, वीडियो का भय दिखाकर वसूले छह लाख

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत में एक महिला के साथ होटल में दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी युवक महिला के साथ ही कार्यस्थल पर कार्य करता था। उसने विश्वास हासिल कर महिला को मुरथल क्षेत्र स्थित एक होटल में बुलाया, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया और गुप्त रूप से उसकी अशोभनीय वीडियो बना ली। बाद में आरोपी ने उक्त वीडियो के माध्यम से भय दिखाकर छह लाख रुपये वसूल लिए। महिला की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। महिला ने बताया कि युवक टिंकू सरोहा ने पहले उससे मित्रता की और विश्वास जीतने के बाद होटल ले जाकर अनाचार किया। बाद में उसने बार-बार रुपये की मांग की और पैसे न देने पर वीडियो प्रसारित करने की धमकी दी। पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद महिला का चिकित्सकीय परीक्षण कराया और मजिस्ट्रेट के समक्षबयान दर्ज किए।

खरीद पर एचसीएस को नोडल अधिकारी नियुक्त किया: डा.अरविंद

एजेंसी

सोनीपत। गोहाना में सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रदेश में धान खरीद प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी स्वयं खरीद प्रक्रिया की निगरानी कर रहे हैं तथा प्रत्येक मंडी पर एक एचसीएस अधिकारी को नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है, जिससे हर दाने की खरीद पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से सुनिश्चित हो सके। मंत्री अरविंद शर्मा ने गोहाना अनाज मंडी का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने कई ढेरियोंपर जाकर धान की नमी मापी, जो निर्धारित 17 प्रतिशत से कम पाई गई। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा पीआर धान की खरीद 2398 रुपये प्रति क्विंटल न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जा रही है। गोहाना मंडी प्रदेश की प्रमुख मंडियों में से एक है, जहां अब तक लगभग 2500 क्विंटल धान की खरीद की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि मंडी में किसानों के लिए अटल किसान कैंटीन व

मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। किसानों की सहायता हेतु हेल्प डेस्क भी स्थापित किया गया है, जबकि हैफेड खरीद एजेंसी के रूप में अपना दायित्व निभा रही है। निरीक्षण के दौरान मार्किट कमेटी गोहाना प्रधान कृष्ण सैनी, मंडी प्रधान श्यामलाल वशिष्ठ, रामधारी जिंदल, सुरेन्द्र गर्ग, श्रीपाल सिंगला, संजीव सिंगला, गौरव गौतम, रामभगत फौजी और राममेहर रोहिल्ला मौजूद रहे। इसी दौरान भाजयुमो गोहाना द्वारा सेवा पखवाड़ा के तहत कार्यालय पर आयोजित रक्तदान शिविरमें मंत्री अरविंद शर्मा ने पहुंचकर युवा रक्तदाताओं को प्रोत्साहित किया। उन्होंने युवाओं से प्रधानमंत्री की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया ताकि हर जरूरतमंद को सामाजिक और आर्थिक लाभ मिल सके।

मंडियों में गेट पास, पोर्टल और उठान प्रक्रिया में हो बेहतरीन प्रबंध : उपायुक्त वशिष्ठ

एजेंसी

पलवल। जिला उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने खरीफ फसलों की खरीद को लेकर सोमवार को पलवल की अनाज मंडी का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने इस दौरान किसानों और आढ़तियों की समस्याओं को सुना और उनकी समस्याओं को जल्द दूर करने का आश्वासन दिया। उपायुक्त ने खरीफ फसल 2025 की खरीद की तैयारियों के संबंध में कैंप कार्यालय में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे किसानों की सुविधा के लिए खरीद केंद्रों पर पर्याप्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। इसमें किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए। गेट पास पर सीसीटीवी कैमरा लगा होना चाहिए। उपायुक्त ने सभी खरीद केंद्रों पर पेयजल, शौचालय, बिजली और साफ-सफाई जैसी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। किसानों को फसल बेचने के लिए गेट पास देने की सुविधा में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसका भी विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने खरीद एजेंसियों को पारदर्शी और त्वरित तरीके से खरीद करने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने कहा कि संबंधित अधिकारी नियमित रूप से मंडियों का निरीक्षण करेंगे और किसी भी समस्या का तुरंत समाधान सुनिश्चित करेंगे। प्रत्येक अनाज मंडी पर एक प्रशासनिक अधिकारी तैनात किया जाएगा, जो खरीद उठान और अन्य गतिविधियों की सीधी निगरानी करेंगे। उन्होंने कहा कि किसानों को फसल बेचने के लिए एक सुविधाजनक वातावरण प्रदान करना और उन्हें उनकी फसल का उचित मूल्य दिलाना है। उन्होंने किसानों से अनुरोध किया है कि वह धान की कटाई के बाद खेत में अवशेषों को न जलाए, इससे खेतो की शक्ति तो घटती ही है, वहीं प्रदूषण को भी बढ़ावा मिलता है। बैठक में एसडीएम बलीना, नगराधीश अप्रतिम सिंह, जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक जैनव खातून, डीएमईओ मनोज दहिया, मार्किट कमेटी हसनपुर के सचिव नरबीर, होडल मार्किट कमेटी सचिव विद्या सागर सहित मिलर्स, मंडी एसोसिएशन के पदाधिकारी सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

केंद्र ने जारी किए नए सीएएफई-3 ड्राफ्ट, हल्के वाहनों पर होगी सख्ती

नई दिल्ली

साल 2027 से 2032 तक लागू होने वाले कॉरपोरेट एवरेज फ्यूल एफिशिएंसी (सीएएफई) 3 ड्राफ्ट को भारत सरकार ने जारी कर दिए हैं। नए नियमों के तहत वाहन निर्माताओं के लिए औसत फ्लीट वाइड फ्यूल एफिशिएंसी और कार्बन उत्सर्जन के सख्त लक्ष्य तय किए जाएंगे। हल्के वाहनों पर ज्यादा सख्ती होगी, जबकि भारी वाहनों को कुछ छूट दी जाएगी, हालांकि यह छूट भी सीमित रहेगी। ड्राफ्ट के अनुसार हर वित्तीय वर्ष के साथ मानक और कठोर होते जाएंगे, ताकि कंपनियां किसी एक मॉडल पर नहीं बल्कि पूरे फ्लीट को बेहतर बनाने की दिशा में काम करें। नए मानकों के लिए सरकार ने एक गणितीय फॉर्मूला भी शामिल किया है टारगेट = 0.002 (वॉट - 1170) प्लस सी, जहां डब्ल्यू फ्लीट का औसत वजन है और सी हर साल घटने वाला कॉन्स्टैंट। 4 मीटर से छोटी, 909 किलो से कम वजनी और 1,200 सीसी से कम इंजन क्षमता वाली कारों को अतिरिक्त 3 ग्राम/किमी सीओ डिडक्शन की छूट मिलेगी। यह छूट हर कंपनी के लिए अधिकतम 9 ग्राम/किमी तक सीमित होगी। ग्रीन टेक्नोलॉजी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने क्रेडिट मल्टीप्लायर सिस्टम प्रस्तावित किया है। इसके तहत बैटरी इलेक्ट्रिक और रेंज एक्सटेंडर ईवी को तीन वाहनों के बराबर गिना जाएगा, जबकि प्लग-इन हाइब्रिड और एथनॉल आधारित स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड 2.5 वाहनों के बराबर माने जाएंगे। इसी तरह स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड्स को दो और फ्लेक्स फ्यूल एथनॉल कारों को 1.5 वाहनों के बराबर गिना जाएगा। इसका फायदा यह होगा कि कंपनियां सीमित संख्या में ग्रीन वाहन बेचकर भी अपने पूरे फ्लीट औसत को सुधार पाएंगी।

भारत में वाहन ईंधन दक्षता मानक होंगे सख्त, नया ड्राफ्ट किया जारी

नई दिल्ली

वर्ष 2027 से 2032 तक लागू होने वाले नए कॉरपोरेट एवरेज फ्यूल एफिशिएंसी (सीएएफई) 3 मानकों का ड्राफ्ट भारत सरकार ने जारी कर दिया है। नए ड्राफ्ट में वाहन निर्माताओं के लिए फ्लीट-स्तरीय सख्त लक्ष्य तय किए गए हैं, लेकिन छोटी पेट्रोल कारों को सीमित छूट और इलेक्ट्रिक व हाइब्रिड वाहनों को प्रोत्साहन देने के उपाय भी शामिल किए गए हैं। इसका उद्देश्य है भारतीय वाहनों को अधिक ऊर्जा कुशल और पर्यावरण के अनुकूल बनाना, साथ ही कार्बन उत्सर्जन को धीरे-धीरे घटाना। ड्राफ्ट के अनुसार, प्रत्येक निर्माता की फ्लीट का औसत वजन लक्ष्य निर्धारित करेगा। हल्के वाहनों के लिए मानक अधिक कड़े होंगे, जबकि भारी फ्लीट्स को थोड़ी राहत मिलेगी। हर वित्तीय वर्ष में नियमों को और सख्त किया जाएगा। इसके लिए नया गणितीय फॉर्मूला तय किया गया है: टारगेट =0.002 (वॉट - 1170) प्लस सी, जहां डब्ल्यू फ्लीट का औसत वजन है और सी हर साल घटेगा। छोटी कारों को 4 मीटर से कम लंबाई, 909 किलो से कम वजन और 1,200सीसी से कम इंजन वाली कारों को 3 ग्राम/किमी सीओ उत्सर्जन की अतिरिक्त छूट मिलेगी। ग्रीन टेक्नोलॉजी वाले वाहनों के लिए क्रेडिट मल्टीप्लायर सिस्टम लागू होगा, जिससे ईवी और हाइब्रिड्स को औसत में ज्यादा वेटेज मिलेगा। पेट्रोल, फ्लेक्स-फ्यूल और सीएनजी वाहनों पर कार्बन न्यूट्रैलिटी फैक्टर्स के तहत छूट दी जाएगी, जबकि डीजल वाहनों की तुलना में सख्ती बढ़ाई जाएगी। ड्राफ्ट पर फीडबैक की अंतिम तारीख 16 अक्टूबर 2025 है।

भारत में बीई 6 बेटमेन एडिशन की डिलीवरी शुरू

नई दिल्ली

स्वदेशी कंपनी महिंद्रा ने अपनी इलेक्ट्रिक एसयूवीबीई 6 बेटमेन एडिशन की डिलीवरी भारत में शुरू कर दी है। कंपनी ने इसे खासतौर पर कलेक्टर्स और उन ग्राहकों के लिए तैयार किया है, जो सिर्फ वाहन नहीं, बल्कि एक एक्सक्लूसिव और आइकॉनिक अनुभव चाहते हैं। यह मॉडल अपने दमदार परफॉर्मेंस, आकर्षक डिज़ाइन और लिमिटेड यूनिट्स के कारण ऑटोमोबाइल जगत में चर्चा का विषय बना हुआ है। बीई 6 बेटमेन एडिशन का एक्सटीरियर बेहद यूनिक है। कार को सैटिन ब्लैक फिनिश के साथ पेश किया गया है, जबकि अल्केमी गोल्ड पेंटेड सस्पेंशन और ब्रेक कैलिपर्स का कॉन्ट्रास्ट इसे और भी शार्प लुक देता है। 20 इंच के बड़े अलॉय व्हील्स, फ्रंट डोर पर कस्टम बैटमैन डेकल्स और रियर साइड पर ÷बीई 6 गुना द डार्क नाइट बैजिंग इसे खास बनाते हैं। इंटीरियर में बैटमैन थीम का शानदार मेल देखने को मिलता है। चारकोल लेदर इंस्ट्रूमेंट पैनल, गोल्ड सेपिया स्टिचिंग के साथ स्यूडे लेदर अपहोल्स्ट्री, बैट साइन वाली सीट्स और बैटमैन वेलकम एनिमेशन इसे और भी प्रीमियम बनाते हैं।

स्टीयरिंग व्हील, इन टच कंट्रोलर, इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग ब्रेक और पिनस्ट्राइप ग्राफिक्स कार के प्रीमियम अहसास को और निखारते हैं।

एक्सटीरियर साउंड प्रोफाइल भी बैटमैन यूनिवर्स से इंस्पायर्ड है। परफॉर्मेंस की बात करें तो इसमें 79 केडब्ल्यूएच का बैटरी पैक दिया गया है, जो फुल चार्ज होने पर 683 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकता है। रियल वर्ल्ड कंडीशन्स में भी यह कार लगभग 500 किलोमीटर की रेंज आसानी से देती है। इसका मतलब है कि बीई 6 बेटमेन एडिशन सिर्फ दिखने में स्टाइलिश नहीं है, बल्कि लंबे सफर के लिए भी पूरी तरह सक्षम है।

सिल्वर टच टेक्नोलॉजीज को एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया से मिला महत्वपूर्ण कॉन्ट्रैक्ट

एयर ट्रैफिक कम्युनिकेशन में डिजिटल क्रांति

15 एयरपोर्ट्स पर एडवांस VHF सिस्टम और सिक्योर नेटवर्क लागू करेगी कंपनी

नई दिल्ली

एन्ड-टू-एन्ड आईटी और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन सॉल्यूशंस की प्रमुख कंपनी सिल्वर टच टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को हाल ही में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) द्वारा एक महत्वपूर्ण कॉन्ट्रैक्ट दिया गया है। यह कॉन्ट्रैक्ट कंपनी को 15 एयरपोर्ट्स पर एडवांस VHF एक्टिव मल्टीकप्लर सिस्टम्स और सिक्योर नेटवर्क सिक्यूरिटी सॉल्यूशन लागू करने की ज़िम्मेदारी सौंपता है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य एयर ट्रैफिक कंट्रोल (TC) टावरों में संचार और सुरक्षा को मजबूत करना है, जिससे भारत के एविएशन इन्फ्रास्ट्रक्चर का आधुनिकीकरण होगा।

इस प्रोजेक्ट में ङ्क॥स्न एक्टिव मल्टीकप्लर सिस्टम्स की सप्लाई, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग और कमीशनिंग (SITC) शामिल है। इसके अलावा, कंपनी 15 एयरपोर्ट्स पर नेटवर्क ट्रैफिक को मॉनिटर और कंट्रोल करने तथा नेटवर्क में किसी भी घुसपैठ से सुरक्षा प्रदान करने के लिए सिक्योर नेटवर्क सिक्यूरिटी सॉल्यूशन प्रदान करेगी।

सिल्वर टच टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर मिनेश वी. दोशी ने इस विकास पर टिप्पणी करते हुए कहा, हमें एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया के साथ देश के एविएशन इन्फ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने में सहयोग करने पर गर्व है। यह प्रोजेक्ट मिशन-क्रिटिकल एनवायरनमेंट के लिए अत्याधुनिक, सुरक्षित और मजबूत तकनीकी समाधान प्रदान करने पर हमारे फोकस को दर्शाता है। यह सफलता, सुरक्षित नेटवर्किंग और कम्युनिकेशन सिस्टम्स लागू करने में सिल्वर टच की स्थापित क्षमताओं को उजागर करती है, जिससे कंपनी भारत के डिजिटल और एविएशन इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास में एक भरोसेमंद टेक्नोलॉजी पार्टनर के रूप में अपनी स्थिति मजबूत करती है। सिल्वर टच एआई, क्लाउड, रोबोटिक्स और अन्य उभरती तकनीकों का उपयोग करके अपने क्लाइंट्स को डिजिटल दुनिया में सफल होने में मदद करती है।

भारतीय अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2025-26 में 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी: एडीबी

नई दिल्ली

एडीबी ने कहा है कि उसे पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था के चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है क्योंकि भारतीय निर्यात पर अमेरिकी शुल्क का प्रभाव विशेष रूप से दूसरी छमाही की संभावनाओं को कम करेगा।

उल्लेखनीय है कि अप्रैल में जारी एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के एशियाई विकास परिदृश्य (एडीओ) में सात प्रतिशत की उच्च वृद्धि दर का अनुमान लगाया गया था।

इसे भारत से आने वाले माल पर अमेरिका के 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने की चिंता के कारण जुलाई की रिपोर्ट में घटाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया गया था। एडीओ सितंबर 2025 ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में बेहतर खपत और सरकारी व्यय के कारण सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 7.8 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि हुई है, लेकिन भारतीय निर्यात पर अतिरिक्त अमेरिकी शुल्क से वृद्धि में कमी आएगी।

खासकर वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी छमाही और वित्त वर्ष 2026-27 में, हालांकि लचीली घरेलू मांग और सेवा निर्यात प्रभाव को कम कर देंगे।

रिपोर्ट के अनुसार शुल्क लागू होने के कारण निर्यात में कमी का असर वित्त वर्ष 2025-26 और 2026-27 दोनों में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) पर पड़ेगा।

इसके परिणामस्वरूप शुद्ध निर्यात अप्रैल में पहले के अनुमान से अधिक तेजी से घटेगा। इसमें साथ ही कहा गया है कि कर राजस्व वृद्धि में कमी के कारण राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद के 4.4 प्रतिशत के बजट अनुमान से अधिक रहने की संभावना है।

टाटा कैपिटल ला रहा 15,512 करोड़ का आईपीओ

6 अक्टूबर से आम निवेशकों के लिए खुलेगा ऑफर

नई दिल्ली टाटा ग्रुप की वित्तीय शाखा टाटा कैपिटल लिमिटेड भारत का अब तक का चौथा सबसे बड़ा आईपीओ लाने जा रही है। इस सार्वजनिक निर्गम से कंपनी 15,512 करोड़ जुटाएगी और इसके बाद वह देश की पांचवीं सबसे मूल्यवान नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी (एनबीएफसी) बन जाएगी। आईपीओ का प्राइस बैंड 310 से 326 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। यह टाटा ग्रुप का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ है और टाटा टेक्नोलॉजीज के नवंबर 2023 में आए आईपीओ के बाद ग्रुप की दूसरी लिस्टिंग होगी। इस इश्यू में 6,846 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी होंगे, जिससे कंपनी की पूंजी स्थिति मजबूत होगी।

सोने का उपयोग करने वाले विनिर्माताओं को कार्यशील पूंजी ऋण की अनुमति

मुंबई भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों को उन विनिर्माताओं को आवश्यकता-आधारित कार्यशील पूंजी ऋण देने की अनुमति दी है जो कच्चे माल के रूप में सोना या चांदी का उपयोग करते हैं। यह सुविधा पहले केवल जौहरियों तक सीमित थी, लेकिन अब इसे विस्तारित कर अन्य उद्योगों तक पहुंचाया गया है। आरबीआई के नवीनतम निर्देशों के तहत अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक (एससीबी) और टियर 3 व टियर 4 के सहकारी बैंक (यूसीबी) ऐसे उधारकर्ताओं को कार्यशील पूंजी ऋण प्रदान कर सकते हैं, जो अपने विनिर्माण या औद्योगिक प्रसंस्करण में सोना या चांदी का उपयोग करते हैं। साथ ही सोना और चांदी को ऋण की गारंटी के रूप में स्वीकार करने की अनुमति भी दी गई है। यह कदम उन उद्योगों को आर्थिक सहायता प्रदान करेगा जो सोना या चांदी आधारित कच्चे माल का उपयोग करते हैं, जिससे उनकी उत्पादन क्षमता और कारोबार बेहतर होगा। इससे सोने के व्यापक व्यावसायिक उपयोग को बढ़ावा मिलेगा और वित्तीय लेन-देन में सहजता आएगी।

रिलायंस पावर ने इंडोनेशिया की 5 सहायक कंपनियां 12 मिलियन डॉलर में बेचीं

मुंबई अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर ने इंडोनेशिया में स्थित अपनी 5 सहायक कंपनियों को 12 मिलियन डॉलर में बेचने की घोषणा की है। यह ट्रांजेक्शन सोमवार को हुआ, जिसके बाद कंपनी के शेयरों में करीब 3 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली। बीएसई में रिलायंस पावर का शेयर 44.94 रुपये के स्तर पर खुला और इंट्रा-डे हाई 46 रुपये तक पहुंच गया। रिलायंस पावर ने इंडोनेशिया की पांच कंपनियों पीटी अवे निश कोल ` रिसोसर्ज, पीटी हेरामबा गोयल, पीटी सुमुखा व अन्य को बेचने का फैसला किया है। यह डील रिलायंस पावर नीदरलैंड्स बीवी और रिलायंस नेचुरल रिसोर्सेज (सिंगापुर) के माध्यम से की गई है। इन पांचों कंपनियों की कुल नेट वर्थ 16909 लाख रुपये है, जो रिलायंस पावर के कुल नेट वर्थ का मात्र 0.53 प्रतिशत है। कंपनी ने बताया कि इन सहायक कंपनियों से वित्त वर्ष 2025 में कोई भी आय नहीं हुई है। खरीदार कंपनी प्रमोटर ग्रुप से संबंधित नहीं है और रिलायंस ग्रुप के साथ इनका कोई संबंध नहीं है। इस डील के पूरा होने की उम्मीद 30 दिसंबर तक है। रिलायंस पावर के शेयरों में डील की खबर के बाद सकारात्मक तेजी आई है। कंपनी के शेयरों ने पिछले एक साल में 3.93 प्रतिशत की गिरावट झेली है, जबकि पांच वर्षों में 1468 प्रतिशत का आकर्षक रिटर्न दिया है। कंपनी का 52 सप्ताह का हाई 76.49 रुपये और लो 31.30 रुपये रहा है। इस डील से रिलायंस पावर को अपने संसाधनों को बेहतर तरीके से प्रबंधित करने और मुख्य व्यवसाय पर फोकस करने में मदद मिलेगी।

शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 97 और निफ्टी 23 अंक नीचे आया

मुंबई

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को हल्की गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी होने से बाजार नीचे आया।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 97.32 अंक नीचे आकर 80,267.62 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 23.80 अंक टूटकर 24,611.10 पर बंद हुआ। आज बैंकिंग के अलावा निफ्टी ऑटो , निफ्टी मेटल , निफ्टी कमोडिटी और निफ्टी पीएसई के शेयरों में तेजी रही जबकि निफ्टी आईटी , निफ्टी फार्मा , निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी मीडिया गिरावट के साथ बंद हुए।

आज कारोबार के दौरान मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में मिलाजुला कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 3.85 अंक की हल्की गिरावट के साथ 56,529.30 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 14.10 अंक की बढ़त के साथ 17,562.75 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के शेयरों में टाटा मोटर्स, बीईएल, बजाज फाइनेंस, एचयूएल, एमएंडएम, सन फार्मा, एशियन पेंट्स, एसबीआई, मारुति सुजुकी, कोटक महिंद्रा बैंक और इन्फोसिस के शेयरों में तेजी रही जबकि आईटीसी, भारती एयरटेल, ट्रेंट, बजाज फिनसर्व, टाइटन, टेक महिंद्रा, एलएंडटी, टीसीएस, टाटा स्टील, पावर ग्रिड और एचसीएल टेक के शेयरों में सबसे अधिक गिरावट रही।

आज मंथली एक्सपायरी के दिन बाजार एक सीमित दायरे में कारोबार कर रहा था। इसका कारण निवेशकों का सतर्क रुख रहा।

इससे पहले आज सुबह बाजार शुरुआती कारोबार में बढ़त के साथ खुले। वहीं निफ्टी 50 भी 57.05 अंक बढ़कर 24,691.95 के स्तर पर शुरू हुआ। एशिया-प्रशांत क्षेत्र के बाजारों में सुबह का कारोबार मिला-जुला रहा। निवेशक ऑस्ट्रेलिया रिजर्व बैंक के ब्याज दर निर्णय का इंतजार कर रहे हैं। टेक-हैवी नेस्डेक कम्पो जिट 0.48 फीसदी बढ़ा, एसएंडपी 500 0.26 और डाओ जोंस 0.15 फीसदी से ज्यादा बंद हुए।

चीन के विनिर्माण पीएमआई में मिले मिश्रित संकेत

हांगकांग सितंबर में चीन के आधिकारिक विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) 49.8 पर आ गया, जो 50 के नीचे रहकर उत्पादन में संकुचन दर्शाता है, लेकिन अगस्त के 49.4 से थोड़ा सुधार हुआ है। यह लगातार छठे महीने विनिर्माण गतिविधियों में गिरावट को दर्शाता है। वहीं निजी क्षेत्र के पीएमआई सर्वेक्षण में समग्र सूचकांक 51.2 पर पहुंच गया, जो उत्पादन विस्तार की ओर संकेत है। यह घरेलू मांग में सुधार और उत्पादन में वृद्धि को दर्शाता है। चीन की अर्थव्यवस्था धीमी गति से गति पकड़ रही है, लेकिन अमेरिका के साथ व्यापार तनाव और घरेलू मांग की कमजोरी बनी हुई चुनौतियां हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के प्रमुख हुओ लिहुई के अनुसार, आंकड़े उत्पादन में थोड़ी बढ़ोतरी और आर्थिक सुधार की ओर इशारा करते हैं।

दिल्ली एयरपोर्ट पर ई-अराइवल कार्ड सुविधा 1 अक्टूबर से

नई दिल्ली दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार 01 अक्टूबर से विदेशी यात्रियों के लिए ई-अराइवल कार्ड की सुविधा शुरू हो जाएगी। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) ने बताया कि यह नई सुविधा आव्रजन ब्यूरो के निर्देशानुसार लागू की जा रही है। इसके तहत यात्रियों को अब हवाई अड्डे पर मैन्युअल कागज-आधारित कार्ड भरने की बजाय एक डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन अपने आगमन की जानकारी दर्ज करनी होगी। यह सुविधा यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाएगी और कागज की बचत कर हवाई अड्डे के हरित लक्ष्यों को भी पूरा करने में मदद करेगी। इससे प्रक्रिया तेज़ होगी, कतारें कम होंगी और दक्षता बढ़ेगी। डिजिटल अराइवल कार्ड से हवाई अड्डे पर आने-जाने वाले यात्रियों के लिए अराइवल की प्रक्रिया सरल और पर्यावरण के अनुकूल बन जाएगी।

अक्टूबर में कई बड़े नियमों में होगा बदलाव

नई दिल्ली

अक्टूबर 2025 कई नए नियमों के साथ शुरू होने वाला है। कुछ बदलाव सीधे आपके रोजमर्रा के जीवन और फाइनेंशियल प्लानिंग पर असर डाल सकते हैं।

ये बदलाव एलपीजी, ट्रेन टिकट, यूपीआई, पेंशन स्कीम, ऑनलाइन गेमिंग और बैंकिंग जैसी चीजों से जुड़े हैं। आइए जानते हैं कौन-कौन से नियम बदल रहे हैं।

एलपीजी सिलेंडर के दाम बदलेंगे: अक्टूबर से ऑयल मार्केटिंग कंपनियां LPG और कमर्शियल सिलेंडर के दाम बदलेंगी। घरेलू सिलेंडर के दाम पिछले कुछ महीनों से स्थिर हैं।

▸▸ ट्रेन टिकट बुकिंग के नियम बदले:
अब रिजर्वेशन खुलने के पहले 15 मिनट केवल वही लोग ऑनलाइन टिकट बुक कर पाएंगे, जिनका आधार कार्ड वेरिफाई हो चुका है। यह नियम पहले केवल तत्काल टिकट के लिए था।

▸▸ यूपीआई का 'कलेक्ट रिक्वेस्ट' फीचर बंद:
1 अक्टूबर से यूपीआई ऐप्स में किसी से सीधे पैसे मांगने का विकल्प नहीं मिलेगा। एनपीसीआई के अनुसार यह धोखाधड़ी और फिशिंग से बचाव में मदद करेगा।

▸▸ यूपीआई ट्रांजैक्शन की लिमिट बढ़ेगी:
अब यूपीआई के जरिए एक बार में 5 लाख रुपये तक ट्रांजैक्शन किया जा सकेगा। यह रियल एस्टेट, ई-कॉमर्स और व्यवसायिक लेनदेन में आसान होगा।

▸▸ यूपीआई ऑटो-पे सुविधा शुरू:
अब सब्सक्रिप्शन और बिल के लिए ऑटो-पे का विकल्प मिलेगा। हर ऑटो-डेबिट पर नोटिफिकेशन आएगा और यूजर इसे बदल या बंद कर सकते हैं।

▸▸ एनपीएस में न्यूनतम योगदान बढ़ा:
नेशनल पेंशन सिस्टम में न्यूनतम मासिक योगदान 500 रुपये से बढ़कर 1,000 रुपये हो जाएगा।

▸▸ एनपीएस में नया टियर सिस्टम:
टियर-1 रिटायरमेंट फोकस और टैक्स बेनेफिट के साथ। टियर-2 लचीला विकल्प, टैक्स लाभ नहीं।

▸▸ पेंशन स्कीम में बदलाव:
एनपीएस, अटल पेंशन योजना और एनपीएस लाइफ में नए नियम लागू होंगे। सरकारी कर्मचारियों को नया पीआरएएन खोलने पर ई-पीआरएएन किट के लिए 18 रुपये देने होंगे।

▸▸ ऑनलाइन गेमिंग नियम बदले:
सभी गेमिंग प्लेटफॉर्म्स को मेटी से वैध लाइसेंस लेना होगा। ऑनलाइन रियल-मनी गेम में भाग लेने के लिए न्यूनतम उम्र 18 साल होगी।

▸▸ डाक सेवा के चार्ज में बदलाव:
1 अक्टूबर से स्पीड पोस्ट सेवा में शुल्क बदलेंगे। नई सुविधाओं में ओटीपी आधारित डिलीवरी, रियल-टाइम ट्रैकिंग, ऑनलाइन बुकिंग और एसएमएस नोटिफिकेशन शामिल हैं।

दिवालियापन प्रक्रिया में किसी भी चरण में रद्द हो सकती है समाधान योजना: एनसीएलटी

नई दिल्ली नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल (एनसीएलएटी) ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण आदेश में कहा है कि दिवालियापन प्रक्रिया के दौरान यदि किसी भी स्तर पर धोखाधड़ी सामने आती है, तो नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल को समाधान योजना को रद्द करने का अधिकार है, चाहे वह योजना पहले ही स्वीकृत क्यों न हो। 8 सितंबर को दिए गए आदेश में एनसीएलएटी ने स्पष्ट किया` कि आईबीसी की धारा 65, जो धोखाधड़ीपूर्ण या दुर्भावनापूर्ण दिवालियापन याचिकाओं से जुड़ी है, यदि लागू होती है तो प्रक्रिया का चरण अप्रासंगिक हो जाता है। ट्रिब्यूनल ने कहा कि धोखाधड़ी सब कुछ निरस्त कर सकती है, जिसमें स्वीकृत समाधान योजना भी शामिल है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि यह आदेश इंसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड (आईबीसी) की स्थिरता और व्यापारिक विश्वास को प्रभावित कर सकता है। गांधी लॉ एसोसिएट्स के एक पार्टनर ने कहा` कि धोखाधड़ी का इरादा एक खतरनाक रूप से व्यापक अवधारणा है। अगर इसे जरूरत से ज्यादा फैलाया गया, तो इससे आईबीसी की उस अंतिमता को नुकसान होगा जिसे सुप्रीम कोर्ट ने मान्यता दी है। यह आदेश सुप्रीम कोर्ट के भूषण पावर एंड स्टील मामले से विपरीत है, जहां कोर्ट ने चेतावनी दी थी कि स्वीकृत योजना को फिर से खोलना पैंडोरा का बॉक्स खोलने जैसा होगा।

जिंदल स्टील का अंगुल में 3 एमटीपीए बेसिक ऑक्सीजन फर्नेस प्रारंभ

नई दिल्ली जिंदल स्टील ने ओडिशा के अंगुल में अपनी 20,000 करोड़ रुपये की विस्तार परियोजना के तहत 3 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) क्षमता वाली बेसिक ऑक्सीजन फर्नेस (बीओएफ) को चालू कर दिया है। नए बीओएफ की शुरुआत के साथ संयंत्र की कच्चे इस्पात उत्पादन क्षमता 60 लाख टन से बढ़कर 90 लाख टन प्रति वर्ष हो गई है। बेसिक ऑक्सीजन फर्नेस गैसीय ऑक्सीजन का उपयोग कर पिघले हुए लोहे को इस्पात में बदलती है। जिंदल स्टील के एक प्रमुख अे धिकारी ने बताया कि पहली ऊष्मा का सफलतापूर्वक दोहन हो चुका है। यह सफलता कंपनी के 1.2 करोड़ टन प्रति वर्ष इस्पात उत्पादन के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस विस्तार से कंपनी की उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और स्थानीय उद्योग को मजबूती मिलेगी।

वृद्ध बोझ नहीं, बल्कि संस्कृति, परंपरा और मूल्यों के संरक्षक हैं

ललित गर्ग

अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की शुरूआत 1991 में हुई थी और इसका उद्देश्य बढ़ती उम्र की आबादी के अवसरों और चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा वृद्धजनों के अधिकारों और योगदान को पहचानना है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित इस दिवस पर वृद्धजनों को समर्थन देने वाली प्रणालियों को मजबूत करने का आह्वान किया जाता है और उनके मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए एकीकृत दृष्टिकोण को प्रोत्साहित किया जाता है।

संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के रूप में घोषित किया है। इस दिवस का उद्देश्य वृद्धों के अधिकारों, उनकी गरिमा और उनके योगदान को रेखांकित करना है। यह दिन हमें यह सोचने को विवश करता है कि जीवन के इस अंतिम पड़ाव में, जिसे कभी सम्मान और अनुभव का प्रतीक माना जाता था, आज वह उपेक्षा, अकेलेपन और असुरक्षा का पर्याय क्यों बन गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वर्ष 2030 तक 60 वर्ष से अधिक आयु के लोग पूरी दुनिया में 1.4 अरब से अधिक हो जाएंगे और 2050 तक यह संख्या दोगुनी होकर लगभग 2.1 अरब तक पहुँच जाएगी। विकसित देशों में वृद्धजन आबादी का चौथाई हिस्सा बन चुके हैं, वहीं विकासशील देशों में भी उनकी संख्या तेजी से बढ़ रही है। लेकिन विडंबना यह है कि इस बढ़ती जनसंख्या के साथ उनकी सुरक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक भागीदारी की चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। यूरोप और अमेरिका जैसे देशों में वृद्धजन पेंशन और हेल्थकेयर से तो सुरक्षित हैं, परंतु वहाँ अकेलेपन और मानसिक अवसाद की समस्या विकराल है। एशिया और अफ्रीका में, जहां परिवार व्यवस्था मजबूत मानी जाती थी, अब संयुक्त परिवार टूटने से वृद्धजन आर्थिक व सामाजिक असुरक्षा से जूझ रहे हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की शुरूआत 1991 में हुई थी और इसका उद्देश्य बढ़ती उम्र की आबादी के अवसरों और चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा वृद्धजनों के अधिकारों और योगदान को पहचानना है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित इस दिवस पर वृद्धजनों को समर्थन देने वाली प्रणालियों को मजबूत करने का आह्वान किया जाता है और उनके मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए एकीकृत दृष्टिकोण को प्रोत्साहित किया जाता है। समाज में उनके बहुमूल्य योगदान को मान्यता देना, उनके अधिकारों की रक्षा करना, वृद्धजनों को स्वास्थ्य सेवाएं, देखभाल, सामाजिक सहायता प्रदान करने वाली प्रणालियों को मजबूत करना, वृद्धजनों को वैश्विक विकास प्रयासों में शामिल करना और शहरी वातावरण को उनके लिए अधिक समावेशी बनाना आदि इस दिवस को मनाने के उद्देश्य हैं। इस दिवस को मनाते हुए वृद्ध व्यक्तियों की डिजिटल प्रौद्योगिकियों तक समान पहुँच प्रदान करने के महत्व पर जोर देना और यह सुनिश्चित करना कि सभी आयु वर्गों के लिए समानता को बढ़ावा दिया जाए और वृद्ध व्यक्तियों के मानवाधिकारों का पालन हो आदि बातों पर विशेष बल दिया जाता है।

इस दिवस की 2025 की थीम "समावेशी भविष्य के लिए वृद्धजनों की आवाज को सशक्त बनाना" है, जो वृद्धजनों की आवाज, अनुभव और ज्ञान को पहचानने तथा उनके अनुभवों के आधार पर समावेशी समाजों के निर्माण पर जोर देती है। यह थीम इस बात पर प्रकाश डालती है कि वृद्धजन लचीले और समतामूलक समाज बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्नत एवं आदर्श समाज के निर्माण में वृद्धजनों की आवाज, उनके दृष्टिकोण और अनुभव को विशेष महत्व है। वृद्धावस्था में कठिनाइयां अनेक रूपों में सामने आती हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से हृदय रोग, मधुमेह, जोड़ों के दर्द और डिमेंशिया जैसी बीमारियाँ उन्हें घेरे रहती हैं, परंतु चिकित्सा सुविधाओं तक उनकी पहुंच सीमित है। आर्थिक दृष्टि से पेंशन व सामाजिक सुरक्षा योजनाएं हर वृद्धजन तक नहीं पहुँचतीं और ग्रामीण क्षेत्रों में यह स्थिति और भी दयनीय है। सामाजिक स्तर पर आधुनिक जीवन की दौड़ में वृद्धजन अकेलेपन, उदासी और उपेक्षा से पीड़ित हैं। मानसिक दृष्टि से आत्मसम्मान को ठेस, भूमिका से वंचित होना और बेकारपन का एहसास उन्हें भीतर तक तोड़ देता है।

भारत में वृद्धों की स्थिति अधिक चिन्ताजनक है। जबकि वृद्धजन भारतीय समाज की धरोहर मानी जाती रही हैं, उन्हें अनुभव और ज्ञान का भंडार मानते हैं। इसके बावजूद यदि हम उन्हें उपेक्षित करेंगे तो यह केवल अन्याय ही नहीं, बल्कि सभ्यता एवं संस्कृति की पराजय होगी। वृद्धजन केवल जीवित बोझ नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और मूल्यों के संरक्षक हैं। उनका सम्मान करना न केवल हमारा नैतिक कर्तव्य है बल्कि एक बेहतर, संवेदनशील और संतुलित समाज के निर्माण की अनिवार्यता है। भारत जैसे विकसित देश के नागरिकों की औसत आयु 60 वर्ष से अधिक 65 हो रही है। जीवन प्रत्याशा में वृद्धि के कारण देश में वृद्धजन की संख्या बढ़ रही है, देश में 2011 में 10.38 करोड़ वरिष्ठ नागरिक थे, जिनके 2050 तक बढ़कर 30 करोड़ होने का अनुमान है। अनुमान है, कि 2050 तक हर चौथा भारतीय बुजुर्ग होगा। यह बात भारत के नीति आयोग ने कही है, इसी के कारण बुजुर्गों की समस्याएं बढ़ती जा रही हैं।

भारत में परंपरागत भारतीय परिवार व्यवस्था में वृद्धजनों को सम्मान, सुरक्षा और निर्णय लेने की अहम भूमिका प्राप्त थी। लेकिन आज शहरीकरण, परमाणु परिवार, प्रवास और उपभोक्तावादी सोच ने उनकी भूमिका को हाशिए पर पहुँचा दिया है। परिवार के भीतर उन्हें आर्थिक बोझ समझा जाने लगा है, पीढ़ीगत टकराव और मूल्यों में बदलाव ने दूरी बढ़ा दी है, नौकरी-पेशा बच्चों के व्यस्त जीवन में धैर्य और देखभाल की कमी स्पष्ट हो रही है और संपत्ति तथा अधिकारों को लेकर तनाव आम हो गया है। इसके परिणामस्वरूप वृद्धजन शारीरिक बीमारियों से जूझते हैं, पर पर्याप्त चिकित्सा नहीं मिलती। वे अकेलेपन और मानसिक अवसाद का शिकार होते हैं, उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया से बाहर कर दिया जाता है और कभी-कभी घरेलू हिंसा और संपत्ति विवादों में भी उलझना पड़ता है।

प्रश्न है कि दुनिया में वृद्ध दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों वृद्धों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि वृद्धों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। वृद्धावस्था जीवन की सांझ है। वस्तुतः वर्तमान के भागदौड़, आपाधापी, अर्थ प्रधानता व नवीन चिन्तन तथा मान्यताओं के युग में जिन अनेक विकृतियों, विसंगतियों व प्रतिकूलताओं ने जन्म लिया है, उन्हीं में से एक है वृद्धों की उपेक्षा। वस्तुतः वृद्धावस्था तो वैसे भी अनेक शारीरिक व्याधियों, मानसिक तनावों और अन्यान्य व्यथाओं भरा जीवन होता है और अगर उस पर परिवार के सदस्य, विशेषतः युवा परिवार के बुजुर्गों/वृद्धों को अपमानित करें, उनका ध्यान न रखें या उन्हें मानसिक संताप पहुँचाएं, तो स्वाभाविक है कि वृद्ध के लिए वृद्धावस्था अभिशाप बन जाती है।

इन समस्याओं का समाधान केवल सरकारी योजनाओं से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए परिवार, समाज और सरकार-सभी स्तरों पर समन्वित प्रयास की आवश्यकता है। परिवार व्यवस्था का पुनर्जीवन जरूरी है, बच्चों में बचपन से ही सेवा, सहानुभूति और सम्मान की भावना विकसित की जाए। सामाजिक सुरक्षा के दायरे का विस्तार हो, पेंशन, स्वास्थ्य बीमा और वृद्धाश्रमों की गुणवत्ता में सुधार किया जाए। स्वास्थ्य सेवाओं में जेरियाट्रिक देखभाल को प्राथमिकता दी जाए, प्रत्येक नगर और गाँव में वृद्धजन के लिए स्वास्थ्य केंद्र स्थापित हों। मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाए, अकेलेपन से लड़ने के लिए सामुदायिक केंद्र, क्लब और वृद्धजन मंच सक्रिय किए जाएँ। वृद्धजनों को डिजिटल तकनीक से जोड़कर उन्हें सामाजिक और पारिवारिक संवाद में सक्रिय बनाया जाए। माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम 2007 का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए और समाज में उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता लाई जाए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जब नया भारत, विकसित भारत और समृद्ध भारत का निर्माण हो रहा है, तब यह आवश्यक है कि इस विकास यात्रा में वृद्धजन उपेक्षित न हों बल्कि उन्हें इसका सक्रिय भागीदार बनाया जाए। न्यूनतम पेंशन की गारंटी दे और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ हर वरिष्ठ नागरिक तक पहुंचाए। साथ ही "डिजिटल इंडिया" और "स्किल इंडिया" जैसी योजनाओं से वृद्धजनों को जोड़ा जाए ताकि वे सामाजिक संवाद और आर्थिक गतिविधियों में सक्रिय बने रहें। वृद्धाश्रमों और डे-केयर सेंटर्स की गुणवत्ता और संख्या बढ़ाई जाए, मानसिक स्वास्थ्य के लिए काउंसलिंग केंद्र स्थापित हों और "सेवा भाव" को बढ़ावा देने वाले राष्ट्रीय अभियान चलाए जाएँ। जब भारत आत्मनिर्भरता और वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है, तब उसके अनुभव-संपन्न वृद्धजन राष्ट्र की अमूल्य पूंजी हैं, इसलिए मोदी सरकार को उनके लिए संवेदनशील और समग्र कल्याणकारी नीतियां लागू करनी चाहिए।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

एशिया कप में विजयी 'तिलक'

कुछ महीनों पहले विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम ने टी-20 एशिया कप पर कब्जा जमाकर अपनी श्रेष्ठता एक बार फिर साबित कर दी है। यह सही है कि भारत को इस खिताबी जीत के लिए खासा संघर्ष करना पड़ा। पर हमेशा जीत के ही मायने होते हैं, इस लिहाज से देखें पाकिस्तान पर इस चैंपियनशिप में पहली जीत दर्ज करने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहना कि दोनों देशों के बीच प्रतिद्वंद्विता रह कहां गई है, काफी हद तक सही लगती है। इसकी वजह भारत की पाकिस्तान पर लगातार आठवीं जीत दर्ज करना है। पिछले कुछ समय से क्रिकेट प्रेमी यह कहने लगे हैं कि भारत-पाकिस्तान मुकाबलों में अब पहले जैसा रोमांच नहीं रहा है। इस सोच की फाइनल मुकाबले ने एकदम से हवा निकाल दी है। इस मुकाबले में आखिरी ओवर फेंके जाने तक यह तय नहीं था कि कौन सी टीम विजेता बनेगी। भारतीय जीत की वजह खिलाड़ियों द्वारा महत्त्वपूर्ण मौकों पर धड़कनों को काबू में रखना है। इस खूबी की वजह से ही भारतीय टीम पाकिस्तान के 12.4 ओवर में एक विकेट पर 113 रन बनाने के बाद उन्हें 146 रनों पर समेंटने में सफल हो गई। वहीं अपने तीन प्रमुख विकेट गिर जाने पर लक्ष्य पाने में सफल हो गई। बात यहां तक भारत-पाक मुकाबलों के रोमांच की है, तो फाइनल देखने के बाद शायद ही कोई रोमांच में कमी आने की बात माने। आईसीसी इन दोनों देशों के मुकाबले के महत्त्व को जानता है, इसलिए ही वह इसका पूरा फायदा उठाने का प्रयास करता है। इस कारण ही भारत और पाकिस्तान को एक ग्रुप में रखकर दोनों के बीच तीन मुकाबले की संभावनाएं बनाई जाती हैं। इसकी वजह अधिक से अधिक कमाई करना होता है। अगर दोनों टीमों को अलग-अलग ग्रुपों में रखा जाता तो तमाम विवादों से बचा जा सकता था। वैसे भी तमाम विवाद खेल भावना को नहीं दर्शाते हैं। सही मायनों में तो खेल को राजनीति से बचाने का प्रयास किया जाना चाहिए। पर इसमें दोनों में से किसी की भी दिलचस्पी नजर नहीं आती है। दोनों टीमों में विवाद पहले भी रहे हैं। पर मैदान के बाहर सबकुछ भुला दिया जाता था। पर पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों के पहलगाम हमले के बाद से इस मामले में सबकुछ बदल गया है। पर इतना जरूर है कि मैदान में खिलाड़ियों के आपस में भिड़ने और कमेंट्री रूम में दोनों देशों के पूर्व क्रिकेटरों के सहज रहना थोड़ा अटपटा जरूर लगता है। इसलिए खेल भावना को बनाए रखना ही खेल के लिए हितकर लगता है।

चिंतन-मनन

कृष्ण हैं परम पुरुष

जीव तथा भगवान की स्वाभाविक स्थिति के विषय में अनेक दार्शनिक ऊहापोह में रहते हैं। जो भगवान कृष्ण को परम पुरुष के रूप में जानता है, वह सारी वस्तुओं का ज्ञाता है। अपूर्ण ज्ञाता परम सत्य के विषय में केवल चिन्तन करता जाता है, जबकि पूर्ण ज्ञाता समय का अपव्यय किये बिना सीधे कृष्णभावनामृत में लग जाता है, अर्थात भगवान की भक्ति करने लगता है। सम्पूर्ण भगवद्गीता में पग-पग पर इस तथ्य पर बल दिया गया है। फिर भी भगवद्गीता के ऐसे अनेक कट्टर भाष्यकार हैं, जो परमेर तथा जीव को एक ही मानते हैं। वैदिक ज्ञान श्रुति कहलाता है, जिसका अर्थ है श्रवण करके सीखना। वास्तव में वैदिक सूचना कृष्ण तथा उनके प्रतिनिधियों जैसे अधिकारियों से ग्रहण करनी चाहिए। यहां कृष्ण ने हर वस्तु का अंतर सुन्दर ढंग से बताया है, अतएव इसी स्त्रोत से सुनना चाहिए। लेकिन केवल सुनना पर्याप्त नहीं है। मनुष्य को चाहिए कि अधिकारियों से समझे। ऐसा नहीं कि केवल शुष्क चिन्तन ही करता रहे। मनुष्य को विनीत भाव से भगवद्गीता से सुनना चाहिए कि सारे जीव सदैव भगवान के अधीन हैं। जो भी इसे समझ लेता है, वही श्रीकृष्ण के कथनानुसार वेदों के प्रयोजन को समझता है, अन्य कोई नहीं समझता।

भजति शब्द अत्यन्त सार्थक है। कई स्थानों पर भजति का संबंध भगवान की सेवा के अर्थ में व्यक्त हुआ है यदि कोई व्यक्ति पूर्ण कृष्णभावनामृत में रत है, अर्थात भगवान की भक्ति करता है, तो यह समझना चाहिए कि उसने सारा वैदिक ज्ञान समझ लिया है। वैष्णव परंपरा में कहा जाता है कि यदि कोई कृष्ण-भक्ति में लगा रहता है, तो उसे भगवान को जानने के लिए किसी अन्य आध्यात्मिक विधि की आवश्यकता नहीं रहती। वह ज्ञान की समस्त प्रारंभिक विधियों को पार कर चुका होता है। लेकिन यदि कोई लाखों जन्मों तक चिन्तन करने पर भी इस लक्ष्य पर नहीं पहुंच पाता कि श्रीकृष्ण ही भगवान हैं और उनकी ही शरण ग्रहण करनी चाहिए, तो उसका अनेक जन्मों का चिन्तन व्यर्थ जाता है।

अमेरिका की सरकार कंगाली की कगार पर

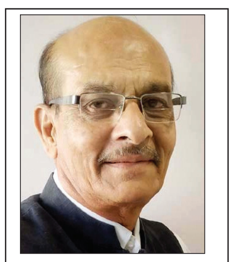

सनत जैन

पूंजीवादी व्यवस्था अपने चरम पर... दुनिया की सबसे ताकतवर अर्थव्यवस्था वाली अमेरिकी सरकार कंगाली की कगार पर खड़ी हो गई है। यह स्थिति बजट विवाद या प्रशासनिक असफलता का नहीं है, बल्कि उस पूंजीवादी व्यवस्था की नंगी सच्चाई है, जिसने वहां की आम जनता का आर्थिक शोषण करते हुए कॉर्पोरेट घरानों की तिजोरियां भर दी हैं। आंकड़े बताते हैं, अमेरिकी सरकार दो ट्रिलियन डॉलर के घाटे में चल रही है। संसद में बजट पास न होने की स्थिति में शटडाउन का खतरा मंडराने लगा है। बजट की अनुमति नहीं मिलने पर सरकारी कर्मचारियों को वेतन नहीं मिलेगा। अमेरिका की पूरी अर्थ व्यवस्था ठप्प पड़ जाएगी। सरकार एक तरह से ऑक्सीजन पर निर्भर हो जाएगी। यह कंगाली अचानक नहीं आई है। डोनाल्ड ट्रंप और उनसे पहले की सरकारों ने कॉरपोरेट को लगातार टैक्स छूट, कॉर्पोरेट पर नरमी और जनता पर टैक्स का बोझ डालने वाली नीतियों को बढ़ावा दिया है। नतीजा यह हुआ कि तंबाकू, बैंकिंग, टेक और दवा कंपनियों जैसे सेक्टर में कार्पोरेट 75 से 80 प्रतिशत से ज्यादा का मुनाफा कमा रहे हैं। उत्पादन और खेती से जुडा वर्ग महज 1.8 प्रतिशत पर सिमट गया है। मेहनत करने वाले अमेरिकी नागरिक लगातार पिस रहे हैं। वहीं पूंजीपति वर्ग दिन-दूनी रात-चौगुनी कमाई कर रहा है। सबसे भयावह स्थिति हेल्थकेयर सेक्टर की है। अमेरिका में प्रति व्यक्ति करीब 11 लाख रुपए सालाना स्वास्थ्य पर खर्च होते हैं। जो जर्मनी, फ्रांस या कनाडा जैसे विकसित देशों से 2 से 3 गुना ज्यादा है। बावजूद इसके, जनता को गुणवत्तापूर्ण सुविधा नहीं मिल रही है। 20 से 40 गुना महंगी दवाएं अमेरिका में बिकती हैं। डॉक्टरों की फीस भी अमेरिका मे अन्य देशों की तुलना में सबसे ज्यादा है। अस्पतालों में भर्ती होना या सर्जरी कराना आम नागरिक के लिए बहुत मुश्किल हो गया है। उसे इलाज के लिए कर्ज लेना पड़ रहा है। जिसके कारण वह कर्ज के बोझ से दबा हुआ है। आम आदमी का यही पैसा फार्मा और बीमा कंपनियों की जेब में जा रहा है। जिसके कारण फार्मा और बीमा कंपनियों की कमाई लगातार बढ़ती जा रही है। यह दो सेक्टर अमेरिका की राजनीति को प्रभावित करते हैं। सरकार उनके अनुसार ही नीतियां बनाती है। कॉर्पोरेट का अमेरिका की राजनीति मे गहरा प्रभाव होने से आम आदमी की आर्थिक स्थिति दिन प्रतिदिन खराब होती चली जा रही है।

पूंजीवाद की यह बीमारी अमेरिका को अंदर से खोखला कर रही है। सरकार ने विदेशी सहायता घटाई है। पब्लिक सेक्टर की संपत्तियों को बेच दिया है। स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में सरकार लगातार कटौती कर रही है। इसके बाद भी सरकार का घाटा कम होने के स्थान पर बढ़ता ही जा रहा है। इसकी वजह साफ है, अमेरिका में कॉर्पोरेट के मुनाफे पर कोई अंकुश नहीं है। बैंकिंग सेक्टर 99 प्रतिशत मार्जिन से कमाई कर रहा है। टैक्स बोझ केवल आम नागरिकों पर है। अमेरिका की सरकार कॉरपोरेट को टैक्स छूट के साथ-साथ हर सुविधा दे रही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आयात पर टैरिफ और अप्रत्यक्ष टैक्स बढ़ाकर जनता की जेब से वसूली कर रहे हैं। वहीं डोनाल्ड ट्रंप की सरकार कार्पोरेट जगत के अरबों-खरबों की कॉर्पोरेट कमाई पर चुप्पी साध रखी है, जिससे अमेरिका की जनता का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। अमेरिका का यह संकट दुनिया के लिए एक बडी चेतावनी है। भारत सहित दुनिया के तमाम देशों को यह समझना होगा। अगर अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से बाजार को कॉर्पोरेट के हवाले कर दिया गया तो आम जनता और सरकार का हाल, वही होगा जो आज अमेरिका का हो चुका है। सरकार के ऊपर कर्ज बढ़ता चला जा रहा है। आम लोगों के बजट में कटौती होती जा रही है। महंगाई बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। कमाई ओर बचत कम होती चली जा रही है। सरकारें कंगाल होती जा रही हैं, और जनता गुलाम होने जैसी स्थिति में पहुंच गई है। पूंजीवाद का यह चरम रूप है, जिसने अमेरिका जैसे देश में लोकतंत्र को खोखला कर दिया है। अमेरिका की संसद मे नीतियां जनता के लिए नहीं, बल्कि कंपनियों के हित के लिए बन रही हैं।

अमेरिका की वर्तमान स्थिति केवल उसकी आंतरिक समस्या नहीं है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए कहा जा सकता है, वैश्विक पूंजीवादी मॉडल की असफलता है। वैश्विक व्यापार संधि के माध्यम से पूंजीवाद को अमेरिका से पूरी दुनिया में फैलाने की कोशिश की गई थी। वह अपने वीभत्स रूप में अमेरिका में ही देखने को मिल रही है। सवाल यह है, चेतावनी को समय रहते समझेंगे, या फिर अमेरिका की राह पर चलते हुए भारत सहित दुनिया के सारे देश आर्थिक संकट और लोकतंत्र के लिए चुनौती साबित होंगे? वैश्विक व्यापार संधि के बाद जो बाजारवाद की लहर पूरी दुनिया के देशों में पहुंची थी,

उसके कारण आम आदमी से लेकर सरकारें सभी कर्ज में डूबी हुई हैं। कॉरपोरेट दिन दूनी रात चौगुनी कमाई कर रहे हैं। आम जनता कर्ज और टैक्स के बोझ से दबी हुई है। इसके बाद भी दुनिया की सभी सरकारों का कर्ज बढ़ता ही जा रहा है। दुनिया के सभी देशों की जनता कंगाली और शोषण का शिकार हो रही हैं। राजनेताओं और कॉरपोरेट सेक्टर का जो गठबंधन बना है अब उसके खिलाफ सारी दुनिया के देशों में आम जनता के बीच विद्रोह देखने को मिलने लगा है। आधा दर्जन से ज्यादा देश इसके शिकार हैं। आम जनता विशेष रूप से युवा महंगाई और बेरोजगारी से परेशान हैं। कारपोरेट जगत में जो नीतियां बनाई हुई हैं उसमें मशीनों का ज्यादा से ज्यादा उपयोग हो रहा है। लोगों को काम नहीं मिल रहा है। जिसके कारण अब पूंजीवादी व्यवस्था को लेकर सारी दुनिया के देशों में जो गुस्सा देखने को मिल रहा है वह किसी के लिए भी अच्छा नहीं है। कार्पोरेट जगत और राजनेताओं की मिली भगत ने शोषण की सभी हदें पार कर दी हैं। इसके बाद भी अमेरिका जैसा देश कर्ज के कारण कंगाली के दौर पर पहुंच रहा है। यह सारी दुनिया के पूंजीवादी देशों के लिए एक सबक है।

सड़क हादसे: असुरक्षित सड़कें हैं जान की दुश्मन

विनोद के. शाह

देश में जनसंख्या वृद्धि केवल जनगणना के आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि रोजमर्रा के जीवन की हर सड़क, हर मोड़ और हर फुटपाथ पर सुरक्षित एंव शांतिपूर्ण जीवन में खौफ पैदा करती दिखती है।

शहरों में इंसान एवं वाहन बढ़ते गए, सड़कों पर जगह घटती गई। नतीजा यह कि पैदल चलने वालों के लिए कभी सुरक्षित माने जाने वाले फुटपाथ आज खड़े वाहनों, दुकानों के विस्तार और अवैध कब्जों से घिर चुके हैं। एक समय था जब फुटपाथ पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित, सुविधाजनक और निर्बाध रास्ता हुआ करता था। आमजनों को अधिकार में मिला सड़क के किनारे वाला फुटपाथ स्कूल जाते बच्चों, पैदल चलते बुर्जगों के लिए सुरक्षित मार्ग था। दिव्यांगजन भी बगैर डरे आत्मविश्वास के साथ सुरक्षित चल पाते थे। लेकिन अब वही फुटपाथ एंव पार्किंग स्थल अतिक्रमण का शिकार हो चुके हैं।

हाल ही में उच्चतम न्यायालय ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सहित राज्य सरकारों से स्पष्ट कहा है कि नागरिकों, विशेष रूप से दिव्यांगजन और बुजुगरे के लिए सुरक्षित फुटपाथ उपलब्ध कराना सरकारों की नैतिक और संवैधानिक जिम्मेदारी है। अदालत ने चार सप्ताह के भीतर आवश्यक कदम उठाने का आदेश दिया है। यह आदेश अब केवल एक प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक चेतावनी भी है कि यदि सरकार और स्थानीय निकाय समय पर कदम नहीं उठाते, तो सड़क सुरक्षा के संकट और गंभीर होंगे। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार वर्ष 2023 में देशभर में पैदल चलते हुए 35,203 लोगों की सड़क दुर्घटनाओं में मौत हुई, जबकि 54,544 लोग घायल हुए। यह आंकड़ा सड़क हादसों में कुल मौतों का 20.4% है। प्रत्येक पांच सड़क दुर्घटना मृतकों में से एक पैदल यात्री है। दिल्ली में वर्ष 2025 के प्रारंभिक चार महीनों में सड़क हादसों में 184 लोगों की जान गई है। यानी प्रत्येक माह औसतन 46 लोगों की पैदल चलने के दौरान मौत हुई है। दिल्ली यातायात पुलिस मानती है कि सड़क किनारे रेहड़ी-पटरी एवं खड़े वाहनों के अतिक्रमण से राजधानी की अस्सी फीसद सड़कें प्रभावित है। यह आंकड़े संकेत हैं कि हमारे शहर और कस्बे पैदल चलने के लिए सुरक्षित रहने के बजाए दिन-ब-दिन खतरनाक होते जा रहे हैं। पिछले वर्षो में ऐसी अनेक घटनाएं हुई है, जब स्कूल बस का इंतजार कर रहे बच्चों को तेज रफ्तार वाहनों ने रौंदा है।

वर्ष 2023 में ही सड़क हादसों में 2,352 बच्चों ने अपनी जान गंवाई। इससे भी दर्दनाक यह कि सड़क पर बने गड्ढों के कारण 2,161 लोग मारे गए। गड्ढा भरना कोई तकनीकी विशेषज्ञों की आवश्यकता नहीं मांगता है, इसे स्थानीय निकाय का सफाई कर्मचारी भी आसानी से संपन्न करा सकता है, लेकिन हमारे देश में पैचवर्क श्रेणी का कार्य भी फाइलों में एक टेबल से दूसरे टेबल का सफर करता एक लंबित कार्य बन जाता है। सड़क सुरक्षा में यातायात पुलिस सहित नगर निगम, नगर पालिका, विकास प्राधिकरण, यातायात प्रबंधन विभाग और नागरिकों, सभी की साझा जिम्मेदारी है।

स्थानीय प्रशासन को अतिक्रमण हटाने, पार्किंग व्यवस्था सुधारने और फुटपाथ की मरम्मत की जिम्मेदारी प्रशासनिक कार्य बंटवारे में सौंपी गई है। यातायात पुलिस को पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित जेब्रा क्रॉसिंग, यातायात सिग्नल और अंडरपास की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए। नागरिकों को भी स्वयं के कर्तव्यों को समझने की अवश्यकता है कि फुटपाथ पर गाड़ी खड़ी करना या दुकान फैलाना दूसरों के जीवन को संकट में डालना है। बैंक, मॉल, अस्पताल और प्रतिष्ठानों को अपने ग्राहकों को पार्किंग सुविधा उपलब्ध कराना व्यपारिक जिम्मेदारी के साथ कानूनन आवश्यक है। लेकिन स्थानीय प्रशासनिक व्यवस्था इतनी अधिक लाफरवाह हो चुकी है कि पार्किंग अभाव में भी संस्थाओं को संचालन की आसान अनुमति दे दी जाती है, जिसमें गाड़ियां सड़कों और टपाथों पर खड़ी कर दी जाती हैं।

आवासीय क्षेत्रों में वह रहवासी भी बड़ी गाड़ियां खरीदने में परहेज नहीं करते हैं जिन पर पार्किंग सुविधा नहीं है, परिणामस्वरूप वाहन सड़क पर खड़े किए जाते हैं। जिसके कारण आपातकालीन सेवाएं एंबुलेंस और अग्निशमन वाहन भी समय पर आसानी से नहीं गुजर पाते है। शीर्ष अदालत ने कहा है कि जब बड़े राजमार्ग बनाने की बात की जा रही है, लेकिन

देश में पैदल राहगीरों के लिए सडक किनारे फुटपाथ सुरक्षित नहीं है। यह देश में गंभीर चिंता का विषय होना चहिए। मोटर वाहन अधिनियम 1988 में भी पैदल यात्रियों को सड़क क्रॉसिंग, फुटपाथ और ट्रैफिक सिग्नल जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराना अनिवार्य माना गया है, लेकिन इसे सिर्फ किताबों तक ही सीमित माना जा रहा है।

पैदल राहगीरों के दुर्घटनाग्रस्त होने पर इलाज सहायता का प्रावधान भी अदालत के हस्तक्षेप के बाद ही संभव हो सका है। अगर आज हमने फुटपाथ और सड़क सुरक्षा पर ध्यान नहीं दिया, तो आने वाले समय में शहरों में पैदल चलना भी असंभव हो जाएगा। सुप्रीम कोर्ट का दिशा-निर्देश महत्त्वपूर्ण कदम है, सुरक्षित फुटपाथ और व्यवस्थित सड़कें केवल यातायात सुधार का हिस्सा नहीं, बल्कि हर नागरिक के जीवन के अधिकार का सम्मान भी है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रम्प पोर्टलैंड में सैनिक तैनात करेंगे, कहा- आतंकियों से निपटना मकसद

पोर्टलैंड , एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शनिवार को कहा वह ओरेगन के पोर्टलैंड शहर में सैनिक भेजेंगे और जरूरत पड़ने पर घरेलू आतंकवादियों से निपटने के लिए पूर्ण सैन्य बलों को भेजेंगे। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट ट्रुथ सोशल पर लिखा – 'पोर्टलैंड एंटीफा और अन्य घरेलू आतंकवादियों के हमले की चपेट में हैं। इसीलिए पोर्टलैंड की रक्षा के लिए हम सैनिक भेज रहे हैं। यह कदम अमेरिकी इमिग्रेशन एंड कस्टम इन्फोर्समेंट फैसिलिटी की सुविधाओं की सुरक्षा के लिए जरूरी है।' ओरेगन की डेमोक्रेटिक गवर्नर टीना कोटेक ने इस फैसले का विरोध करते हुए कहा कि ट्रम्प अपने अधिकार का दुरुपयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, पोर्टलैंड बिल्कुल ठीक चल रहा है, इसीलिए शहर में किसी सैन्य हस्तक्षेप की जरूरत नहीं है। साथ ही जनता से शांति बनाए रखने की अपील की। स्थानीय लोगों ने भी ट्रम्प के इस फैसले पर सवाल उठाए। हालांकि, ट्रम्प पहले भी लॉस एंजिल्स आदि शहरों में सैनिकों को तैनात कर चुके हैं। जबकि शिकागो में भी नेशनल गार्ड भेजने की धमकी दी थी।

उत्तरी नाइजीरिया के खदान में हादसा, 18 लोगों की मौत

न्यूयॉर्क , एजेंसी। न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने रविवार को विश्व आयुर्वेद दिवस मनाया। इस दौरान राजदूत बिनय श्रीकांत प्रधान ने अमेरिका में आयुर्वेद की बढ़ती लोकप्रियता और इसके समग्र दृष्टिकोण के प्रति लोगों के बढ़ते आकर्षण पर प्रकाश डाला। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, विश्व आयुर्वेद दिवस मानते हुए हमने आयुर्वेद के समय-परीक्षित सिद्धांत के संतुलित पोषण, समग्र स्वास्थ्य और मानसिक कल्याण के मार्गदर्शन पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि न्यूट्रिशन 360 का शुभारंभ सचेतन और साक्ष्य-आधारित पोषण को बढ़ावा देने वाली एक प्रमुख पहल है।

बांग्लादेश में कड़ी सुरक्षा के बीच हिंदुओं ने विधि विधान से शुरू की दुर्गा पूजा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में कड़ी सुरक्षा के बीच हिंदू समाज ने रविवार को मुख्य दुर्गा पूजा उत्सव की शुरुआत की। दुर्गोत्सव से पहले हिंदू मंदिर में हुई तोड़फोड़ की घटना के मद्देनजर एहतियातन पूरे देश में दो लाख से अधिक सुरक्षाकर्मियों तैनात किया गया है। राजधानी ढाका के ढाकेश्वरी राष्ट्रीय मंदिर में ढोल, जयकारे, शंख और मंदिर की घंटियों के बीच श्रद्धालु देवी दुर्गा का स्वागत करने के लिए उमड़ पड़े। मामूली बाधाओं के बीच महाषष्ठी के दिन देवी के चेहरे के अनावरण के साथ उत्सव का पहला दिन हर्षोल्लास के साथ शुरू हुआ। बताते चलें कि हालिया ही उपद्रवियों ने कुश्तिया जिले के मीरपुर उपजिले के स्वरूपदाह पालपाड़ा श्री श्री राखा काली मंदिर में तोड़फोड़ की थी। बांग्लादेश में दुर्गा पूजा हिंदुओं का सबसे बड़ा धार्मिक त्योहार है।

अफगान जेल से एक अमेरिकी नागरिक रिहा

काबूल, एजेंसी। तालिबान ने रविवार को एक अमेरिकी नागरिक को अफगान जेल से रिहा कर दिया। कुछ हफ्ते पहले तालिबान ने कहा था कि संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयास के तहत कैदियों की अदला-बदली पर अमेरिकी दूतों के साथ उनका समझौता हो गया है। तालिबान विदेश मंत्रालय के उप प्रवक्ता जिया अहमद तकाल ने उस व्यक्ति की पहचान आमिर अमीरी के रूप में की। उन्होंने यह नहीं बताया कि अमीरी को कब, क्यों या कहां हिरासत में लिया गया था।

ट्रंप मंगलवार को शीर्ष सैन्य अधिकारियों की बैठक को संबोधित करेंगे

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मंगलवार को वर्जीनिया स्थित क्वांटिको मरीन कॉर्प्स बेस में शीर्ष सैन्य नेताओं की बैठक को संबोधित करेंगे। सूत्र के अनुसार, बैठक में सैकड़ों जनरल और एडमिरल और उनके प्रमुख सलाहकार बुलाया गया है। रक्षा मंत्री पीट हेजसेथ ने इस बैठक के लिए बहुत कम समय में नोटिस जारी किया। पेंटागन के शीर्ष प्रवक्ता ने पुष्टि की है कि हेजसेथ अगले सप्ताह अपने वरिष्ठ सैन्य नेताओं को संबोधित करेंगे।

छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म के बाद बांग्लादेश में सांप्रदायिक हिंसा, तीन की मौत

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के दक्षिण-पूर्वी पहाड़ी इलाके खगराछारी में रविवार को आदिवासियों और बंगाली समुदाय के बीच हिंसा भड़क गई, जिसमें कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हो गए। यह झड़पें एक आदिवासी स्कूली छात्रा से कथित सामूहिक दुष्कर्म की घटना के बाद शुरू हुईं। पुलिस ने तीन लोगों की मौत की पुष्टि की, लेकिन उनकी पहचान नहीं बताई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के घरों और दुकानों में आग लगा दी। हिंसा में 13 सेना के जवान और तीन पुलिसकर्मी भी घायल हुए।

नेपाल के बाद पेरू में जेन-जी प्रदर्शन: भ्रष्टाचार और पेंशन सुधार को लेकर सड़कों पर उतरे

लीमा, एजेंसी। नेपाल के बाद अब दक्षिण अमेरिकी देश पेरू के जेन -जी भ्रष्टाचार को लेकर सड़कों पर उतर आए हैं। 27 सितंबर को राजधानी लीमा में हजारों युवाओं ने राष्ट्रपति दीना बोलुआर्ते के खिलाफ नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन किया।

इस प्रदर्शन में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुई। पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़ और लाठीचार्ज किया, जिसके जवाब में युवाओं ने पथराव किया। दरअसल, ये विरोध 20 सितंबर को पेंशन प्रणाली में किए गए बदलावों के बाद शुरू हुए। नए नियम के अनुसार, पेरू में 18 साल से अधिक उम्र के हर व्यक्ति को किसी न किसी पेंशन कंपनी से जुड़ना होगा। इसके अलावा राष्ट्रपति बोलुआर्ते और संसद के खिलाफ लंबे समय से जनता में असंतोष बना हुआ है।

जेन -जी ने इस प्रदर्शन के लिए फेमस जापानी एनिमे वन पीस के केरेक्टर लूफी को अपना रोल मॉडल बनाया है। ये केरेक्टर न्याय के लिए लड़ता है।

पेंशन योजना में बदलाव : यहां, भ्रष्टाचार, आर्थिक असुरक्षा, बढ़ता अपराध और जवाबदेही की कमी ने युवाओं को नाराज किया है। 2022 में पूर्व राष्ट्रपति पेद्रो कास्तिलो को हटाए जाने और गिरफ्तार किए जाने के बाद, सुरक्षा बलों की कार्रवाई में दर्जनों प्रदर्शनकारियों की मौत हुई थी। इस पर भी सरकार से सवाल किया जा रहा है। पेरू सरकार ने हाल ही में पेंशन सिस्टम में बदलाव किया है। पहले लोग चाहें तो पेंशन योजना से जुड़ सकते थे, लेकिन यह अनिवार्य नहीं था।

अब सरकार ने नियम बना दिया है कि पेरू में जो भी नागरिक 18 साल की उम्र पूरी कर लेगा, उसे किसी न किसी पेंशन प्रदाता कंपनी/संस्था से जुड़ना होगा। यानी कोई भी वयस्क इस सिस्टम से बाहर नहीं रह सकता। पेंशन प्रदाता वे निजी या सरकारी संस्थान होते हैं जो लोगों से हर महीने एक तय रकम जमा कराते हैं। रिटायरमेंट या बुढ़ापे में वही पैसा पेंशन के रूप में वापस मिलता है। पेरू की राष्ट्रीय सांख्यिकी एजेंसी के अनुसार, देश की 27 आबादी 18 से 29 साल की उम्र के बीच है। ये युवा इस आंदोलन की रीढ़ हैं।

लोग नाराज क्यों हैं ?

- कई लोगों को लगता है कि यह जबरन वसूली जैसी है।
- युवाओं को नौकरी नहीं मिल रही, ऐसे में वे पेंशन के लिए पैसे कहां से जमा करेंगे?
- पेंशन प्रदाता संस्थाओं में पहले से ही भ्रष्टाचार और पारदर्शिता की कमी की शिकायतें हैं।
- लोग चाहते हैं कि यह उनकी इच्छा पर निर्भर हो, मजबूरी न बने।
- लोगों का कहना है कि सरकार को रोजगार, शिक्षा और सुरक्षा पर ध्यान देना चाहिए, न कि जबरन पेंशन योजना थोपनी चाहिए।

अमेरिकी हितों को नुकसान पहुंचाए बिना भारत और ब्राजील को अपने बाजार खोलने की जरूरत : लुटनिक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने कहा कि अमेरिका को ब्राजील और भारत जैसे देशों को सही दिशा में लाना पड़ेगा। उनका कहना है कि इन देशों को अमेरिकी हितों को नुकसान पहुंचाने वाले कदमों से बचते हुए अपने बाजार खोलने की जरूरत है। लुटनिक ने एक साक्षात्कार में कहा, हमें स्विट्जरलैंड, ब्राजील, भारत जैसे कई देशों को फिक्स (सही दिशा में) करना है। ये देश अमेरिका के प्रति सही रुख अपनाएं, अपने बाजार खोलें और ऐसे कदम उठाना बंद करें जो अमेरिका को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसलिए हम इनके साथ विवाद में हैं। उन्होंने आगे कहा, अगर आप अमेरिकी उपभोक्ताओं अपने सामान बेचना चाहते हैं, तो आपको राष्ट्रपति के साथ सहयोग करना होगा। लुटनिक ने भारत और ब्राजील के अलावा ताइवान और स्विट्जरलैंड जैसे देशों का भी जिक्र किया।

मिशिगन के चर्च में गोलीबारी, चार की मौत, आठ लोग घायल; हमलावर ढेर, पुलिस ने जारी किया अलर्ट

मिशिगन, एजेंसी। अमेरिका के मिशिगन राज्य में ग्रैंड ब्लैंक्स इलाके में चर्च ऑफ जीसस क्राइस्ट ऑफ लैटर-डे सेंट्स (मॉरमोन चर्च) में खौफनाक हमला हुआ। यहां एक हमलावर ने चर्च में टक्कर मारकर ट्रक अंदर घुसा दिया फिर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इस गोलीबारी में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ लोग घायल हो गए। हालांकि जवाबी कार्रवाई में हमलावर भी पुलिस की गोली का शिकार हो गया। रविवार सुबह करीब 10-25 बजे हुए इस हमले से चर्च परिसर में अफरातफरी मच गई। लोग सुरक्षित स्थानों की ओर भागे। पुलिस प्रमुख विलियम रेने ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के तुरंत बाद ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी और आठ मिनट में हमलावर को मार गिराया। चर्च में गोलीबारी को अंजाम देने वाले हमलावर की पहचान 40 वर्षीय थॉमस जैकब सैनफोर्ड के रूप में हुई है, जो पास के शहर बर्टन का रहने वाला था। उसके पास हथियारों के साथ गैस और संदिग्ध विस्फोटक भी मिले। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि उसने विस्फोटक का इस्तेमाल किया या नहीं। एफबीआई ने जांच अपने हाथ में ले ली है। इतना ही नहीं इस हमले के बाद आसपास के कुछ अन्य चर्चों में भी बम धमकी मिली, हालांकि जांच करने के बाद वहां कुछ नहीं मिला। फिलहाल इलाके में तनाव है। वहीं, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इस घटना पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि उन्हें मिशिगन गोलीबारी की जानकारी दी गई है। यह हिंसा तुरंत रुकनी चाहिए। मैंने एफबीआई की तेज कार्रवाई पर उन्हें बधाई दी है। वहीं, मिशिगन के गवर्नर ग्रेचेन व्हिटमर ने कहा कि चर्च में हिंसा अस्वीकार्य है। मीडिया रिपोर्ट की माने तो यह घटना उस वक्त हुई जब चर्च में कार्यक्रम चल रहा था, जिससे वहां भारी भीड़ थी। अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि गोलीबारी की वजह क्या थी और हमलावर ने ऐसा क्यों किया। पुलिस और जांच एजेंसियां इस मामले की गहराई से जांच कर रही हैं।

चीन के पूर्व कृषि मंत्री को मौत की सजा, 317 करोड़ रुपए की रिश्वत ली थी

बीजिंग, एजेंसी। चीन के पूर्व कृषि तांग रेजजियान को रविवार को भ्रष्टाचार मामले में मौत की सजा सुनाई गई। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, तांग को 2007 से 2024 तक अलग-अलग पदों पर रहते हुए 317.3 करोड़ रुपए से अधिक की नकदी और संपत्ति रिश्वत के रूप में ली। हालांकि,उन्हें दो साल की मोहलत दी गई है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि तांग को उनके राजनीतिक अधिकारों से वंचित कर दिया गया है। अदालत ने कहा कि तांग की सारी संपत्ति जब्त कर ली जाएगी और रिश्वत से जमा किए धन को वसूल कर राष्ट्रीय खजाने में जमा कर दिया जायेगा। कोर्ट ने कहा कि इस रिश्वत से देश और जनता के हितों को भारी नुकसान हुआ, इसलिए तांग को मौत की सजा दी गई। तांग ने अपने अपराध कबूल किए और पछतावा जताया। यह सजा राष्ट्रपति शी जिनपिंग की भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम का हिस्सा है, जिसमें कई बड़े नेता सजा पा चुके हैं। समर्थकों का कहना है कि यह मुहिम स्वच्छ शासन को बढ़ावा देती है, जबकि आलोचक इसे शी के राजनीतिक विरोधियों को हटाने का हथियार मानते हैं। तांग इससे पहले गांसु प्रांत के गवर्नर और गुआंगशी स्वायत्त क्षेत्र के उपाध्यक्ष रह चुके हैं। उनके बाद पूर्व रक्षा मंत्रियों ली शांगफू और वेई फेंघे भी भ्रष्टाचार के जांच के दायरे में आ गए हैं।

अमेरिका में शटडाउन का बढ़ा खतरा, रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स के बीच टकराव; व्हाइट हाउस में होगी अहम बैठक

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में सरकार के शटडाउन का खतरा लगातार बढ़ रहा है। इसे रोकने के लिए डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी के वरिष्ठ नेता सोमवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से व्हाइट हाउस में मुलाकात करेंगे। हालांकि, दोनों पक्ष अपने रवैये पर अड़े हुए हैं और अब तक किसी भी समझौते के संकेत नहीं दिख रहे हैं। अगर मंगलवार रात तक अस्थायी फंडिंग बिल पारित नहीं हुआ, तो देशभर में कई सरकारी दफ्तर अस्थायी रूप से बंद हो जाएंगे। यानी जो कर्मचारी आवश्यक सेवा में नहीं आते, उन्हें बिना वेतन पर छुट्टी पर भेज दिया जाएगा, जिससे आम लोगों और अर्थव्यवस्था दोनों पर असर पड़ेगा। इसे शटडाउन कहा जाता है। रिपब्लिकन पार्टी चाहती है कि सरकार की फंडिंग फिलहाल जैसी है, वैसी ही जारी रहे। लेकिन डेमोक्रेट्स स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर कुछ अहम मांगे सरकार से मनवाना चाहते हैं। सीनेट में डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता चक शूमर ने कहा, यह बैठक केवल एक शुरुआत है, लेकिन हमें गभीरता से बातचीत करने की जरूरत है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को बैठक के लिए सहमति दी है। इस बैठक में चक शूमर, सीनेट के नेता जॉन थ्यून, हाउस स्पीकर माइक जॉनसन और डेमोक्रेट नेता हकीम जेफ्रीज भी शामिल होंगे। हालांकि, ट्रंप पहले ही कह चुके हैं कि उन्हें उम्मीद है कि अगर समझौता नहीं हुआ तो इस हफ्ते शटडाउन तय है। ट्रंप ने शुक्रवार को कहा था, शटडाउन करना पड़े तो करेंगे। लेकिन शटडाउन कराने वाले वे (डेमोक्रेट्स) लोग हैं। ट्रंप प्रशासन डेमोक्रेट्स पर दबाव बना रहा है कि वे अपनी मांगे छोड़ें, क्योंकि अगर फंडिंग रुकती है तो कई सरकारी कर्मचारियों की स्थायी रूप से नौकरी जा सकती हैं। रिपब्लिकन नेता थ्यून ने रविवार को कहा, चक शूमर ने कुछ महीने पहले ही कहा था कि अगर सरकार का शटडाउन होता है तो इससे बहुत समस्या होगी। सबकुछ अराजक हो जाएगा, नुकसान होगा और लोग परेशान होंगे। शूमर की बात सही थी। इसलिए हमें सरकार शटडाउन से बचाना चाहिए। हालांकि, डेमोक्रेट्स का मानना है कि बैठक के लिए ट्रंप की सहमति दिखाती है कि उन पर बातचीत का दबाव है। उनका कहना है कि चूंकि व्हाइट हाउस और कांग्रेस दोनों रिपब्लिकन पार्टी के हाथ में हैं, इसलिए अगर सरकार का शटडाउन हुआ तो लोग ट्रंप और उनकी पार्टी को जिम्मेदार ठहराएंगे। लेकिन अपनी शर्तें मनवाने के लिए डेमोक्रेट्स को मंगलवार को उस अस्थायी फंडिंग बिल के खिलाफ वोट देना होगा, जिससे सरकार सात और हफ्तों तक चल सकती है। यह डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए असहज स्थिति है, क्योंकि वह हमेशा शटडाउन का विरोध करती रही है। यह बिल पहले ही रिपब्लिकन के नियंत्रण वाले हाउस में से पारित हो चुका है और इसे सीनेट में पारित करने के लिए कम से कम साठ वोट चाहिए। इसका मतलब हैकि कम से कम आठ डेमोक्रेटिक पार्टी के सासंदों को बिल का समर्थन करना होगा।

न्यूयॉर्क मेयर पद की रेस से हटे मौजूदा मेयर एरिक एडम्स, जोहरान ममदानी के चुनावी अभियान पर पड़ेगा असर

वॉशिंगटन, एजेंसी। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर पद का चुनाव दिलचस्प हो गया है। दरअसल न्यूयॉर्क के मौजूदा मेयर एरिक एडम्स चुनावी रेस से हट गए हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर एरिक एडम्स ने अपना नाम वापस लेने का एलान किया। एरिक एडम्स ने जनवरी 2022 से न्यूयॉर्क मेयर पद की जिम्मेदारी संभाली थी। वीडियो में एरिक एडम्स ने न्यूयॉर्क वासियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि आपका मेयर होना मेरे लिए गर्व की बात रही।

एरिक एडम्स की लोकप्रियता में आ रही थी लगातार गिरावट : एरिक एडम्स के मेयर पद की रेस से हटने की चर्चाएं कई महीनों से चल रहीं थी। इसकी वजह एरिक एडम्स की लगातार गिरती लोकप्रियता थी। विभिन्न पोल्स में दिखाया गया कि एरिक एडम्स अन्य उम्मीदवारों से पिछड़े हुए थे और साथ ही भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते भी उन्हें आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा था। एरिक एडम्स को ट्रंप प्रशासन से नजदीकियों के चलते भी डेमोक्रेट समर्थकों की आलोचनाओं का शिकार होना पड़ रहा था।

बीते दिनों ऐसी खबरें भी आई थी कि ट्रंप सरकार एरिक एडम्स को सऊदी अरब में अमेरिका का राजदूत नियुक्त कर सकती है। हालांकि उस वक्त एरिक एडम्स ने उन चर्चाओं को यह कहकर खारिज कर दिया था कि वह न्यूयॉर्क के मेयर के तौर पर काम करने के लिए समर्पित हैं। साल 2025 की शुरुआत में ट्रंप प्रशासन के न्याय विभाग ने एरिक एडम्स के खिलाफ भ्रष्टाचार के संघीय आरोपों को भी खत्म कर दिया था। एरिक एडम्स पर आरोप लगे थे कि उन्होंने विदेशी दानदाताओं से गलत तरीके से उपहार स्वीकार किए। एरिक एडम्स को तुर्किये की सरकार की तरफ से भी उपहार मिले थे। जोहरान ममदानी के चुनाव अभियान पर होगा असर एरिक एडम्स के मेयर पद की रेस से हटने के बाद भारतीय मूल के जोहरान ममदानी की मुश्किलें थोड़ी बढ़ सकती हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने बीते दिनों अपने एक बयान में सुझाव दिया था कि अगर जोहरान ममदानी और पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो के बीच सीधी टक्कर होती है तो उसमें कुओमो के जीतने की संभावना ज्यादा है। ट्रंप ने कहा था कि कई उम्मीदवारों के होने से ममदानी को फायदा मिलेगा। अब जबकि एरिक एडम्स रेस से हट गए हैं तो माना जा रहा है कि इससे ममदानी की मुश्किल बढ़ सकती है।

यूक्रेन में रूस की भीषण बमबारी, 4 की मौत

कीव, एजेंसी। रूस ने शनिवार रात यूक्रेन पर 595 ड्रोन व 48 मिसाइलें दागीं। इस भीषण हमले में चार लोगों की मौत हो गई और 10 लोग घायल हो गए। सबसे ज्यादा नुकसान राजधानी कीव में हुआ। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने इन हमलों पर आक्रोश जताते हुए कहा कि रूस युद्ध जारी रखना चाहता है। जेलेंस्की बोले, पूरी दुनिया को रूस पर सख्त दबाव बनाना चाहिए। इन हमलों के कारण पोलैंड को उसकी राजधानी वारसॉ के दक्षिण में वायुक्षेत्र को बंद करना पड़ा। कीव शहर प्रशासन के प्रमुख ताइमुर तकाचेंको ने रविवार को सोशल मीडिया के जरिये हताहतों की संख्या की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि शहर भर के नागरिक इलाकों को निशाना बनाकर हमले किए गए। शहर के केंद्र के पास हुए विस्फोट से घना काला धुआं उठते देखा जा सकता था। 28 सितंबर की रात को रूस ने यूक्रेन पर 643 ड्रोन और मिसाइलें दागीं, जिनमें ग्लाइड बम भी शामिल थे. कीव में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ. यहां 4 लोग मारे गए और कई घायल हो गए. स्वतंत्र निगरानीकर्ताओं ने इसे रूस का सबसे बड़ा हमला बताया. कीव के अलावा अन्य शहरों पर भी हमले हुए. यूक्रेन की सेना ने कई ड्रोन और मिसाइलें रोकीं, लेकिन नुकसान बड़ा हुआ. यह हमला यूक्रेन के हालिया हमलों का जवाब माना जा रहा है. यूक्रेन ने रूस के तेल और गैस प्लांट्स पर ड्रोन से हमला किया था. पुतिन ने कहा कि यह यूक्रेन की आक्रामकता का परिणाम है. इजरायल ने अप्रैल 2024 में ईरान के दूतावास पर हमला किया था. फिर अक्टूबर में ईरान के सैन्य ठिकानों पर सटीक हवाई हमले किए. ये हमले अचानक, टारगेटेड और कम नुकसान वाले थे. पुतिन की रणनीति भी वैसी ही लग रही है - ड्रोन और मिसाइलों से दूर से हमला, बिना जमीनी घुसपैठ के. दोनों ही मामलों में मकसद दुश्मन को कमजोर करना और चेतावनी देना था. लेकिन फर्क यह है कि इजरायल-ईरान तनाव सीमित रहा, जबकि यूक्रेन युद्ध लंबा खिंच गया है. विशेषज्ञ कहते हैं कि रूस का यह हमला यूक्रेन के नेतृत्व को तोड़ने की कोशिश है. ईरान-इजरायल संघर्ष ने दुनिया का ध्यान यूक्रेन से हटा दिया था, जिसका फायदा रूस को मिला. फरवरी 2022 से रूस ने यूक्रेन पर हमला किया. पुतिन इसे सोवियत संघ की गलती सुधारने का मौका मानते हैं. लेकिन यूक्रेन ने हार नहीं मानी. हाल ही में यूक्रेन ने डोनेस्क के कुछ हिस्से वापस ले लिए. रूस ने दिन में भी ड्रोन हमले शुरू किए।

राजनीतिक संघर्ष के लिए तैयार हूं, पूर्व क्स्केपी शर्मा पीएम ओली ने देश छोड़ने की अटकलों को किया खारिज

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री और सीपीएन-यूएमएलके प्रमुख केपी शर्मा ओली ने उन अटकलों को खारिज किया है, जिनमें कहा जा रहा था कि वह देश छोड़ने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने मौजूदा अंतरिम सरकार पर आरोप लगाया कि वह उनकी सुरक्षा और सरकारी सुविधाओं को छीनने की कोशिश कर रही है। ढाका ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

ओली ने भक्त के गुंडु में पार्टी के संगठन युवा संघ नेपाल को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट कहा कि वह देश छोड़ने वाले नहीं हैं और राजनीतिक लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हैं। उन्होंने समर्थकों से पूछा, क्या आपको लगता है कि हम यह देश इस आधारहीन सरकार को सौंपकर भाग जाएंगे? ओली ने कहा कि उनका लक्ष्य देश में शांति, सुशासन और सांविधानिक व्यवस्था की बहाली करना है। रिपोर्ट के मुताबिक, ओली ने हाल ही में नौ सितंबर को प्रधानमंत्री का आधिकारिक आवास बलुवातार खाली किया था। यह कदम तब उठाया गया, जब जेन जेड के विरोध प्रदर्शनों के कारण उनकी सरकार गिर गई। इसके बाद वह भक्तपुर के गुंडु में एक किराए के मकान पर रहने चले गए। प्रदर्शनकारियों ने उनका निजी आवास जला दिया था।

उन्होंने आरोप लगाया कि सुशीला कार्की के नेतृत्व वाली मौजूदा सरकार जनता की इच्छा से नहीं, बल्कि तोड़फोड़ और आगजनी के जरिए सत्ता में आई है। उन्होंने सरकार को चुनौती दी कि अगर विरोध प्रदर्शन के दौरान उनकी ओर से सरकारी अधिकारियों को कोई निर्देश दिए गए हैं, तो उन्हें सार्वजनिक किया जाए। ओली ने कहा, उन्हें हिम्मत से प्रकाशित

करो। मेरे निर्देश सार्वजनिक करो। मेरे पास छिपाने जैसा कुछ नहीं है। ओली ने यह भी कहा कि उन्हें फिर से हमले होने का डर है। उन्होंने सरकार की आलोचना की कि वह उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने में नाकाम रही है। उन्होंने पूछा, सोशल मीडिया पर खुलेआम मेरे घर पर हमले की बातें हो रही हैं। सरकार क्या कर रही है? केवल देख रही है? उन्होंने उन रिपोर्ट पर भी आपत्ति जताई, जिनमें कहा जा रहा है कि सकार उनके साथ ही नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा, आरजू राणा देउबा, रमेश लेखक और दीपक खडका के पासपोर्ट जब्त करने का फैसला किया है। पूर्व प्रधानमंत्री ने सरकार पर आरोप लगाया कि वह राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाकर देश को असुरक्षा की स्थिति में धकेल रही है। जेन-जेड के विरोध के दूसरे दिन ही ओली की सरकार गिर गई थी। मानवाधिकार संगठनों ने ओली और तत्कालीन गृहमंत्री रमेश लेख को विरोध के दौरान अत्यधिक बल प्रयोग करने का जिम्मेदार ठहराया है, जिससे दर्जों लोगों की मौत हुई थी।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की रिपोर्ट में कहा गया कि सरकार प्रदर्शन की तीव्रता का अनुमान नहीं लगा सकी और सुरक्षा बलों का मनोबल गिरा हुआ है। जिसके कारण भारी जनहानि और संपत्ति की क्षति हुई। रिपोर्ट मे यह भी बताया गया कि आठ सितंबर को विरोध शांतिपूर्ण रहा। लेकिन अगले दिन पुलिस की ओर से गोली चलने के बाद हिंसा भड़क उठी।

जेन-जी विरोध प्रदर्शन के दौरान भागे 7700+ कैदी नेपाल की जेलों में वापस : काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में 8 और 9 सितंबर को हुए जेन-जी विरोध प्रदर्शन के दौरान देशभर के हिरासत केंद्रों से कुल 14,558 कैदी भाग गए थे। जेल प्रबंधन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, 7,735 कैदी अपनी-अपनी जेलों में लौट आए हैं। जबकि, सुरक्षा बलों के साथ झड़प में 10 कैदियों की मौत हो गई थी। उन्होंने बताया कि कुछ कैदी स्वेच्छा से लौटे हैं, जबकि अन्य को सुरक्षा बलों ने गिरफ्तार किया है। हालांकि, 6,813 कैदी अभी भी विभिन्न जेलों से फरार हैं। सरकार ने इन कैदियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान शुरू कर दिया है।

चिरयुवा बनाए फेशियल

डायमंड फेशियल

धूल-मिट्टी के कारण त्वचा के रोमछिद्र बंद हो जाते हैं जिससे उन्हें पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिलता। इससे त्वचा रूखी हो जाती है, इसमें डायमंड फेशियल कारगर है। इसके जरिए त्वचा से विषैले पद्धार्थों को निकाला जाता है। इस अत्याधुनिक तकनीक को 'डायमंड माइक्रो- डर्मेब्रेशियन' कहते हैं। एक उम्र के बाद त्वचा की कोशिकाएं(सेल्स) शिथिल पड़ जाती हैं और उसमें झुर्रियां आने लगती हैं। यह त्वचा को पोषण भी देता है जिससे नयी कोशिकाएं बननी शुरू होती हैं। इस प्रक्रिया में सबसे पहले चेहरे को क्लींजिंग मिल्क से साफ किया जाता है। उसके बाद डायमंड स्क्रब के द्वारा त्वचा के मृत सेल्स को हटाया जाता है। स्क्रब के बाद चेहरे पर डायमंड की भस्म से मसाज किया जाता है। भस्म के अलावा क्रीम में कमल के बीज, खजूर, तुलसी, संतरे का तेल, गाजर के बीज या खस के साथ मिलाकर प्रयोग किया जाता है जिससे भस्म त्वचा की मृत कोशिकाओं तक पहुंच सके।

एस्ट्रो जेम थेरेपी फेशियल

जेम थेरेपी फेशियल- एस्ट्रो जेम थेरेपी फेशियल में एमेरल्ड, रूबी, सफायर और टोपाज जैसे रत्नों के भस्म द्वारा चेहरे पर कलर वाइब्रेशन दिया जाता है। जेम स्टोन से निकलने वाले वॉयलेट, इंडिगो, ब्लू, ग्रीन, यलो, ऑरेंज और रेड कलर्स मनुष्य के शरीर पर पहले से ही विघमान होते हैं। बल्कि हमारी कोशिकाएं इन सात रंगों से ही बनती हैं पर नकारात्मक तरंगों के कारण ये रंग अथवा कोशिकाएं प्रभावित होके हैं जिससे त्वचा मृत पड़ जाती है। एस्ट्रो जेम थेरेपी फेशियल के द्वारा इन रंगों अथवा कोशिकाओं को पुष्ठ किया जाता है। यह फेशियल न सिर्फ त्वचा को ही चिरयुवा बनाता है अपितु मानसिक शांति और ऊर्जा भी प्रदान करता है। यदि व्यक्ति एस्ट्रो जेम थेरेपी फेशियल लगातार करवाता रहे तो लंबे समय तक उसके चेहरे पर झुर्रियां नहीं पड़ती हैं और न त्वचा ढीली पड़ती है। इसमें प्रयोग किए जाने वाले रत्नों-नगों का प्रयोग व्यक्ति के जन्म महीने और उसके नक्षत्रों के आधार पर ही किया जाता है। इसमें इन रत्नों के भस्म के साथ ही कमल के बीज, खजूर, तुलसी, संतरे का तेल, गाजर के बीज और खस की नरीशिंग क्रीम का भी प्रयोग किया जाता है। इसमें मसाज के लिए विभिन्न तरह के रोलर का इस्तेमाल किया जाता है। चेहरे के सभी हिस्सों के साथ आंख और नाक पर विशेष तरह के छोटे साइज के रोलर लगाए जाते हैं।

गोल्ड फेशियल

सोना सबसे लचीली धातु होती है इसलिए इसका भस्म त्वचा में आसानी से घुल जाता है। यह फेशियल त्वचा पर सुनहरी चमक लाता है। शरीर के भीतर उपस्थित विषैले पद्धार्थ को हटाकर यह रक्त संचार बढ़ाता है। गोल्ड फेशियल में 24 कैरट के गोल्ड जेल, गोल्ड स्क्रब और गोल्ड मास्क का प्रयोग किया जाता है। एलो वेरा, व्हीटजर्म ऑयल या चंदन के तेल में सोने की पत्ती को मिलाकर मसाज किया जाता है। क्लींजिंग करने के बाद गोल्ड स्क्रब लगाया जाता है। गोल्ड जेल लगाने के लिए एक खास तरह के गजेट का इस्तेमाल किया जाता है। अंत में गोल्ड मास्क लगाया जाता है, जो त्वचा पर झुर्रियां बनने को रोकता है।

पर्ल फेशियल

पर्ल फेशियल आयुर्वेद की 400 साल पुरानी पद्धति पर आधारित है जिसके जरिए त्वचा की झुर्रियों को हटाकर उसमें खिंचाव पैदा किया जाता है। इसमें प्राकृतिक मोती के पाउडर का प्रयोग किया जाता है। यह सच्चाई है कि मोती सूरज की किरणों से होने वाली टअनिंग और पिगमेंटेशन को रोकता है। यह सूर्य की किरणों को छानता भी है। मोती त्वचा की कोशिकाओं को पुनः बनाने में सहायक होता है। यह अमीनो एसिड की ही तरह शरीर के लिए पोषक तत्व का कार्य करता है। साथ ही यह हमारे पीएच बैलेंस को भी कंट्रोल करता है। पर्ल फेशियल में मोती के पाउडर का स्क्रब और मास्क भी लगाया जाता है। फेशियल के दौरान इसमें सी ऑयल भी मिलाया जाता है ताकि त्वचा की नमी बरकरार रहे।

ऑक्सीजन फेशियल

ऑक्सीजन फेशियल के द्वारा त्वचा के बंद रोमछिद्रों को खोलकर उन्हें ऑक्जीनेट किया जाता है ताकि त्वचा के भीतरी हिस्से तक ऑक्सीजन पहुंच सके। ऑक्सीजन स्क्रब, मसाज और मास्क के द्वारा रक्त संचार बढ़ाता है। ऑक्सीजन स्किन यूथ क्रीम के द्वारा मसाज किया जाता है जिसमें अमर बऐल, दरबा, बाबची और व्हीटजर्म क्रीम मिलाई जाती है। मास्क में नीले रंग के छोट-छोटे कैप्सूल इस्तेमाल किए जाते हैं, जिनमें व्हीटजर्म होता है।

एरोमा थेरेपी फेशियल

एरोमा थेरेपी फेशियल काफक्ष पुरानी पद्धति है। एरोमा थेरेपी में प्राकृतिक तेलों की सुगंध द्वारा फेशियल किया जाता है। यह त्वचा की एलर्जी, पिगमेंटेशन और पिंपल्स को ठीक करता है। इस फेशियल में हर्बल तेल और हर्बल एक्सट्रैक्ट के प्रयोग से चेहरे का मसाज किया जाता है। इससे स्कीन की टोनिंग होती है और रक्त संचार भी बढ़ता है।

मीठा पोंगल

सामग्री: 3 कप दूध, 5 कप पानी, 200 ग्राम चावल, 75 ग्राम मूंग दाल छिलके वाली, 200 ग्राम खजूर का गुड़, 5 इलायची, 25 ग्राम नारियल किसा, 50 ग्राम शुद्ध घी, 50 ग्राम काजू टूकड़े किए व भुने, 3 छोटे चम्मच किशमिश।

विधि: दूध और पानी को भारी तले वाले बर्तन में उबलने रख दें। चावल और मूंग को धोकर इसमें मिला दें। पानी सूखने तक पकाएं और फिर गुड़ मिलाएं। जरूरत हो, तो थोड़ा-सा दूध या पानी और मिलाकर चलाएं। ध्यान दें कि चावल और दाल तले में चिपकें नहीं। मिश्रण पक जाए, तब इसमें काजू, किशमिश और नारियल मिलाएं। अंत में घी को पिघलाकर इसमें डालें। एक बार मिला लें और आंच से उतार लें। पोंगल को गर्मा-गर्म ही सर्व करें।

खुश्क मौसम में बालों के लिए 10 टिप्स

'इट्स द टाइम टू बी केयरफुल', यह मंत्र न सिर्फ हेल्थ के लिए है बल्कि हमारी स्किन और हमारे बालों के लिए भी उतना ही जरूरी है। स्किन की केयर तो हम फिर भी कर लेते हैं लेकिन बालों की आर हमारा ध्यान जाता ही नहीं है। जिससे बालों की नमी खो जाती है, ऑयल भी कम हो जाता है। बाल ड्राई होने के साथ ही डिहाइड्रेटेड हो जाते हैं, डैंड्रफ भी अपनी जड़ें जमा लेता है। कॉस्मेटोलॉजिस्ट भारती तनेजा बता रही हैं, इस खुश्क मौसम में बालों को सुरक्षित और खूबसूरत रखने के बेहतरीन उपाय :

- बालों को रूखेपन से बचाने के लिए ऑयलिंग बहुत जरूरी है। सप्ताह में दो से तीन बार ऑयलिंग करें, रात भर तेल लगा रहने दें, सुबह शैम्पू करें।
- बालों में शैम्पू के बाद कंडीशनर लगाना जरूरी है। यदि बाल कुछ ज्यादा ही रूखे हैं तो बाजार में उपलब्ध क्रीम कंडीशनर का इस्तेमाल करना चाहिए।
- चाहें तो लिव-इन कंडीशनर का भी प्रयोग किया जा सकता है, इसे लगाने के बाद बालों को धोया नहीं जाता।
- बाहर निकलते समय बालों को स्कार्फ से ढक कर रखना चाहिए।
- एरोमाथेरेपी ऑयल से बालों का मसाज कीजिए। उसके बाद बालों को स्टीम दीजिए।
- पार्लर में बालों के लिए विशेष स्पा मौजूद है, इन्हें आजमा सकती हैं। महीने में दो-तीन बार यह कराना चाहिए।
- बालों में नमी के लिए घर में भी पैक तैयार किया जा सकता है। दूध, अंडे की जर्दी या केला, शहद को मिलाकर बालों पर लगाएं। आधे घंटे के बाद धो दें।
- डैंड्रफ से छुटकारा पाने के लिए सेब का जूस रूई की मदद से स्कल्प पर लगाएं। आधे घंटे बाद बालों को धो लें।
- रूसी के निदान के लिए स्कल्प पर प्याज का जूस भी लगा सकते हैं। लगाने के आधे घंटे बाद शैम्पू कर लें।
- बाल धोने के बाद अपनी कंघी, तौलिया और तकिए के गिलाफ को एंटीसेप्टिक लोशन में आधे घंटे डुबोने के बाद धो दें। धूप में सुखाएं।

फास्ट-माइंडेड बच्चे

हर मां-बाप अपने बच्चे को 'परफेक्ट चाइल्ड' के रूप में देखना चाहते हैं। इसलिए, बच्चे पढ़ाई के अलावा डांस, जूडो और म्यूजिक भी सीख रहे हैं। उनकी पर्सनालिटी को संवारने के लिए स्कूलों में कम्युनिकेशन स्किल्स, बॉडी लैंग्वेज को सुधारने के लिए स्पेशल क्लासेज ली जाती हैं।

बच्चों के व्यक्तित्व विकास के लिए अभिभावक को उनके स्ट्रांग प्वाइंट को देखते हुए उन्हें उस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए, जिसमें उनकी रूचि होती है। बच्चों को भाषण देने के बजाय अपनी गतिविधियों पर ध्यान देने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। पेरेंट्स को पीटीएम में जाना चाहिए और पूरी जानकारी रखनी चाहिए कि उनका बच्चा स्कूल में क्या करता है। स्कूलों में बढ़ती प्रतियोगिता की वजह से बच्चों की जिंदगी की गाड़ी 'फास्ट-ट्रैक' पर चल रही है। शायद इसी वजह से उनमें गुस्से व चिड़चिड़ेपन की शिकायत आ रही है। इससे उन्हें बचाकर रखने के लिए पेरेंट्स को घर में प्यार भरा माहौल बनाकर रखने की कोशिश करनी चाहिए। अपने निजी तनाव को बच्चों के सामने नहीं लाना चाहिए। बच्चों की बातों को ध्यान से सुनने के अलावा उन्हें ज्यादा डांटना नहीं चाहिए वरना वे अपने मम्मी-पापा से डरेंगे और अपनी बातों को उनसे कहने में कतराने लगेंगे।

बच्चों के व्यक्तित्व विकास में स्कूल भी एक अहम भूमिका निभाता है। स्कूल बच्चों के लिए जानकारी का 'इनकमिंग सोर्स' है। टीचर्स को बच्चों के प्रति अच्छा स्वभाव रखना चाहिए और भेदभाव नहीं करना चाहिए वरना इससे उनका मानसिक विकास कमजोर पड़ने लगता है।

स्कूलों के अलावा कुछ पर्सनालिटी डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट खुल रहे हैं, जहां बच्चों के अंग्रेजी शब्दों का उच्चारण व उनके पोश्चर को सुधारा जाता है। इसके अलावा घर में ग्रैंडपेरेंट्स के रहने से भी बच्चों को बहुत स्पेस मिलती है अपनी बातें कहने के लिए। ग्रैंडपेरेंट्स बच्चों के बेस्ट-फ्रेंड होते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, ङ्कचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अभी आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक-2-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। मेहमानों का आगमन होगा। छात्रों को लाभ। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। इच्छित स्थान की यात्रा का योग हैं। शुभांक-2-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): ''आगे-आगे गौरख जागे'' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल व समन्वय बनाय। मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय समान रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। शुभांक-2-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-4-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-5

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। शुभांक-3-4-6

मीन (दी दू थ झ ज दे दो चा ची): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली -2603

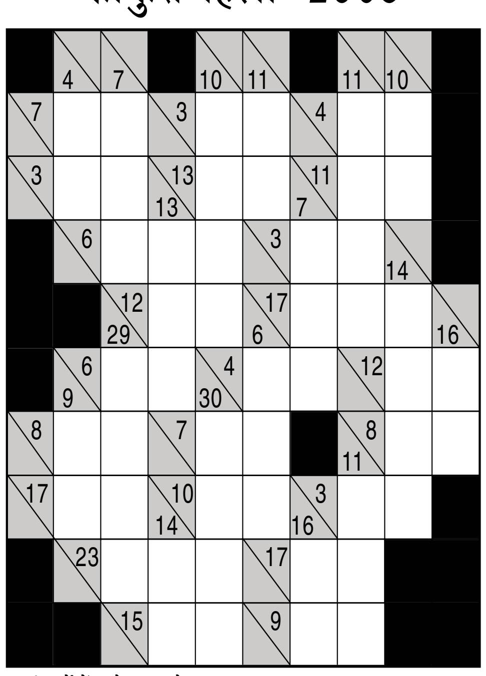

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

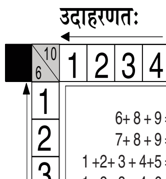

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2602 का हल

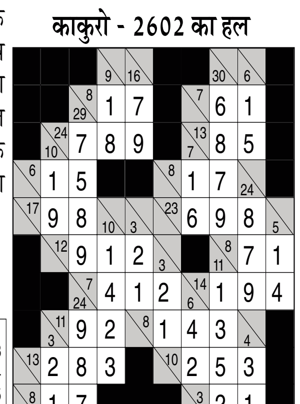

लॉफिंग जौन

मॉडर्न पत्नी की शराब की लत से परेशान एक पति उसे समझाने के इरादे से बोला- मान लो एक ड्रम में शराब और दूसरे में पानी भरकर रख दिया जाए और फिर किसी गधे को बुलाकर उससे पीने को कहा जाए तो वह दोनों में से क्या पिएगा?

पत्नी ने कहा- वह पानी ही पिएगा।

पति ने उलझाने की कोशिश करते हुए कहा- मगर वह पानी ही क्यों पीना चाहेगा?

□ □ □

पत्नी- तुम तो कह रहे थे कि इस ब्यूटी क्लिनिक में तुम्हें नौकरी मिल गई है। फिर तुम बाहर खड़े क्या कर रहे हो?

पति- यहाँ बाहर खड़ा रहना, भीतर जाने वाली नारियों की उपेक्षा करना, जब श्रृंगार कराकर बाहर निकले तो सीटी बजाना, यही तो मेरी नौकरी है।

□ □ □

रमन- हर छात्र के लिए आज की तारीख में इंटरनेट कई मायनों में उपयोगी और महत्वपूर्ण है!

नमन- जैसे?

रमन- ...जैसे हमें कई जानकारियाँ इंटरनेट के माध्यम से मिल जाती है।

नमन- और आजकल तो लीक होने के बाद पेपर भी ई-मेल पर आ जाते हैं।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2603

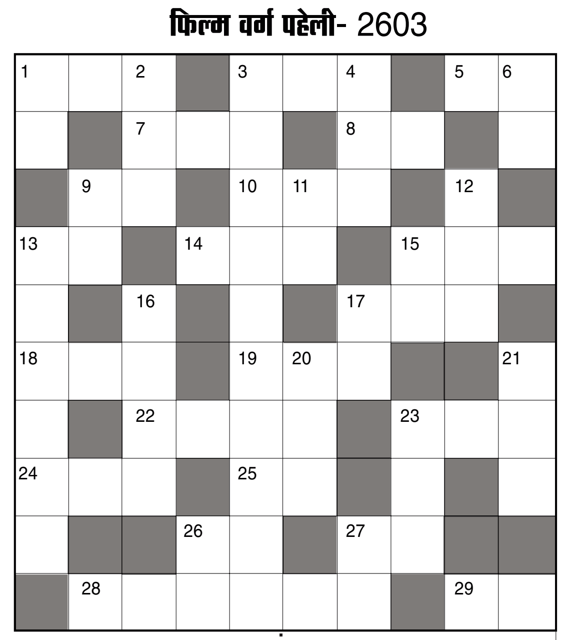

बायें से दायें:-

१. मनोजकुमार, साधना की 'तुम बिन जीवन कैसे बीता' गीतवाली फिल्म-३
३. 'चली सात फेरे लेकर' गीत वाली मिलिंद सोमण, विक्रम फिल्म-३
५. अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, रिमी सेन, ईशा देओल की फिल्म-२
७. 'हो जाता है प्यार' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी और प्राण की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, अजय, मनीषा, रेखा, सोनाली, माधुरी की फिल्म-२
९. 'ना वादा करते हैं' गीत वाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१०. अनिलकपूर, पूनम ढिल्लों की 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली फिल्म-३
१३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या फिल्म-२
१४. अजय देवगन, विवेक, मनीषा की 'खल्लास' गीत वाली फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
१७. फिल्म 'दोस्ताना' की नायिका थी-३
१८. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली राजकुमार, धर्मेन्द्र की फिल्म-३
१९. शशिकपूर, जीनत अमान की एक फिल्म-३
२२. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीनाराय की १९७२ की एक फिल्म-४
२३. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली फिल्म-३
२४. अनिल, श्रीदेवी, रवीना की फिल्म-३
२५. आमिरखान, मनीषा की फिल्म-२
२६. १९७१ में बनी जीतेंद्र, डिम्पल कपाड़िया की श्याम रल्हन निर्देशित फिल्म-२
२७. 'मिजाजे गिरामी दुआ है आपकी' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'जांनशीन' में नायक-४,२
२९. शाहिद कपूर, करीना की 'दिल मेरे ना और' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली फिल्म-२
२. विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३. 'हाय हाय ये मजबूरी' गीत वाली मनोज कुमार जीनत अमान की फिल्म-२,३,२,३
४. फिल्म 'घर में श्याम गली में राम' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
६. आफताब शिवदासानी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२
९. 'बड़ी मुश्किल है खोया मेरा दिल है' गीत वाली शाहरूख, माधुरी की फिल्म-३
११. फिल्म 'इंडियन' में नायक कौन था-२
१२. मनोजकुमार की राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत फिल्मों में उनके किरदार का नाम है?-३
१३. राजेश, जया भादुड़ी की 'बरस गई रे तरस गई' गीत वाली फिल्म-२,१,३
१५. अक्षय, सुनील, जैकी, रवीना, लारा दत्ता की फिल्म-२
१६. जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-४
१७. 'शीशी भरी गुलाब की' गीत वाली रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२
२०. करण दीवान, स्वर्णलता की 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली राजकुमार, मीनाकुमारीकी फिल्म-३
२३. हिमालय, भाग्यश्री की 'मुझको पायल नाम दिया' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली मनोज, धर्मेन्द्र, सायरा बानों की फिल्म-२
२७. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2602

सूडोकु -2603

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2602 का हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

शब्द पहेली - 2603

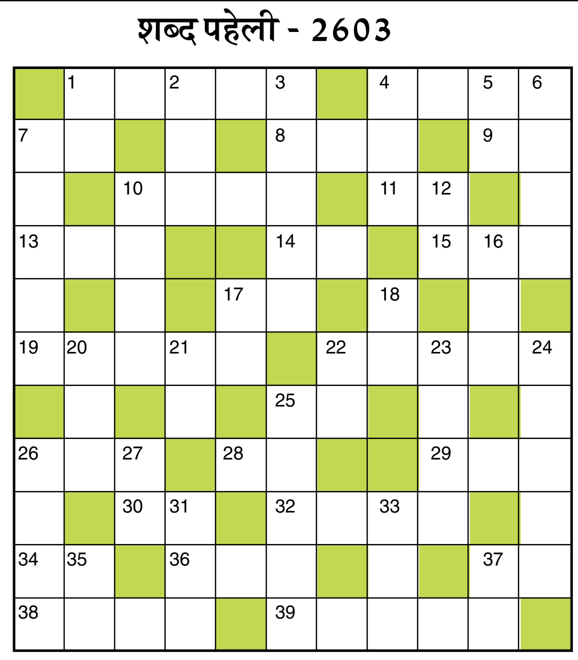

बाएँ से दाएँ

1.असहकार-5
4.शत्रुता,दुश्मनी-4
7.नाच,नृत्य (उर्दू-2)
8.विष्णु का वाहन-3
9.मादा का विलोम-2
10.ईश्वर,शिव-4
11.संज्ञा,संबोधन-2
13.वेग,गति-3
14.महसूल,राहदरी-2
15.अंधकार,अंधेरा-3
17.कुंजी,ताली-2
19.गोलाकार-5
22.इतरता,बेगानापन-5
25.समय,वक्त-2
26.स्याही का पात्र-3
28.अच्छा,सद् पुरुष-2
29.अदृश्य-3
30.मिट्टी,धूल-2
32.नट,बाजीगरी करने वाला-4
34.टैक्स,हाथ-2
36.बोलने का तरीका-3
37.खदान-2
38.जो जायज न हो-4
39.श्री रामचंद्र का नाम-5

ऊपर से नीचे

1.तराजू डंडा,पासा-2
2.पराजित करना-3
3.बहुत लंबा -5
4.रुकना,अड़ जाना-3
5.जंगल,कानन-2
6.तीर रखने का पात्र-4
7.सार-संभाल-2,3
10.पूंजी,धन-4
12.वोट,राय-2
16.राजा,महाराजा-3
17.चतुर्थ,चौथा-2
18.हलवा-2
20.पक्षाघात-3
21.तन,देह-2
22.क्षण-2
23.स्मारक-4
24.चोर,लुटेरा-5
25.जैकी श्राफ, अनिल कपूर,किमी काटकर व फराह अभिनीत फिल्म -5
26.टूटना,बिखरना-4
27.पानी से सराबोर-2
31.कमल,नीरज-3
33.बादलों की गड़गड़ाहट-3
35.छुट्टी,अवकाश-2
37.राख,मिट्टी-2

शब्द पहेली -2602 का हल

दादर रेलवे स्टेशन पर बम की झूठी धमकी से अफरातफरी

एजेंसी
मुंबई। मुंबई के सबसे भीड़भाड़ वाले दादर स्टेशन पर बम की झूठी धमकी से अफरातफरी मच गई। इसकी सूचना मिलते ही मुंबई पुलिस की टीम बम निरोधक दस्ते सहित मौके पर पहुंची और गहन तलाशी ली, लेकिन कहीं कोई संदिग्ध वस्तु न मिलने पर राहत महसूस किया। शिवाजी पार्क पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध झूठी बम रखने की धमकी का मामला दर्ज किया है और इसकी गहन छानबीन कर रही है। इस मामले की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि आज शिवाजी पार्क पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति ने दादर स्टेशन पर बम रखे जाने की धमकी भरा फोन किया और इसके बाद फोन काट दिया। इसकी सूचना तत्काल वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को दी गई और पुलिस की टीम बम निरोधक दस्ते सहित दादर स्टेशन पर पहुंचकर तलाशी शुरु किया लेकिन पुलिस को अचानक दादर स्टेशन पर देखकर यात्रियों में अफरातफरी मच गई। हालांकि यहां कोई अप्रिय घटना नहीं हुई, पुलिस ने स्थिति को तत्काल नियंत्रित कर लिया। पुलिस तलाशी के दौरान कुछ भी संदिग्ध न मिलने के बाद पुलिस और यात्रियों ने राहत महसूस किया है।

जनता दर्शन में बूढ़ी मां का दर्द सुन भावुक हुए सीएम योगी, कैंसर पीड़ित बेटे को भिजवाया अस्पताल

एजेंसी
लखनऊ। शक्ति स्वरूपा मां जगतजननी की आराधना के पर्व शारदीय नवरात्रि में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का रूप देख द्रवित मां के कलेजे ने उन्हें खूब आशीर्वाद दिया। मां की जुबां में दर्द था, लेकिन आंखों में उस समय सुकून आ गया, जब उन्होंने अपना दर्द यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बयां किया। कभी दर-दर भटक रही कानपुर की गरीब महिला के लिए शारदीय नवरात्रि उम्मीद की किरण लेकर आई, जब वह 'जनता दर्शन' में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पास पहुंचीं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह 'जनता दर्शन'किया। इस दौरान प्रदेश के 50 से अधिक पीड़ित पहुंचे। मुख्यमंत्री एक-एक करके सभी के पास पहुंचे, उनका प्रार्थना पत्र लिया और अफसरों को तत्काल उचित निराकरण का निर्देश दियाइसी बीच कानपुर के रायपुरवा की 63-64 वर्षीय बुजुर्ग महिला ने मुख्यमंत्री से कहा कि महाराज, हमारे जवान बेटे को कैंसर हो गया है। हम गरीब हैं, इलाज नहीं करा पा रहे। हमारे पास आयुष्मान कार्ड भी नहीं है। मेरे बेटे को जिंदगी दे दीजिए। इलाज के लिए कुछ आर्थिक सहायता मिल जाए। बुजुर्ग महिला की यह बात सुनकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तत्काल बच्चे को कल्याण सिंह कैंसर सुपर स्पेशियलिटी इंस्टीट्यूट भिजवाने और उपचार प्रारंभ कराने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री के निर्देश पर 'जनता दर्शन' से सीधे उसे अस्पताल भेज दिया गया। वहां उसकी जांच प्रारंभ हो गई। मुख्यमंत्री ने हर पीड़ित से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि सरकार हर सेवा, नारायण सेवा को अंगीकृत कर कार्य कर रही है। सभी प्रदेशवासियों के चेहरे पर खुशी लाना सरकार का उद्देश्य है। इसे लेकर ही सरकार नियमित रूप से कार्य कर रही है।सीएम योगी ने कहा कि इलाज के लिए किसी भी पीड़ित ने स्वयं, जनप्रतिनिधि या किसी भी माध्यम से सरकार तक अपनी बात पहुंचाई है, उसे सहायता उपलब्ध कराई गई है। हमारी सरकार हर पीड़ित के साथ है। इलाज के लिए सरकार आगे भी आर्थिक सहायता निरंतर रूप से उपलब्ध कराती रहेगी।

क्रिकेटर तिलक वर्मा का तोहफ़ा मेरे लिए बेहद ख़ासः मंत्री नारा लोकेश

एजेंसी
अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के बेटे और राज्य के मंत्री नारा लोकेश ने एशिया कप फ़ाइनल के हीरो और भारतीय क्रिकेटर तिलक वर्मा से मिले ख़ास तोहफ़े पर खुशी जताई है। क्रिकेटर तिलक वर्मा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट के ज़रिए पाकिस्तान के ख़िलाफ़ एशिया कप के फ़ाइनल मैच में पहनी अपनी कैप आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश को देने की बात कही है। इस पर मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के बेटे और राज्य के मंत्री नारा लोकेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मेरे छोटे भाई तिलक वर्मा का पुरस्कार मेरे लिए बहुत विशेष है। वे राज्य में घर लौटने पर मैं उनके हाथों से कैप लूँगा। लोकेश ने इस अवसर पर तिलक वर्मा के कैप पर हस्ताक्षर करने का एक वीडियो भी शेयर किया। उल्लेखनीय है कि तिलक वर्मा ने एशिया कप फाइनल में नाबाद 69 रन बनाकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। आज वाईएसआरसीपी प्रमुख पूर्व आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन ने एशिया कप फ़ाइनल 2025 में भारतीय टीम की शानदार जीत पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान पर जीत दर्ज कर भारतीय टीम ने पूरे देश को गौरवान्वित किया। वाईएसआरसीपी प्रमुख वाईएस जगन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा, 'एशिया कप 2025 के फ़ाइनल मैच में पाकिस्तान पर एक अनोखी जीत हासिल करने के लिए हमारी क्रिकेट टीम को हार्दिक बधाई। आपके असाधारण कौशल और समर्पण... टीम के प्रयासों ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। फ़ाइनल में उनके महत्वपूर्ण प्रदर्शन और सीरीज़ में उनकी अद्भुत प्रतिभा के लिए तेलुगु स्टार खिलाड़ी तिलक वर्मा को विशेष बधाई। वर्मा का प्रदर्शन वाकई काबिले तारीफ़ है।

ढाई वर्ष की हुई मादा चीता मुखी, भूपेन्द्र यादव ने मुखी को बताया सफलता और साहस का प्रतीक

नई दिल्ली। चीता पुनर्स्थापना प्रोजेक्ट के तहत भारत में जन्मी मादा चीता मुखी ने ढाई साल पूरे कर लिए। इसी के साथ मुखी वयस्क की श्रेणी में आ गई है। कूनो प्रबंधन के अनुसार यह उम्र चीता के वयस्क होने का मानक है। केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने मुखी को सफलता और साहस का प्रतीक बताया। उन्होंने एक्स पर मुखी की तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि भारत में जन्मी पहली चीता शावक, मुखी, अब ढाई साल की हो गई है। उसका जन्म 29 मार्च 2023 को हुआ था, लेकिन उसे जीवन के शुरुआती दिनों में ही एक त्रासदी का सामना करना पड़ा जब 23 मई 2023 को, जब वह सिर्फ़ दो महीने की थी, उसने अपने तीन भाई-बहनों को भीषण गर्मी के कारण खो दिया। उसी दिन, मुखी खुद कमज़ोर और थकी हुई पाई गई और उसे स्वास्थ्य जाँच के लिए ले जाना पड़ा। बाद में उसे उसकी मां ज्वाला से मिलाने की कोशिश की गई, लेकिन मां ने उसे स्वीकार नहीं किया। भूपेन्द्र यादव ने बताया कि उसके बाद से, मुखी का पालन-पोषण कुनो राष्ट्रीय उद्यान प्रबंधन टीम ने अत्यंत सावधानी से किया। मुखी का सफ़र आसान नहीं था। मुखी को कई स्वास्थ्य संकटों और अन्य चुनौतियों का सामना करना पड़ा, फिर भी हर बार वह और मज़बूत होकर उभरी। उसका जीवित रहना न केवल एक प्रेरणा है, बल्कि प्रबंधकों, पशु चिकित्सकों और क्षेत्रीय कर्मचारियों को यह विश्वास भी दिलाया है कि कुनो स्वास्थ्य आपात स्थितियों और प्रतिकूल परिस्थितियों का प्रभावी ढंग से सामना कर सकती है।

बदरीनाथ और केदारनाथ धाम में देर शाम हुई बारिश, मौसम हुआ सर्द

देहरादून। बदरीनाथ धाम और केदारनाथ धाम में सोमवार देर शाम मौसम ने करवट ली है। बादल छाने के बाद बूंदाबांदी और उसके बाद बारिश हुई। बदरी- केदार यात्रा निरंतर चल रही है। बीते दो तीन सप्ताह से धामों में धूप खिली रही मौसम सामान्य रहा। आज शाम को केदारनाथ धाम से मिले सामाचार के अनुसार सायंकाल पांच बजे बारिश हुई उसके बाद बारिश थम गयी, लेकिन मौसम सर्द हो गया। बदरीनाथ धाम से बीकेटीसी मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ ने बताया कि आज सोमवार शाम को छह बजे बदरीनाथ धाम में आसमान में बादल छा गये और साढ़े छह बजे बूंदाबांदी के बाद से मध्यम बारिश शुरू हुई,। इससे मौसम सर्द हो गया। धामों में अभी बर्फवारी शुरू नही हुई है। इस समय बड़ी संख्या में तीर्थयात्री धाम में मौजूद है।

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग घोटाले से जुड़े मामले में सीबीआई ने अदालत में पेश किया पूरक चालान

रायपुर। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो(सीबीआई) ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग घोटाले से जुड़े मामले में पहला पूरक चालान पेश किया है। करीब दो हजार पन्नों का यह चालान आज सीबीआई न्यायाधीश मनोज ठाकुर की विशेष अदालत में दाखिल किया गया। इस पूरक चालान में आरती वासनिक, जनक राम ध्रुव, निशा कोसले और दीपा आडील को आरोपित बनाया गया है। दस्तावेज में आरोपितों की भूमिका का जिक्र है। इस मामले में आयोग के तत्कालीन अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी को घोटाले का मास्टर माइंड बताया गया है। अदालत में पेश प्रथम पूरक चालान में सीबीआई ने स्पष्ट किया है कि सोनवानी ने अपने पैड का दुरूपयोग करते हुए परीक्षा प्रक्रिया में धांधली के अलावा अपने परिवार के सदस्यों और प्रभावशाली लोगों के साथ मिलकर सुनियोजित तरीके से भ्रष्टाचार को अंजाम दिया। पूरक चालान करीब 2000 पन्नों का है। इसमें कई अहम खुलासे किए गए हैं और कई जानकारियां अदालत को दी गई हैं। चालान में सभी आरोपितों की भूमिका का विस्तार से उल्लेख करते हुए सीबीआई ने सबूतों और गवाहों के आधार पर अदालत को जानकारी दी है।

छठ में इस बार किए जाएंगे विशेष प्रबंध : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इस बार यमुना के किनारों पर छठ पूजा को लेकर विशेष प्रबंध किए जाएंगे ताकि व्रतधारियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

श्रीमती गुप्ता ने छठ पर्व की तैयारियों को लेकर यहाँ एक उच्चस्तरीय बैठक कर कहा कि राजधानी में पूर्वांचलवासियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है इसलिए उनकी धार्मिक आस्था एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए दिल्ली में यमुना के प्रवेश स्थल पल्ला से लेकर अंतिम स्थल ओखला तक दोनों किनारों पर छठ पर्व का आयोजन किया जाएगा। इन दोनों किनारों पर जहां भी छठ पर्व के लिए समतल किनारे उपलब्ध होंगे, वहां सरकार की ओर से व्रतधरियों को समुचित सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि पल्ला से लेकर वजीराबाद तक के किनारों पर तो विशेष व्यवस्था की ही जाएगी, साथ ही आईटीओ, ओखला जैसे पुराने स्थलों पर भी व्यवस्थाएं और दुरुस्त की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने छठ पूजा के दौरान वहां सफाई व स्वच्छता का पूरा ध्यान रखने , व्रतधारियों और उनके अपनों को धूल आदि की परेशानी से बचाने के लिए पानी का छिड़काव

करने, पुलिस एवं यातायात पुलिस को वहां सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था चौकस रखने के आदेश जारी किए गए हैं। आवश्यकता हुई तो पूजा स्थलों पर चिकित्सा सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने कहा कि सिंचाई विभाग को छठ पर्व से पूर्व यमुना से जलकुंभी निकालने के भी आदेश जारी किए गए हैं। इस बार इन स्थलों पर प्रकाश की विशेष व्यवस्था की जाएगी ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली में यमुना के किनारों के अलावा मुनक नहर, मुंगेशपुर ड्रेन के अलावा कृत्रिम तालाबों में भी छठ पूजा आयोजित की जाती है। राजधानी में कुल मिलाकर 929 स्थलों पर पूजा-अर्चना की जाती है। इन स्थलों पर सरकार की ओर से समुचित व्यवस्थाएं की जाएंगी। अगर किसी संस्थान को एनओसी चाहिए तो बिना किसी परेशानी से उसे दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कुछ दिनों बाद वह यमुना नदी व अन्य स्थानों का दौरा करेंगी, ताकि तैयारियों की किसी प्रकार की कमी न रहने पाए।

अहिल्यानगर में पुलिस ने किया लॉन्ग मार्च, 30 प्रदर्शनकारी गिरफ्तार

एजेंसी
मुंबई। अहिल्यानगर जिले में कोटला इलाके में विवादित रंगोली को लेकर प्रदर्शन और इसके बाद हुए लाठीचार्ज के बाद यहां पुलिस ने लॉन्ग मार्च किया। कोतवाली पुलिस स्टेशन की टीम ने विवादित रंगोली के आरोपित को गिरफ्तार करने बाद भी प्रदर्शन करने और पुलिस पर पत्थरबाजी करने के आरोप में एक विशेष समाज के 30 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस घटना में 60 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं, सभी का इलाज नजदीकी अस्पतालों में जारी है।

अहिल्यानगर के पुलिस अधीक्षक सोमनाथ घार्गे ने बताया कि विरोध प्रदर्शन, सड़क जाम और पथराव के सिलसिले में कम से कम 30 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। घार्गे ने कहा, हमने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बल प्रयोग किया। पुलिस आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। स्थिति नियंत्रण में है। नागरिकों को अफवाहों पर विश्वास नहीं करना चाहिए और न ही उन्हें फैलाना चाहिए। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि यह घटना रविवार रात सड़क किनारे विवादित लिखी रंगोली की एक सोशल मीडिया पोस्ट के वायरल होने के कुछ घंटों बाद हुई। एक विशेष समाज के लोगों ने सोमवार सुबह उस जगह पर विरोध

प्रदर्शन और रास्ता रोको (सड़क जाम) किया, जहां विवादित रंगोली लिखी गई थी। इसके बाद प्रदर्शनकारियों में से कुछ लोगों ने पुलिस पर पथराव करना शुरु कर दिया, जिससे पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। इस घटना में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और अबतक 30 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, मामले की गहन छानबीन जारी है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि अधिकारी इस बात का पता लगाएंगे कि क्या आगामी स्थानीय निकाय चुनावों से पहले राज्य में सामाजिक शांति भंग करने और समाज का ध्रुवीकरण करने की कोई साजिश रची जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा, हर कोई अपने धर्म का पालन करने के लिए स्वतंत्र है, लेकिन किसी को भी ध्रुवीकरण में शामिल नहीं होना चाहिए।

पंडित दीनदयाल सेवा प्रतिष्ठान एकात्म मानव दर्शन और अंत्योदय का प्रतीक : मुख्यमंत्री फडणवीस

एजेंसी
मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि पंडित दीनदयाल सेवा प्रतिष्ठान एकात्म मानव दर्शन और अंत्योदय का प्रतीक है। समाज के ग़रीब, वंचित और दुर्बल वर्ग को मुख्यधारा में लाकर उनके सर्वांगीण विकास के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया। उनके एकात्म मानव दर्शन और अंत्योदय के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का प्रतीक पंडित दीनदयाल सेवा प्रतिष्ठान काम कर रहा है।मुख्यमंत्री फडणवीस ने यवतमाल में दीनदयाल सेवा प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यवतमाल में करीब 25 वर्ष पूर्व प्रारंभ हुई यह संस्था आज एक विशाल वटवृक्ष के समान विकसित हो चुकी है। आत्महत्या-पीड़ित किसानों के परिवारों की

महिलाओं और पिछड़े पारधी समाज को यह संस्था सहारा दे रही है। फडणवीस ने दीनदयाल उपाध्याय के जीवन के कई पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी शिक्षा पूरी की। सरकारी नौकरी का अवसर होने के बावजूद उन्होंने समाज सेवा का मार्ग चुना। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ने के बाद वे पूर्णकालिक कार्यकर्ता बने। जनसंघ की स्थापना के बाद उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष, अखिल भारतीय महामंत्री और राष्ट्रीय अध्यक्ष जैसे बड़े पदों की जिम्मेदारी संभाली, फिर भी वे सादगी और त्यागपूर्ण जीवन जीते रहे। उन्होंने बताया कि उस समय विश्व में पूंजीवाद और साम्यवाद का बोलबाला था, लेकिन दीनदयालजी ने एक तीसरा मार्ग प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जीवन पद्धति में ही सामाजिक व आर्थिक परिवर्तन का उत्तर निहित है। एकात्म मानव दर्शन का मूल तत्व अंत्योदय है यानी समाज के अंतिम व्यक्ति के विकास से ही राष्ट्र का विकास संभव है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इसी विचारधारा पर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने ग़रीबों के लिए घर, शौचालय, गैस, बिजली और रोजग़ार जैसी योजनाएं शुरू कीं, जिससे पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए और भारत 11वें स्थान से चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया।इस अवसर पर मृदा एवं जलसंवर्धन मंत्री तथा जिले के पालकमंत्री संजय राठोड़, आदिवासी विकास मंत्री प्रो. डॉ. अशोक वुइके, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज अहीर, पूर्व विधायक मदन येरावार, प्रतिष्ठान के अध्यक्ष नरहर देव, पदाधिकारी ज्योति चव्हाण, डॉ. मनोज पांडे, विजय कद्रे, मनीष गंजीवाले, गजानन परसोडकर सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने की आईआईएसएफ 2025 की तैयारियों की समीक्षा, छात्रों तक व्यापक पहुंच का किया आह्वान

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के नेतृत्व में चंडीगढ़ में आयोजित होने वाले भारत अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ) 2025 की तैयारियों की समीक्षा की। नई दिल्ली में आयोजित बैठक में डॉ. जितेंद्र सिंह ने विभिन्न एजेंसियों की लॉजिस्टिक्स योजनाओं, प्रदर्शनी लेआउट और कार्यक्रम एकीकरण की समीक्षा की और सभी विभागों को निर्देश दिया कि वे भारत अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव के दौरान अधिकतम लोगों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए स्कूलों और अभिभावकों के लिए सतत जागरूकता अभियान चलाएं। उन्होंने संबंधित मंत्रालयों को उत्सव से पहले स्कूलों में विज्ञान मेले, मोबाइल प्रदर्शनियां, क्षेत्रीय रोड शो और स्थानीय मीडिया प्रचार जैसे आउटरीच कार्यक्रम शुरू करने के लिए हरियाणा और चंडीगढ़ की सरकारों के साथ मिलकर काम करने के निर्देश दिए। डॉ. जितेंद्र सिंह ने नोडल विभाग को प्रत्येक ज़िले में युवाओं के सहयोग से विज्ञान संचार केंद्र बनाने और शहर के सार्वजनिक स्थलों पर महोत्सव से जुड़ी जानकारी देने का निर्देश दिया। उन्होंने स्टार्टअप बूथ और नागरिक-विज्ञान प्रदर्शनियों को आयोजन स्थल के डिज़ाइन के साथ एकीकृत करने के निर्देश दिए ताकि छात्र नवाचार क्षेत्रों, इंटरैक्टिव प्रदर्शनियों और जन-सहभागिता के लिए जगह सुनिश्चित की जा सके। बैठक के दौरान, डॉ. जितेंद्र सिंह ने आईआईएसएफ से जुड़ी प्रदर्शनियों और सम्मेलनों में स्टार्टअप्स को शामिल करने पर ज़ोर दिया।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने विश्व में बनाई है अलग पहचान : मुख्यमंत्री डॉ यादव

एजेंसी
भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विश्व में अलग पहचान बनाई है। जहां तक शौर्य की बात है अब कोई भी शत्रु भारत में आतंकवादी गतिविधि घटित करने की हिम्मत नहीं कर सकता। भारत, शत्रु को पाताल तक जाकर भी तलाश कर सकता है और शत्रु के घर में घुसकर उसे सबक सिखाने की क्षमता रखता है। ऑपरेशन सिंदूर इस बात का उदाहरण है कि भारत दुश्मन के किसी मंसूबे को सफल नहीं होने देगा। वर्ष 2014 के पहले का भारत बदल चुका है, अब कोई शत्रु भारत से बच नहीं सकता। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार की रात्रि भोपाल के भेल क्षेत्र में भोजपाल गरबा महोत्सव के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में भारत के समस्त देव स्थानों पर आनंद की वर्षा हो रही है। भारत में शौर्य प्रदर्शन और विकास के साथ कई क्षेत्रों में अभूतपूर्व कार्य हो रहा है। खेल क्षेत्र में की बात करें तो गत रविवार को हुए 20-20 एशिया कप मैच में भारत की विजय सभी भारतीयों का गर्व बढ़ाने का कारण

बनी।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नवरात्रि पर्व हमें एक साथ मिलकर आराधना करने, मेलजोल और सद्भाव बढ़ाने का माध्यम बनता है। यह पावन पर्व शक्ति-आराधना का पर्व है। यह अवसर इतिहास के गौरवशाली अध्याय का स्मरण करवाता है।

नवरात्रि पर्व में मां जगदम्बा, भगवान श्रीकृष्ण के स्वरूप और देवी-देवताओं के रूप में हमारे कलाकार उत्साह और श्रद्धा का परिचय देते हैं। ऐसी अनुभूति होती है कि माँ भवानी साक्षात हमारे बीच आ गई हैं। उन्होंने कहा कि दशहरा पर्व भगवान श्रीराम की असुरों पर विजय के साथ माँ जगदम्बा द्वारा महिषासुर का वध करने के उल्लास का प्रतीक भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोजपाल गरबा महोत्सव का यह दूसरा वर्ष है। यहां नागरिकों और श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बनता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पदाधिकारी और गरबा महोत्सव के संयोजक सुनील यादव के साथ अन्य पदाधिकारियों को गरबा महोत्सव को अभिनव स्वरूप देने की बधाई दी और सराहना की।

उत्तर प्रदेश के हरदोई में भीषण सड़क हादसाः दंपति समेत पांच की मौत

हरदोई। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में हुए सड़क हादसे में दंपति समेत पांच लोगों की मौत हो गई। सभी एक ही परिवार के सदस्य हैं। पुलिस उपाधीक्षक अंकित मिश्र ने बताया कि सुरसा थानाक्षेत्र के भीठा गांव निवासी संदीप (26) के तीन वर्षीय बेटे कार्तिक का हरदोई के बाबा मंदिर में मुंडन संस्कार कार्यक्रम था। मुंडन संस्कार धूमधाम से करने के बाद दोपहर तीन बजे सभी लौट रहे थे। संदीप(32) अपनी बाइक पर पत्नी संगीता (28) बहन मोनी (27), साले संतराम (30) और भांजे आशू (10) को बैठाकर जा रहा था। कार्तिक अन्य रिश्तेदार के साथ था। हरदोई के बिलग्राम हाई-वे पर सुरसा तिराहा के पास पहुंचे ही थे कि तभी बिलग्राम की ओर से आ रहे तेज रफ्तार पिकअप वाहन बाइक में जोरदार टक्कर मारते हुए हाई-वे किनारे खाई में चला गया। हादसे में बाइक सवार सभी पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

'साहित्य अमृत' के 30 साल पूरे, अर्जुन राम मेघवाल ने प्रभात प्रकाशन की सराहना की, युवा कहानीकारों को मिला सम्मान

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय न्याय एवं विधि तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि साहित्य समाज में जागरूकता और मूल्यों को जीवित रखने का कार्य करता है और युवा लेखकों को इसमें सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

प्रभात प्रकाशन की पुस्तक साहित्य अमृत के तीस साल पूरे होने पर राजधानी दिल्ली में युवा हिंदी कहानी प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण और वरिष्ठ साहित्यकार लक्ष्मी शंकर वाजपेयी की पुस्तक 'जो जगाते हैं' का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि अर्जुन राम मेघवाल थे। कार्यक्रम में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सदस्य सचिव प्रो. सच्चिदानंद जोशी, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा उपस्थित रहे।

मेघवाल ने अपनी आगामी पुस्तक 'पचपन और बचपनः कैसे बढ़ायें अपना पन' का जिक्र करते हुए बताया कि यह कृति उन दंपत्तियों के अनुभवों पर आधारित है, जिन्होंने विवाह के 55 वर्ष पूरे किए हैं और उन नवविवाहित जोड़ों पर भी, जिनका विवाह एक वर्ष से कम हुआ है। मेघवाल ने कहा कि इन अनुभवों को साझा कर नई पीढ़ी को

जीवन मूल्यों की समझ दी जा सकती है।उन्होंने राजस्थान के श्री कोलैत स्थान का जिक्र करते हुए कहा कि संभवतः हरियाणा का कलैत नाम उसी से निकला है। यह वही स्थान है जहां कपिल मुनि ने तपस्या की थी और गुरु नानक देव जी यहां यह जानने आए थे कि उस जगह की विशेषता क्या है। वहां उनकी मुलाकात जैन मुनियों से हुई और उन्होंने उनसे प्रश्न किया कि जब ईश्वर को पहचान लिया जाता है तो नाम जपने की आवश्यकता क्यों रह जाती है। मेघवाल ने कहा कि प्रभात प्रकाशन की यह यात्रा अत्यंत पुण्य है और हिंदी साहित्य में इसका बड़ा योगदान है। लक्ष्मी शंकर वाजपेयी ने कहा कि 2015 में जब युवा हिंदी कहानी प्रतियोगिता के बीस वर्ष पूरे हुए थे, तब पूरे देश से 200 से अधिक कहानियां आमंत्रित की गई थीं। निर्णायक मंडल के समक्ष केवल दस कहानियों का चयन करना कठिन हो गया था और उसी दौरान यह तय किया गया कि विजेताओं का क्रम घोषित न किया जाए। उन्होंने कहा कि उस समय चुनी गई दस कहानियों में से सात विशेष रूप से उल्लेखनीय साबित हुईं। इस बार जब प्रतियोगिता के तीस वर्ष पूरे हुए तो पूरे देश से 400 से अधिक कहानियां प्राप्त हुईं, जो यह दर्शाता है कि देश में युवाओं के बीच हिंदी लेखन का चलन बढ़ रहा है और साहित्य के प्रति उनकी रुचि प्रबल हो रही है।

प्रो. सच्चिदानंद जोशी ने कहा कि साहित्य अमृत ने युवा लेखकों को एक मंच दिया है, जिसके माध्यम से वे अपनी अभिव्यक्ति को आकार देते हैं। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा ने स्मृति साझा करते हुए कहा कि आज से तीस वर्ष पूर्व जब पत्रिका के तत्कालीन संपादक पंडित विद्यानिवास मिश्र ने उन्हें इससे जुड़ने के लिए कहा, तो वे उस समय दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रही थीं और पारिवारिक जिम्मेदारियों में व्यस्त थीं। उन्होंने पत्रिका से इस शर्त पर जुड़ाव किया कि वे घर से काम करेंगी। धीरे-धीरे पत्रिका में उनकी रचनाएं प्रकाशित होने लगीं और पंडित मिश्र ने उन्हें कॉलम लिखने का कार्य सौंपा। आरंभ में यह कार्य उन्होंने अनिच्छा से किया।

युवाओं को नशे से मुक्त कराना होगा : बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक नीरज दौनेरिया

एजेंसी
लखनऊ। बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक नीरज दौनेरिया ने कहा कि विकसित भारत बनाने के लिए युवाओं को नशे से मुक्त कराना होगा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत बनने से रोकने के लिये विदेशी षड़यंत्र हो रहे हैं। देश में साढ़े छह करोड़ युवा नशे के शिकार हो चुके हैं। पंजाब, हरियाणा और राजस्थान नशे की चपेट में आ चुका है। दौनेरिया भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय के कला मण्डपम सभागार में बजरंग दल की ओर से आयोजित नशा मुक्त युवा, विकसित भारत अभियान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर युवाओं को नशा मुक्ति का संकल्प दिलाया गया। बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक नीरज दौनेरिया ने कहा कि यदि राजस्व किसी आने वाली पीढ़ी को बर्बाद कर कमाया जा रहा है तो ऐसा राजस्व छोड़ देना चाहिए। उन्होंने गुजरात और बिहार का उदाहरण देते कहा कि जैसे इन राज्यों में शराबबंदी लागू है, वैसे ही पूरे देश में शराबबंदी होनी चाहिए। नशा चाहे किसी भी रूप में हो, वह व्यक्ति को धीरे-धीरे पतन की ओर ले जाता है। ऐसे में राज्य सरकार और केंद्र सरकार भी शराबबंदी का निर्णय ले।

राष्ट्रीय संयोजक ने धर्मांतरण के मुद्दे पर राजस्थान सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि राजस्थान सरकार देश का अब तक का सबसे कठोर धर्मांतरण विरोधी कानून लाई है। हरियाणा, हिमाचल, गुजरात, उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में भी ऐसे कानून हैं, तभी जलालुद्दीन छांगुर बाबा जैसे मामलों में सख्त कार्रवाई हो रही है, लेकिन बाकी राज्यों को भी इस दिशा में कदम उठाने चाहिए। दौनेरिया ने साफ कहा कि धर्मांतरण किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, क्योंकि इससे राष्ट्र की एकता और विचारधारा पर आघात होता है। विश्व हिंदू परिषद के क्षेत्र संगठन मंत्री गजेंद्र ने कहा युवाओं को अपने लक्ष्य से नहीं भटकना चाहिए। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को नशा मुक्त भारत विकसित भारत बनाना है, बजरंग दल का संकल्प है कि नशा मुक्ति आंदोलन पांच वर्ष निरंतर चलेगा। इसमें पहले चरण में जनजागरण पर जोर रहेगा, फिर विभिन्न गतिविधियों और अभियानों से नशा मुक्त भारत की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए जाएंगे।

टीम इंडिया को एशिया कप ट्रॉफी लौटाने को तैयार हुए पीसीबी के चीफ, लेकिन रख दी ये ऊटपटांग शर्त

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चीफ मोहसिन नकवी टीम इंडिया को एशिया कप ट्रॉफी लौटाने को तैयार हो गए हैं। हालांकि, उन्होंने एक ऊटपटांग शर्त रखी है जो पूरी किसी कीमत में तो पूरी होने से रही। भारत ने एशिया कप 2025 फाइनल में पाकिस्तान पर रोमांचक जीत के बाद नकवी के हाथों से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। नकवी एशियन क्रिकेट काउंसिल के चीफ और पीसीबी के चेयरमैन भी हैं। वह पाकिस्तान के गृहमंत्री भी हैं।

क्रिकबज की एक रिपोर्ट के अनुसार, नकवी ने भारतीय टीम को ट्रॉफी और विनर्स मेडल वापसी करने के लिए एक शर्त रखी है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि नकवी ने आयोजकों को बताया कि भारतीय टीम को ट्रॉफी और मेडल तभी मिलेंगे जब एक फॉर्मल फंक्शन रखा जाएगा। इतनाही नहीं नकवी ये भी चाहते हैं कि ट्रॉफी और मेडल उनके हाथों से दिलवाया जाएं। हालांकि भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक संबंधों को देखते हुए ऐसी कोई व्यवस्था होने की संभावना बहुत कम है। बता दें कि पाकिस्तान से फाइनल जीतने के बाद ट्रॉफी नहीं मिलने पर कप्तान सूर्यकुमायर यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में हैरानी जताई।

सूर्या ने कहा कि जब से मैंने क्रिकेट खेलना या देखना शुरू किया है मैंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा कि विजयी टीम को ट्रॉफी नहीं दी गई हो। वह भी इतनी मेहनत से जीती गई ट्रॉफी। ऐसा नहीं है कि हमने आसानी से जीत ली। हमने काफी मेहनत से ये टूर्नामेंट जीता था।

चीन ओपन: कोको गॉफ ने बेलिंडा बेन्सिक को हराया, क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई

बीजिंग (एजेंसी)। अमेरिकी खिलाड़ी कोको गॉफ (Coco Gauff) ने स्विस स्टार बेलिंडा बेन्सिक (Belinda Bencic) को 4-6, 7-6 (4), 6-2 से हराकर चीन ओपन क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया। निर्णायक सेट में गॉफ ने बेन्सिक की सर्व को ब्रेक किया और मैच अपने नाम किया।

दूसरे सीडेड गॉफ ने अपने हेड-टू-हेड रिकॉर्ड को 4-2 से बढ़ाया। इस साल दोनों खिलाड़ियों के बीच तीन मुकाबले हो चुके हैं, जिनमें जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन में गॉफ की जीत शामिल है। हालांकि बेन्सिक ने अबू धाबी में जीत दर्ज की थी।

पुरुष वर्ग में सेमीफाइनल और आगामी टूर्नामेंट

बीजिंग में ATP टूर्नामेंट के दो पुरुष सेमीफाइनल भी निर्धारित थे। जैनिक सिन्नर का सामना एलेक्स डी मिनौर से और लीर्नर टिएन का मुकाबला दानील मेदवेदेव से हुआ। पुरुष फाइनल बुधवार को खेला जाएगा और इसके बाद ATP दौरा शंघाई मास्टर्स के लिए 12 दिन के कार्यक्रम के साथ आगे बढ़ेगा, जो 12 अक्टूबर को फाइनल के साथ समाप्त होगा।

इगा स्वियाटेक ने 400वीं करियर जीत दर्ज की

विम्बलडन चैंपियन इगा स्वियाटेक ने सोमवार को कोलंबियाई खिलाड़ी कैमिला ओसोरियो को हराकर अपनी 400वीं करियर जीत दर्ज की और चीन ओपन के चौथे दौर में प्रवेश किया। स्वियाटेक ने पहले सेट में 6-0 से जीत दर्ज की। ओसोरियो ने दूसरे सेट की पहली गेम में चोट के कारण मैच से वापसी की।

स्वियाटेक ने कहा, 'मुझे कैमिला के लिए अफ़सोस है, क्योंकि वह हमेशा 100 प्रतिशत देती हैं। शुरुआत से ही चोट थी, इसलिए वह खेल नहीं पाई। लेकिन मैंने पहले सेट में अच्छा खेला और अपने गेम से दबाव बनाया।'

स्वियाटेक, जो पिछले हफ्ते सियोल में कोरिया ओपन की विजेता रही और जिनके नाम छह ग्रैंड स्लैम टाइटल हैं, अब अमेरिकी खिलाड़ी एम्मा नवारो के खिलाफ खेलेंगी।

कोच और कप्तान ने अभिषेक को दी थी अपने अनुसार खेलने की पूरी आजादी

पहली गेंद पर आउट हुए तो भी फर्क नहीं पड़ेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप में अपनी तफानी बल्लेबाजी से विरोध टीम के गेंदबाजी आक्रमक को ध्वस्त करने वाले भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को अपने अनुसार खेलने की पूरी आजादी कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव से मिली हुई थी। अभिषेक को टूर्नोमेंट में सबसे अधिक रनों के लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवार्ड भी मिला। गंभीर और सूर्यकुमार ने साफ कर दिया है कि उनको अपने आक्रामक अंदाज में बदलाव करने की जरुरत नहीं है। यहां तक कहा था कि अबर वह बड़ा शॉट खेलते हुए पहली ही गेंद पर भी आउट होते हैं तो हर्ज नहीं है। अभिषेक ने इसके बाद जिस तेजी से खेला और विरोधी टीमों को घटनों पर ला दिया। वह सभी ने देखा। इस बल्लेबाज ने दिखाया कि वह मैच को अकेले ही दूसरी टीम से दूर ले जा सकते हैं। सूर्यकुमार ने कहा कि गंभीर ने ही शिवम से पहला ओवर कराने की सलाह दी थी।

साथ ही कहा कि मैंने और गंभीर ने उसे अपना खेल न बदलने के लिए कहा है क्योंकि इसी से उनकी पहचान बनी थी। इसी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण वह टीम में पहुंचे। इसलिए उसे न छोड़ें। उनके इस कौशल से मुकाबले में अंतर आ जाएगा। टी20 एक उच्च जोखिम वाला प्रारुप है इसमें उसे जोखिम उठाने का लाभ मिला।'

वहीं गंभीर की भूमिका को लेकर कप्तान सूर्या ने कहा, वह पर्दे के पीछे से काम करने वाले व्यक्ति हैं, वह कभी भी आगे नहीं आते। वह सबकी सहायता करते हैं, सबका साथ देते हैं। कल उन्होंने ही मुझे शिवम दुबे को नई गेंद से गेंदबाजी कराने के लिए कहा था। वह खेल और दबाव की परिस्थितियों को समझते हैं। वह जानते हैं कि ये सब कैसे काम करता है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया ने बहाया जमकर पसीना, इन खिलाड़ियों ने लिया ब्रेक

नई दिल्ली (एजेंसी)। जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल ने ब्रेक लिया जबकि भारतीय टीम के अन्य सदस्यों ने एशिया कप में शानदार जीत के दो दिन से भी कम समय बाद मंगलवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के पहले ट्रेनिंग के दौरान जमकर पसीना बहाया।

कप्तान शुभमन गिल और मुख्य कोच गौतम गंभीर सहित टीम के सदस्य सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात को यहां पहुंचे और टीम ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में लगभग तीन घंटे तक अभ्यास किया। इसके अलावा रविवार को सफेद गेंद के टूर्नामेंट एशिया कप के समापन और गुरुवार से शुरू होने वाली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की एक श्रृंखला के बीच बहुत कम समय होने के कारण भारत को खिलाड़ियों के कार्यभार का प्रबंधन भी करना होगा।

हल्के वार्म अप और कैचिंग के साथ शुरुआत के बाद सभी बल्लेबाजों ने लंबे समय तक नेट पर अभ्यास किया जबकि अन्य तेज गेंदबाजों ने भी कड़ी मेहनत की। मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने मौसम साफ होने के बाद लगभग 45 मिनट तक गेंदबाजी की। ये दोनों ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भारत ए की ओर से दूसरे चार दिवसीय अनौपचारिक टेस्ट में भी खेले थे।

दोनों दाएं हाथ के तेज गेंदबाज अच्छी लय में दिखे और बारिश के बाद अभ्यास विकेट पर अच्छी गति और उछाल हासिल किया। यहां पहुंचने के बाद पिच को देखने वाले गंभीर ने भारत का ट्रेनिंग सत्र समाप्त होने के बाद फिर से पिच का जायजा लिया। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और लोकेश राहुल के अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल भी शानदार लय में दिखे जिन्होंने दूसरे अनौपचारिक टेस्ट में भारत ए की कप्तानी की थी।

मध्यक्रम के अन्य बल्लेबाज बी साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल भी अच्छी लय में दिखे लेकिन कप्तान गिल को भारतीय तेज गेंदबाजों और थ्रो डाउन विशेषज्ञ का सामना करते हुए कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ा। गिल ने कुछ गेंद बल्ले के बीच से खेली लेकिन कुछ पर चूक गए। साथ ही जब वह डिफेंस के लिए आगे बढ़े तो गेंद ने बल्ले का बाहरी किनारा भी लिया।

एक बार वह तब हैरान भी हुए जब छाती की ऊंचाई की एक उठती हुई गेंद उनके दस्तानों पर लगी। फिर भी गिल ने अलग-अलग नेट पर बल्लेबाजी की और तेज गेंदबाजी, स्पिन और थ्रो डाउन के बीच हर संभव संयोजन के खिलाफ बल्लेबाजी की क्योंकि यह 26 वर्षीय खिलाड़ी पूर्णकालिक कप्तान के रूप में अपने पहले घरेलू टेस्ट में भारत की अगुवाई करने के लिए तैयार है।

यह भारतीय टीम के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में पहला घरेलू मैच भी होगा। टीम ने इंग्लैंड में अपने जज्बे और कौशल से सभी को प्रभावित किया था और कड़ी टक्कर वाली श्रृंखला 2-2 से बराबर की थी। शीर्ष चार स्थान तय होने के बाद यह देखना बाकी है कि टीम प्रबंधन नितीश रेड्डी और पडिक्कल में से अतिरिक्त बल्लेबाज के रूप में किसे चुनेगा।

पडिक्कल ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ पहले अनौपचारिक टेस्ट में 150 रन बनाने के बाद नेट में कोई गलती नहीं की जबकि रेड्डी ने भी शानदार लय दिखाई विशेषकर सिराज और प्रसिद्ध के साथ गेंदबाजी करते हुए। रेड्डी के शामिल होने से टीम को तीसरा तेज गेंदबाजी विकल्प मिलेगा और यह देखना बाकी है कि क्या टीम प्रबंधन मैच शुरू होने से पहले मध्यक्रम में इस विकल्प को शामिल करता है।

इन दोनों के एकादश के चयन की बहस में शामिल होने की संभावना है क्योंकि रविंद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप, सिराज और बुमराह सहित बाकी क्रम तय लग रहा है। एशिया कप फाइनल चार विकेट चटकाकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले कुलदीप वेस्टइंडीज की कमजोर टीम के खिलाफ बड़ी चुनौती साबित हो सकते हैं जिसे भारतीय परिस्थितियों में खेलने का अधिक अनुभव नहीं है। इससे पहले दिन में वेस्टइंडीज की टीम को इनडोर नेट पर अभ्यास करने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि बारिश के कारण उनका नेट सत्र केवल आधे घंटे का रह गया था।

चाइना ओपन : यानिक सिनेर ने फाइनल में बनाई जगह, हार्डकोर्ट पर लगातार नौवां फाइनल खेलेंगे

बीजिंग- चाइना ओपन टेनिस टूर्नामेंट में रोमांचक मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। शीर्ष वरीयता प्राप्त यानिक सिनेर ने एलेक्स डि मिनौर को 6-4, 3-6, 6-2 से मात देकर फाइनल में जगह बनाई। यह हार्डकोर्ट पर उनका लगातार नौवां फाइनल है, जो उनके शानदार फॉर्म का सबूत है। अब फाइनल में सिनेर का सामना दानिल मेदवेदेव और उभरते खिलाड़ी लर्नर टियेन के बीच होने वाले सेमीफाइनल के विजेता से होगा। महिला वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त अमेरिका की कोको गाफ ने स्विट्जरलैंड की बेलिंडा बेंचिच को 4-6, 7-6, 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। गाफ ने शुरुआती सेट गंवाने के बावजूद जबरदस्त वापसी करते हुए टाईब्रेकर जीता और निर्णायक सेट में दबदबा बनाया। इस जीत के साथ बेंचिच के खिलाफ उनका करियर रिकॉर्ड 4-2 हो गया है। टूर्नामेंट के आगे के चरणों में अब टॉप सीड खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने की उम्मीद है, खासकर सिनेर और मेदवेदेव की संभावित भिड़ंत पर सभी की नजरें टिकी हैं।

गंभीर ने तिलक को लंबे समय तक खेलते रहने कहा था : सूर्यकुमार

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने एशिया कप में जीत के बाद स्वदेश लौटने पर बल्लेबाज तिलक वर्मा की जमकर प्रशंसा की है। तिलक की 69 रनों की नाबाद पारी के बल पर ही भारतीय टीम ने फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की। तिलक जब मैदान में उतरे थे तब भारतीय टीम ने 20 रनों पर ही तीन विकेट खो दिये थे और वह मुश्किल में थी। सूर्यकुमार के अनुसार जब तिलक खेल रहे थे तो कोच गौतम गंभीर ने उन्हें संदेश भेजा था कि इसी प्रकार लंबे समय तक खेलो तो लक्ष्य अपने आप ही हासिल हो जाएगा। तिलक नंबर चार पर बल्लेबाजी के लिए उतरे थे और जीत दिला कर ही वापस लौटे थे। उनकी संजू सैमसन और शिवम दुबे के साथ अच्छी साझेदारियां हुई थीं। सूर्यकुमार ने कहा, कोच ने उन्हें संदेश भेजा था कि बस लंबे समय तक खेलें और अगर वे वहीं टिके रहे, तो काम हो जाएगा। साथ ही कहा कि मैं तिलक के लिए बहुत खुश हूं, हम सभी ने देखा कि वह क्या कर सकते हैं। तिलक ने 53 गेंदों में ही 3 चौके और 4 छक्कों की सहायता से नाबाद 69 रन बनाये थे। एशिया कप 2025 में तिलक ने पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप स्तर के मैच में 31 रन, ओमान के खिलाफ 29 रन बनाए। पाक के खिलाफ सुपर 4 के मैच में नाबाद 30 रन जबकि श्रीलंका के खिलाफ नाबाद 49 रन बनाए थे। 6 मैचों में उन्होंने कुल 213 रन बनाये। वे टूर्नामेंट में चौथे सबसे ज्यादा रन बनान वाले बल्लेबाज रहे।

योगेश कथुनिया ने फिर दिखाया दम, लगातार तीसरे साल भारत को दिलाया पदक

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप (WPAC) 2025 का रोमांच अपने चरम पर रहा। भारत के स्टार पैरा एथलीट और दो बार के पैरालंपिक पदक विजेता योगेश कथुनिया ने एक बार फिर देश का मान बढ़ाते हुए पुरुषों की डिस्कस थ्रो स्र56 स्पर्धा में रजत पदक जीता। 28 वर्षीय कथुनिया ने 42.49 मीटर का शानदार थ्रो किया और लगातार तीसरे साल इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में रजत हासिल कर इतिहास रच दिया।

लगातार तीसरा रजत पदक

कथुनिया की इस उपलब्धि की खासियत यह है कि यह उनका लगातार तीसरा रजत पदक है। उन्होंने 2023 (फ्रांस) और 2024 (जापान) में हुए विश्व चैंपियनशिप संस्करणों में भी रजत पदक जीते थे। इस बार भी वह ब्राज़ील के अनुभवी एथलीट क्लॉडनी बतिस्ता से पीछे रहे, जिन्होंने 45.67 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो कर स्वर्ण पदक जीता। वहीं, ग्रीस के कॉन्स्टेंटिनोस त्ज़ोनिस ने 39.97 मीटर के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। दिलचस्प बात यह है कि टोक्यो 2020 पैरालंपिक और पेरिस 2023 विश्व चैंपियनशिप में भी कथुनिया बतिस्ता के बाद ही दूसरे स्थान पर रहे थे।

गुइलेन-बैरे सिंड्रोम से चैंपियन तक का सफर

योगेश कथुनिया का सफर बेहद प्रेरणादायक है। नौ साल की उम्र में उन्हें गुइलेन-बैरे सिंड्रोम, एक दुर्लभ न्यूरोलॉजिकल स्थिति, हो गई थी। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और 2017 में कॉलेज के दिनों से पैरा स्पोर्ट्स में कदम रखा। देखते ही देखते वह भारत के सबसे भरोसेमंद डिस्कस थ्रो एथलीट बन गए और अब उनके खाते में दो पैरालंपिक रजत और तीन विश्व चैंपियनशिप रजत पदक शामिल हैं।

भारतीय दल का अब तक का प्रदर्शन

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 भारत के लिए शानदार साबित हो रही है। अब तक भारतीय खिलाड़ियों ने छह पदक अपने नाम किए हैं, दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य। सोमवार का दिन तो भारतीय एथलेटिक्स के लिए यादगार बन गया।

रिंकू हुड्डा ने पुरुषों की भाला फेंक F46 वर्ग में 63.81 मीटर का रिकॉर्ड थ्रो कर स्वर्ण पदक जीता। यह प्रदर्शन चैंपियनशिप रिकॉर्ड भी बना।

सुंदर सिंह गुर्जर ने उसी स्पर्धा में 64.76 मीटर का थ्रो कर रजत पदक अपने नाम किया।

इससे पहले, ऊंची कूद T63 में शैलेश कुमार ने स्वर्ण और वरुण सिंह भाटी ने रजत पदक जीते।

महिलाओं की 400 मीटर T20 स्पर्धा में दीप्ति जीवनजी ने रजत पदक हासिल किया।

हालांकि भाला फेंक में भारत के अजीत सिंह चौथे स्थान पर रह गए, वरना भारत के पदकों की संख्या में एक और पदक जुड़ सकता था।

भारत की उम्मीदें और आगे का रास्ता

योगेश कथुनिया की लगातार पदक जीत भारत की पैरा एथलेटिक्स ताकत को दर्शाती है। रिंकू और सुंदर जैसे एथलीटों की सफलता ने भी यह साबित कर दिया है कि भारत आने वाले समय में इस खेल की बड़ी ताकत बनकर उभर सकता है। देश के इन जांबाज़ एथलीटों ने न केवल पदक जीते हैं बल्कि पूरे देश को गर्व करने का मौका दिया है।

भारत की जूनियर महिला हॉकी टीम ने कैनबरा चिल को 3-1 से हराया

कैनबरा (ऑस्ट्रेलिया)। ईशिका के दो गोलों की मदद से भारत की जूनियर महिला हॉकी टीम ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के क्लब कैनबरा चिल को 3-1 से हरा कर इस दौरे की दूसरी जीत दर्ज की। ईशिका ने 13वें और 39वें मिनट में गोल किए, जबकि सोनम ने 27वें मिनट में गोल दागा। भारतीय टीम ने 11वें मिनट में गोल खाने के बावजूद मैच में दबदबा बनाए रखा। कैनबरा चिल के लिए, नाओमी इवांस ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। यह हालांकि घरेलू टीम के लिए एकमात्र सफलता थी, क्योंकि भारत ने दो मिनट बाद ही पलटवार किया जब ईशिका ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल दिया। सोनम ने स्कोर 1-1 से बराबर होने के बाद मध्यांतर से पहले मैदानी गोल करके भारत को बढ़त दिला दी। ईशिका ने मैच के तीसरे क्वार्टर में अपना दूसरा गोल कर भारत को 3-1 से आगे कर दिया। भारत ने दौरे पर अब तक दो मैच जीते हैं और दो हारे हैं। टीम बृहस्पतिवार को कैनबरा चिल के खिलाफ अपना अंतिम दौरा मैच खेलेगी।

काशी की प्रियंका वर्ल्ड शूटिंग चैंपियनशिप में लेगी भाग

वाराणसी। काशी की शूटर प्रियंका पटेल काहिरा में चार से आठ नवंबर तक होने वाली आई एस एस एफ वर्ल्ड शूटिंग चैंपियनशिप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेगी। जिला राइफल क्लब की कार्यकारिणी के सदस्य पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि प्रियंका प्रदेश की पहली महिला खिलाड़ी हैं जो 50 मीटर फ्री पिस्टल फायर आर्म्स में विश्व चैंपियनशिप में भाग ले रही हैं। कोच संजीव ने बताया कि 3 साल से प्रियंका 50 मीटर और 10 मीटर फ्री पिस्टल में पदक जीत रही है। इसी वर्ष 23 सितंबर को भोपाल में हुए ट्रायल्स में प्रियंका ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसी प्रदर्शन के आधार पर भारतीय टीम में चयन हुआ है। मुलरूप से भूलनपुर के मड़ोली निवासी प्रियंका के पिता की किसान है। उनके चयन पर संगठन की वरिष्ठ उपाध्यक्ष जगदीप मधोक, संयुक्त सचिव आनंद सिंह ने बधाई दी है।

ऐश्वर्या पिस्से ने रचा इतिहास, डब्ल्यू2आरसी पुर्तगाल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मोटरस्पोर्ट्स का नाम अब दुनिया के सबसे कठिन रैली-रेड टूर्नामेंट में चमक रहा है। बेंगलुरु की 29 वर्षीय राइडर ऐश्वर्या पिस्से ने पुर्तगाल में खेले गए एफआईएम वर्ल्ड रैली-रेड चैंपियनशिप (W2RC) 2025 के चौथे राउंड में शानदार उपलब्धि हासिल की। उन्होंने रैली2 - महिला वर्ग में खिताब जीतकर न केवल भारत बल्कि पूरे एशिया की पहली महिला विजेता बनने का गौरव पाया। यह जीत ऐश्वर्या के लिए व्यक्तिगत सफलता से कहीं अधिक है—यह आने वाली पीढ़ी की महिलाओं को सपनों को हकीकत में बदलने की प्रेरणा देती है।

कठिन परिस्थितियों में शानदार प्रदर्शन

बीपी अल्टीमेट रैली-रेड पुर्तगाल अपने कठोर ट्रैक और लंबी दूरी के कारण मशहूर है। इस प्रतियोगिता में राइडर्स को छह दिनों तक 2,000 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ी, जिसमें 1,225 किलोमीटर प्रतिस्पर्धी चरण शामिल थे। रास्ते पूरी तरह बजरी वाले थे और पुर्तगाल व स्पेन की चुनौतीपूर्ण भूमि से होकर गुजरते थे। इन कठिन हालातों में ऐश्वर्या ने न केवल अपनी कैटेगरी में शीर्ष स्थान पाया, बल्कि कुल मिलाकर 27वां स्थान हासिल किया, यह किसी भी भारतीय महिला राइडर के लिए अभूतपूर्व सफलता है।

प्राइवेटियर से बनी रोल मॉडल

रैली-रेड को दुनिया की सबसे कठिन रेसिंग सीरीज़ माना जाता है। एक प्राइवेटियर के तौर पर भाग लेने वाली ऐश्वर्या की सफलता उनकी दृढ़ता और आत्मनिर्भरता का सशक्त उदाहरण है। टीवीएस रेसिंग और अन्य भागीदारों के सहयोग से उन्होंने यह दिखा दिया कि सही हौसला और मेहनत से अंतरराष्ट्रीय मंच पर जगह बनाई जा सकती है। आज वे न सिर्फ भारत बल्कि पूरे एशिया की महिला राइडर्स के लिए रोल मॉडल बन चुकी हैं।

ऐश्वर्या का संदेश: सपनों की कोई सीमा नहीं

जीत के बाद ऐश्वर्या ने कहा, 'यह पल मेरे लिए बहुत मायने रखता है। इस स्तर पर एशिया और भारत की पहली महिला विजेता बनना केवल मेरी जीत नहीं, बल्कि उन सभी लड़कियों के लिए संदेश है जो बड़े सपने देखती हैं।÷ उनकी यह बात साफ करती है कि यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत गौरव नहीं बल्कि सामाजिक बदलाव की प्रेरणा भी है।

डकार रैली 2027 पर नजर

पुर्तगाल की यह सफलता ऐश्वर्या के अगले बड़े लक्ष्य की ओर एक मजबूत कदम है। वह डकार रैली 2027 में हिस्सा लेने की तैयारी कर रही हैं, जहाँ उनका सपना दो पहियों पर इसे पूरा करने वाली पहली भारतीय महिला बनने का है। पुर्तगाल में मिली जीत ने उन्हें अमूल्य अनुभव, आत्मविश्वास और गति प्रदान की है। अब वे और मजबूती से दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित रैली में भारतीय तिरंगा लहराने की तैयारी में जुटी हैं।

सैमसन किसी एक टूर्नामेंट में सबसे अधिक छक्के लगाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज बने

दुबई। एशिया कप फाइनल में भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने अपनी 24 रनों की पारी के साथ ही एक नया रिकार्ड अपने नाम कर लिया। सैमसन इस पारी में लगाये छक्के के साथ ही भारतीय टीम की ओर से किसी एक टी20 टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए हैं। इस प्रकार सैमसन ने दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज और पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी और और आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को पीछे छोड़ दिया है। धोनी और पंत ने एक टी20 मल्टीनेशन टूर्नामेंट में 6-6 छक्के लगाए थे, जबकि संजू सैमसन ने टी20 एशिया कप 2025 में 7 छक्के लगाकर उनको पीछे छोड़ दिया। धोनी ने टी20 वर्ल्ड कप 2009 और ऋषभ ने टी20 विश्व कप 2024 में 6 छक्के पूरे सत्र में लगाये थे। सैमसन एशिया कप 2025 से पहले सलामी बल्लेबाज के तौर पर भारतीय टीम में शामिल थे पर शुभमन गिल की वापसी के बाद उनको मध्य क्रम में भेज दिया गया पर उन्होंये यहां भी अपने को साबित किया। एक मैच में नंबर तीन पर उतरकर उन्होंने अर्धशतक भी जड़ा था, जबकि तीन अन्य पारियों में उन्होंने नंबर 5 पर बल्लेबाजी की। इनमें से एक मैच में उन्होंने 13 रन, एक मैच में 39 और फाइनल में 24 रनों की पारी खेली। एशिया कप के 7 मैचों में से 4 मैचों में बल्लेबाजी की। कुल 132 रन 33 के औसत और 124.53 के स्ट्राइक रेट से उन्होंने बनाए।

स्वमसूट में फोटोज पर साई पल्लवी ने तोड़ी चुप्पी

नितेश तिवारी की रामायण में माता सीता का किरदार निभा रहीं साई पल्लवी बीते दिन आलोचनाओं का शिकार हुई थीं। उनकी बहन पूजा कन्नन ने सोशल मीडिया पर समंदर किनारे वेकेशन मनाने की तस्वीरें शेयर की थीं। जिसके बाद एक्ट्रेस की स्विमसूट पहने कई एआई -जनरेटेड तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल हो गई थी। जिस वजह से लोगों ने उन पर निशाना साझा था। अब एक्ट्रेस ने इस पर रिएक्ट किया है। साई पल्लवी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह और उनकी बहन कुछ दोस्तों के साथ वेकेशन मनाते दिख रहे हैं। क्लिप में दोनों बहनें समंदर किनारे आराम फरमाती दिख रही हैं। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने उस वक्त जो कपड़े पहने थे, उसका भी वीडियो और फोटो पोस्ट किया, जिसे मॉर्फ किया गया है।

साई पल्लवी को बताया असली हीरा

साई पल्लवी के इस पोस्ट पर लोगों ने रिएक्ट किया। एक यूजर ने लिखा, कैप्शन मस्त है। एक ने लिखा, एक कैप्शन से ही सबको रोस्ट कर दिया। एक ने लिखा, हम आपसे प्यार करते हैं क्वीन। एक ने लिखा, कैप्शन पसंद आया। एक ने लिखा, हम जानते हैं मैम कि आप असली हीरा हो। एक ने लिखा, आपने छिपाया लेकिन उन्होंने डिकोड कर लिया। आपने वन पीस या स्विमसूट पहना था, ये सच है।

साई पल्लवी की फिल्में

साई पल्लवी के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह आखिरी बार चंदू मोंडेती की फिल्म थंडेल में नागा चैतन्य के साथ नजर आई थीं। अब वह रणबीर कपूर के साथ रामायण में दिखाई देंगी। इसके अलावा, वह आमिर खान के बेटे जुनैद खान के साथ सुनील पांडे की डायरेक्टेड फिल्म पर भी काम कर रही हैं। इसके बारे में अभी ज्यादा जानकारी पब्लिक नहीं है।

चहल संग तलाक मामले में लोगों पर भड़कीं धनश्री

डांसर और कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा इस समय राइज एंड फॉल रियलिटी शो में नजर आ रही हैं। यहां उन्होंने क्रिकेटर युजवेंद्र चहल संग तलाक और अपने रिश्ते पर बेबाकी से बात रखी है, जिसकी बीते दिनों खूब चर्चा हुई थी। अब एकबार फिर से उन्होंने चहल के साथ डिवोर्स मामले पर प्रतिक्रिया दी है, जिसमें वो किसी बात पर नेटिजंस पर भड़कती भी नजर आ रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने एलिमनी को लेकर भी अपने विचार प्रकट किए हैं।

चहल संग तलाक पर धनश्री ने दी प्रतिक्रिया राइज एंड फॉल शो से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें धनश्री वर्मा प्रतियोगियों से बातें करती दिख रही हैं। वीडियो में आदित्य नारायण ने धनश्री से चहल संग रिश्ते पर सवाल करते हुए पूछा, 'आपको आधिकारिक रूप से अलग हुए कितने दिन हो गए?' इसके जवाब में उन्होंने कहा कि एक साल हो गया। बाद में किसी ने सवाल किया कि बहुत जल्दी हो गया सब। इस पर डांसर ने कहा, 'वो आपसी सहमित से था, इसलिए जल्दी हो गया।'

एलिमनी मामले पर भड़कीं धनश्री

धनश्री वर्मा ने आगे कहा, 'इसीलिए जब लोग एलिमनी की बात कहते हैं, तो वो गलत है। अगर मैं कुछ नहीं बोल रही हूं, तो इसका मतलब ये नहीं कि लोग कुछ भी उल्टा-सीधा बोलेंगे। लेकिन मेरे माता-पिता ने ये सिखाया है कि आप अपने लोगों को प्रति ही जवाबदेही रखिए, नाकि अन्य लोगों के प्रति।'आपको बताते चलें कि धनश्री और चहल का रिश्ता 2020 में शादी के बंधन में बंधा था। लेकिन कुछ ही वर्षों में दोनो के रिश्ते में दरार पड़ने लगीं और फरवरी 2025 में दोनों का तलाक आधिकारिक रूप से हो गया था।

कोरियन ड्रामा में नजर आएंगी एकता कपूर?

प्रोड्यूसर एकता कपूर ने अपने करियर में कई हिट टीवी सीरियल बनाए हैं, ज्यादातर के नाम की शुरुआत 'क' शब्द से होती थी। हाल ही में एक पोस्ट के जरिए एकता ने कोरियल ड्रामा में शामिल होने वाली खबर को लेकर अपडेट दिया।

अपने इंस्टाग्राम पेज के स्टोरी सेक्शन में एकता कपूर ने एक स्टोरी पोस्ट की। इसमें वह कहती हैं, 'मैं ओजी क्वीन हूं 'के ड्रामा' की (क्योंकि... जैसे सीरियल को लेकर कही ये बात)। मैं आपके लिए एक अपडेट लाई हूं। मैं कोरियन ड्रामा में नजर आऊंगी।'

देखना होगा कि क्या वह सच में कोरियन ड्रामा में नजर आएंगी या फिर किसी हिट कोरियन ड्रामा का हिंदी में रीमेक बनाएंगी। कोरियन ड्रामा की बात करें तो इनकी भारत में काफी फैन फॉलोइंग है, जेन जी कोरियन ड्रामा के बहुत बड़े फैन हैं।

इंसान की पहचान उसके रिश्तों से नहीं बल्कि उसकी सोच और काम से होती है

बॉलीवुड अभिनेत्री तृप्ति डिमरी हाल ही में अपनी फिल्मों के साथ-साथ निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में हैं। बीते दिनों से लगातार खबरें आ रही थीं कि तृप्ति बिजनेसमैन और मॉडल सैम मर्चेंट को डेट कर रही हैं। दोनों को कई बार साथ में देखा भी गया है, लेकिन अब तक इस रिश्ते पर कभी खुलकर कुछ कहा नहीं गया था। ऐसे में पहली बार तृप्ति ने रिलेशनशिप पर चुप्पी तोड़ी है और ऐसा बयान दिया है जिसने फैंस को सोचने पर मजबूर कर दिया है। इंटरव्यू में तृप्ति डिमरी ने कहा कि आज की दुनिया में अक्सर यह मान लिया जाता है कि अगर कोई रिश्ते में नहीं है तो उसकी जिंदगी अधूरी है। लेकिन उनकी राय अलग है। उन्होंने साफ कहा, रिश्ते में होना कोई मजबूरी नहीं है। अगर कोई सिंगल है तो इसका मतलब यह नहीं कि उसमें कोई कमी है। जिंदगी में और भी बहुत कुछ है जिसे हासिल किया जा सकता है। सिर्फ इसलिए उदास होना कि आपके पास कोई पार्टनर नहीं है, सही सोच नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी फिल्म बुलबुल की निर्देशक अनविता दत्त ने उन्हें यह सिखाया कि सिंगल होना भी उतना ही सामान्य है जितना रिश्ते में होना। तृप्ति का मानना है कि इंसान की पहचान उसके रिश्तों से नहीं बल्कि उसकी सोच और काम से होती है।

तृप्ति का करियर ग्राफ

तृप्ति डिमरी ने पिछले कुछ वर्षों में बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। लैला मजनूं और बुलबुल जैसी फिल्मों से शुरू हुआ उनका सफर एनिमल जैसी सुपरहिट फिल्म तक पहुंचा। रणबीर कपूर के साथ उनकी जोड़ी को दर्शकों ने खूब सराहा और इसके बाद से ही वह लगातार चर्चा में बनी रहीं। हाल ही में आई धड़क 2 में भी उन्होंने सिद्धांत चतुर्वेदी संग अपनी एक्टिंग से सभी को प्रभावित किया। तृप्ति अपनी बोल्ड चॉइस और दमदार अदाकारी के लिए जानी जाती हैं। वह ऐसे किरदार चुनती हैं जो दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ते हैं। सोशल मीडिया पर भी उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। उनकी हर तस्वीर और वीडियो फैंस के बीच तेजी से वायरल हो जाते हैं।

कौन हैं सैम मर्चेंट?

सैम मर्चेंट एंटरटेनमेंस इंडस्ट्र में किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। एक समय पर वह मॉडलिंग की दुनिया में काफ लोकप्रिय रहे और इसके बा उन्होंने बिजनेस में कदम रखा आज वह एक सफल उद्यम माने जाते हैं। उनक लाइफस्टाइल और सोशल सर्कल हमेशा मीडिया क सुर्खियों में रहते हैं। यह वजह है कि जब तृप्ति औ सैम को साथ देखा गया त दोनों के रिश्ते की अटकल तेज हो गई

इस फिल्म की असफलता से टूट गई थीं आलिया

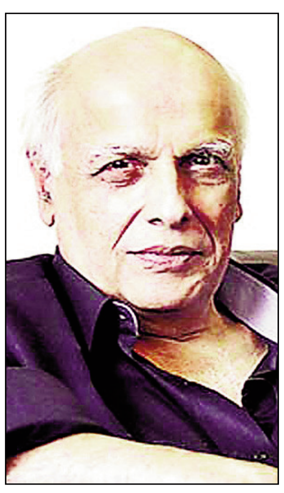

अभिनेत्री आलिया भट्ट ने साल 2012 में हिट फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से डेब्यू किया। इसके बाद वे हाइवे, 2 स्टेट्स, हम्पी शर्मा की दुल्हनिया जैसी हिट फिल्मों कहा हिस्सा बनीं। साल 2015 में उनकी फिल्म आई शानदार। मगर, बॉक्स ऑफिस पर यह कतई शानदार नहीं रही और आलिया के करियर की पहली फ्लॉप साबित हुई। हाल ही में आलिया के पिता और लोकप्रिय निर्माता-निर्देशक महेश भट्ट ने खुलासा किया कि इस फिल्म की असफलता ने आलिया को झकझोर कर रख दिया था।

कई हिट के बाद हिस्से आई असफल फिल्म

महेश भट्ट ने हाल ही में सिद्धार्थ कनन के साथ बातचीत में फिल्म शानदार (2015) की असफलता का जिक्र किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस फिल्म की असफलता का उन पर लंबे समय तक असर रहा। इस फिल्म में आलिया के साथ शाहिद कपूर नजर आए थे। महेश भट्ट ने कहा, आलिया को जब अपनी पहली असफलता का स्वाद चखना पड़ा, जो कि फिल्म शानदार थी तो वह इससे पूरी तरह हिल गई थी।

यह फ्लॉप फिल्म क्योंकि कई हिट फिल्मों के बाद उसके हिस्से आई। महेश भट्ट ने आगे कहा, भले ही वह बाहर से एक सख्त लड़की हो, लेकिन असफलता तो असफलता ही होती है। उन्होंने कहा कि असफलताएं हमें याद दिलाती हैं कि सितारे भी आम इंसान होते हैं, जिन्हें भी दूसरों की तरह असफलताओं का सामना करना पड़ता है।

हर कलाकार को उतार-चढ़ाव से गुजरना पड़ता है

रीमेक का दौर कभी खत्म नहीं होगा

आमिर खान ने अपने लंबे करियर में अभिनय के साथ सिनेमा को विषय की तरह समझा है। बदलते आयामों और चुनौतियों पर उनकी राय अहम है। इस खास बातचीत में उन्होंने अपने विचार साझा किए...

सिनेमा को पहले मास मीडियम कहते थे, लेकिन क्या आज भी ऐसा है?

सिनेमा को मास मीडियम कहा जा सकता है लेकिन थिएटर जाकर फिल्में देखने को मास मीडियम नहीं कह सकते क्योंकि वहां खर्चा ज्यादा होता है। आमतौर पर लोग थिएटर में ही फिल्म देखते हैं। थिएटर अपनी तरफ से कोशिश कर रहे हैं। जैसे मंगलवार को कम चार्ज करना लेकिन फिर भी लोअर मिडिल क्लास के लोगों के लिए परिवार के साथ देखना मुश्किल है। मैं चाहता हूं कि ऐसा मॉडल हो, जो हर आदमी को किफायती लगे।

क्या लाल सिंह चड्ढा जैसी बड़ी मेकर से बनवानी चाहिए थी ?

नहीं, मुझे लगता है अद्वैत चंदन ने एक अच्छी फिल्म बनाई। हम अद्वैत और पूरी टीम के साथ खड़े हैं और जिस फिल्म को हमने बनाया, उस पर हमें गर्व है। कई लोगों को फिल्म पसंद आई लेकिन उनकी तादाद कम थी। मुझे लगता है कि मैंने अपना परफॉर्मेंस बहुत हाई पिच किया और इसमें मैं असफल रहा।

क्या बहुत पुरानी फिल्मों की रीमेक में भी पोटेंशल है?

लाल सिंह चड्ढा या सितारे जमीन पर मेरी पहली रीमेक नहीं है। मैं पहले ही गजनी समेत 8-10 रीमेक कर चुका हूं। मुझे रीमेक करने में कोई परेशानी नहीं होती। जैसे हम शेक्सपियर के पुराने नाटकों को आज भी नए अंदाज में प्रस्तुत करते हैं, उसी तरह रीमेक में भी हम मूल कहानी में अपनी रचनात्मकता जोड़ते हैं। रीमेक का दौर सदा रहेगा, चाहे पुरानी फिल्म की बनाई जाए या नई की।

आपके हिसाब से लॉयल ऑडियंस को क्या चाहिए?

देखिए, सिनेमाघरों में जाने वाली मुख्य ऑडियंस आम तौर पर 12 से 22 साल के बीच की होती है। यही वह ग्रुप है जो बड़े पैमाने पर थिएटर को भरता है। इसके बाद लोग जिंदगी में व्यस्त हो जाते हैं, उनके पास समय कम होता है और कई फिल्में वे मिस कर देते हैं। यह भी सच है कि किसी को भी नहीं पता कि युवाओं का क्या चाहिए। किसी के पास इसका कोई तय जवाब नहीं है।

आपका तरीका क्या है स्क्रिप्ट्स चुनने का

मैं कभी यह नहीं सोचता कि ऑडियंस को क्या चाहिए। जब मैं मटेरियल चुनता हूं तो देखता हूं कि यह मुझे कितना टच कर रहा है, मुझे कितना पसंद आ रहा है। एक फिल्म का सफर लगभग 2 साल का होता है और मंजिल तक पहुंचेंगे कि नहीं, यह हमें नहीं पता होता लेकिन सफर अच्छा होना हमारे हाथ में है। इसलिए मैं हमेशा ऐसी फिल्में चुनता हूं और ऐसी कहानियां पसंद करता हूं जो मुझे सच में छूती हैं।

घरवाली-बाहरवाली का कलेश दिखाएगी मस्ती 4

निर्देशक मिलाप जावेरी कॉमेडी ड्रामा फिल्म मस्ती 4 का टीजर रिलीज हो गया है। इस बार फिल्म में चार गुना दोस्ती, मस्ती और कॉमेडी का ब्लास्ट है। टीजर रिलीज के पोस्ट के साथ निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा... पहले की थी मस्ती, फिर हुई ग्रैंड मस्ती, फिर ग्रेट ग्रैंड मस्ती, अब होगी प्रमस्ती 4। इस बार चार गुना शैतानी, दोस्ती और कॉमेडी धमाका। अब केवल आपके नजदीकी सिनेमाघरों में 21 नवंबर को रिलीज हो रही है। इस फ्रेंचाइज की पहली फिल्म मस्ती पहली बार 2004 में रिलीज हुई। इसके बाद इसके दो सीक्वल, ग्रैंड मस्ती और ग्रेट ग्रैंड मस्ती आए। अब रितेश, विवेक और आफताब की मशहूर तिकड़ी वापस आ रही है। इसमें श्रेया शर्मा, रूही सिंह और एलनाज नोरौजी भी हैं। इस फिल्म को जी स्टूडियोज और वेवबैंड प्रोडक्शन ने मारुति इंटरनेशनल और बालाजी टेलीफिल्म्स के साथ मिलकर बनाया है। से जी स्टूडियोज और वेवबैंड प्रोडक्शन ने मारुति इंटरनेशनल और बालाजी के साथ बनाया है

नारी के लिए साज-श्रृंगार भी जरूरी

पति-पत्नी का रिश्ता वफादारी तथा देखभाल के अलावा और भी बहुत कुछ मांगता है जिसके लिए आपको आकर्षक और सुंदर सलोना दिखना ही चाहिए।

विवाह जीवन का सबसे खूबसूरत मोड़ है लेकिन यह भी आश्चर्यजनक सत्य है कि अक्सर इसके बाद पत्नियां अपने सौंदर्य और आकर्षण की उपेक्षा करने लगती हैं। विवाह के समय वधू के हाथों में लगने वाली हल्दी मानो वधू का पीछा ही नहीं छोड़ती और रसोईघर में मसालों की गंध में लिपटी पत्नी के प्रति पति का आकर्षण धीरे-धीरे कम होने लगता है।

यही वह समय है जब पत्नियों को जीवन का यह शाश्वत सत्य समझ लेना चाहिए कि अगर उन्हें बेतरतीब, बढ़ी दाढ़ी और अस्त-व्यस्त कुर्ते-पायजामा में अखबार में चिपके पतिदेव पर खीज होती है तो उनका भी आपके बिखरे बाल, मुड़ी-तुड़ी साड़ी और मसाले-पसीने से महकती देह से मुंह मोड़ लेना नितांत स्वाभाविक है।

पति-पत्नी का रिश्ता वफादारी तथा देखभाल के अलावा और भी बहुत कुछ मांगता है जिसके लिए आपको आकर्षक और सुंदर-सलोना दिखना ही चाहिए। थोड़ी-सी शोखियां और थोड़ी-सी शरारतें आपके वैवाहिक जीवन को स्थायी रूप से मधुमास बना देंगी।

इस दिशा में शुरुआत करने से पहले एक बड़ी ही महत्वपूर्ण बात को गांठ बांध लें कि जीवन साथी को प्रसन्न करने में न तो कोई बुराई है और न ही यह अहं का सवाल है। अगर शादी के बाद आपकी खुशी के लिए वह अपनी प्यारी मूंछों की कुर्बानी दे सकते हैं, आपकी प्रसन्नता के लिए मनपसंद नीली शेड को त्याग कर भूरे और काले शेड के परिधान पहन सकते हैं तो उनकी खुशी के लिए थोड़ा-सा स्लिम होकर कभी-कभी उनके मनपसंद आउटफिट को क्यों नही पहन सकतीं।

- सुगन्ध सभी को आकर्षित करती है इसलिए अंतरंग क्षणों में किसी बढ़िया परफ्यूम अथवा इत्र का प्रयोग अवश्य करें। सुबह उनके ऑफिस निकलने से पहले उसी सुगंध में डूबा एक शरारती-सा नोट लिख कर ब्रीफकेस में रख दें। फिर देखिए, उनकी शाम के साढ़े पांच सीधे घर की देहरी पर ही बजेंगे।
- ढीले-ढाले कपड़े पहनने में अच्छे रहते हैं लेकिन आपके वार्डरोब में चटख रंग और लेटेस्ट फैशन के टाइट्स और हाई हील प्लेटफार्म भी होने ही चाहिएं।
- आपकी बदली पसंद केवल पोशाक में ही नहीं, अंतर्वस्त्रों के मामले में भी दिखनी चाहिए जिसका मूलमंत्र है 'जितना आधुनिक, उतना आकर्षक'। पतिदेव को फैशन परेड और फिल्मी मैगजीन घूरने पर क्यों टोकती हैं? हीरोइनों और मॉडलों को तो केवल देखा भर जा सकता है लेकिन असली रानी तो आप हैं। मेकअप केवल मॉडलों के लिए ही नहीं है आप भी उसमें उतनी ही अच्छी लगेंगी।
- कौन कहता है कि आपकी शादी हुए पांच साल हो जाने का मतलब केवल चूल्हा-चौका और परिवार तथा नौकरी की व्यवस्था है। घर-कार्यालय की उलझनों में से थोड़ा समय निकालिए और पतिदेव को मनाकर निकल पड़िए। सनसनीखेज सप्ताहांतों के लिए जरूरी नहीं कि आपका यह 'मिनी हनीमून' किसी हिल स्टेशन अथवा रिसोर्ट में ही मनाया जाए। इसकी पहली और आखिरी शर्त है प्राइवेसी।
- भरी भीड़ में चुपके से पतिदेव को छेड़ देने की शरारत खूब कामयाब रहती है। जरा सोच कर तो देखिए कि वह रैस्टोरेंट में भोजन का आर्डर दे रहे हों और आप कपड़े से ढकी मेज के नीचे अपने पैरों से धीरे-धीरे उनके पैरों पर गुदगुदी कर दें। यकीनन वेटर को वह कुछ की जगह कुछ आर्डर दे जाएंगे।

और खाने के बाद मीठा, ऐसी शरारत करने से पहले घर के फ्रिज में खीर ठंडी करने को रख दीजिए। इन शोखियों के बाद अब भला रैस्टोरेंट में ठहरने का समय किसके पास होगा।

कर्ड सैंडविच

सामग्री : 1 कप दही, 6 स्लाइस ब्रैड, 1 कप बारीक लम्बाई में कटी हुई पत्तागोभी, शिमला मिर्च और गाजर, आधा टीस्पून अदरक का पेस्ट, 3-8 हरी मिर्च बारीक कटी हुई, नमक स्वादानुसार, छौंक के लिए थोड़ी-सी राई और तेल।

विधि : दही को छलनी में डालकर एक तरफ रख दें, दही का पानी निकलते ही सभी सब्जियां, अदरक, हरी मिर्च और नमक मिला लें। हरी धनिया बारीक काटकर मिला लें। तवे पर 2 टीस्पून तेल डालें। राई डालकर चटकने दें। दही का मिश्रण दो ब्रैड के बीच भरकर तवे पर रख दें और क्रिस्पी होने तक सेंक लें। सॉस या चटनी के साथ सर्व करें।

शिशु के सौंदर्य का रखें ख्याल

सौंदर्य और सुंदर त्वचा पर मात्र युवा वर्ग का ही अधिकार नहीं है बल्कि इस पर बाल वर्ग का भी उतना ही अधिकार है जितना कि युवा वर्ग का। जन्म के समय नवजात शिशु की त्वचा एवं शरीर बेहद कोमल, नर्म और बेदाग होता है किन्तु समय के साथ-साथ त्वचा की सुरक्षा में बरती गई छोटी-सी असावधानी काफी सीमा तक खतरनाक सिद्ध होती है।

शिशु को जन्म के उपरांत कई प्रकार के वातावरण का सामना करना पड़ता है। कई माता-पिता अपने शिशु के स्वास्थ्य और सौंदर्य के प्रति लापरवाह होते हैं तो कई इतने जागरूक होते हैं कि उनकी शिशु के प्रति अधिक जागरूकता और आवश्यकता से अधिक देखरेख भी शिशु के स्वास्थ्य और त्वचा को हानि पहुंचाती है, जैसे कि मां द्वारा शिशु को दिन में कई-कई बार साबुन से नहलाना, अपने क्रीम-पाऊडर का उसकी त्वचा पर प्रयोग करना आदि। ऐसे कई कारण हैं जिसके कारण शिशु की त्वचा खराब हो जाती है और संक्रमित होकर अनेक रोगों एवं समस्याओं को निमंत्रण दे देती है- जैसे कि एलर्जी, त्वचा का फटना, फोड़े-फुंसी आदि। यदि आप अपने शिशु को स्वस्थ और सुंदर रखना चाहती हैं तो कृपया निम्न सावधानियों का पालन अवश्य करें:

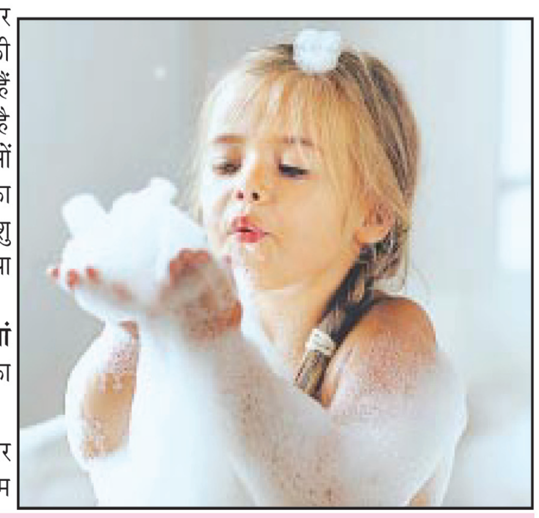

शिशु की त्वचा संबंधी कुछ सावधानियां

- शिशु की त्वचा पर क्रीम और कॉस्मैटिक का प्रयोग नहीं करना चाहिए।
- शिशु की त्वचा यदि शुष्क हो तो माइश्चराइजर के स्थान पर जॉनसन बेबी ऑयल या बादाम अथवा जैतून का तेल प्रयोग करना चाहिए।
- सप्ताह में एक या दो बार बेसन में दूध मिला कर उस पेस्ट को बच्चे के शरीर पर हल्के हाथों से मलना चाहिए, इस प्रयोग से त्वचा के भीतर तक की सफाई हो जाती है।
- शिशु की त्वचा पर साबुन का प्रयोग अधिक नहीं करना चाहिए, इससे शिशु की त्वचा क्षारीय बन जाती है और बैक्टीरिया भी सक्रिय होकर बच्चे की त्वचा को हानि पहुंचा सकते हैं।
- शिशु के शरीर पर नियमित जैतून के तेल की मसाज करनी चाहिए, इससे बच्चे की मांसपेशियां मजबूत होती हैं।

ऑफिस में सेंस ऑफ ह्यूमर

जरा सोचिए हंसी के बिना हमारी लाइफ कितनी बोरिंग होती। सुबह ट्रैफिक की रेलमपेल झेलते हुए जब हम ऑफिस पहुंचते हैं तो वहां भी कई तरह की परेशानियां पहले से ही हमारे स्वागत के लिए तैयार खड़ी होती हैं। समझ नहीं आता कि इतने कम समय में ढेर सारा काम कैसे पूरा किया जाए। ऐसे में आपका एक कलीग अचानक कोई ऐसी बात कहता है कि आप सब एक साथ हंस पड़ते हैं। मिनटों में आपका सारा तनाव छूमंतर हो जाता है और थोड़ी ही देर में आप पूरी ऊर्जा के साथ अपने काम में जुट जाते हैं।

मुश्किल से मिलता है मौका

रोने के हजारों बहाने सभी के पास होते हैं, पर हंसने का मौका हमें बड़ी मुश्किल से मिलता है। खास तौर से ऑफिस के आपा धापी और अनुशासन भरे माहौल में अगर कभी कोई हंसने वाली बात हो तो हमें उसका लुत्फउठाने से चूकना नहीं चाहिए। एक विज्ञापन एजेंसी में कार्यरत मुग्धा घोष बताती हैं, एक रोज कुछ ऐसा संयोग हुआ कि ऑफिस की एक पार्टी में मैं और मेरी एक कलीग दोनों बिलकुल एक जैसी ड्रेस पहन कर आ गए। हमें साथ देख कर सब हंस पड़े। हंसी के इस पल को हमने भी खूब एंज्वॉय किया।

अचूक औषधि है हंसी

मनोवैज्ञानिक सलाहकार डॉ. अशुम गुप्ता कहती हैं, आजकल कई मल्टीनेशनल कंपनियां अपने कर्मचारियों को तनावमुक्त करने के लिए कुछ महीनों के अंतराल पर उनके लिए पिकनिक या पार्टियां आयोजन करती हैं, ताकि लोग अपने सहकर्मियों के साथ हलके-फुलके माहौल में बातचीत करके एक-दूसरे को बेहतर ढंग से समझ सकें। कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जहां का माहौल बहुत तनावपूर्ण होता है। जैसे-आर्मी, पुलिस, मेडिकल प्रोफेशन आदि। यहां काम करने वाले लोगों के लिए यह बहुत जरूरी है कि वे अपने लिए हंसी-खुशी के कुछ पल ढूंढ कर खुद को तनावमुक्त रखने की कोशिश करें। इसी वजह से आजकल ऐसे महकमों में योग, काउंसलिंग और लाफ्टर थेरेपी से संबंधित कई वर्कशॉप आयोजित किए जाते हैं।

हंसें, पर जरा संभलकर

- काम के बीच में दो-चार मिनट के लिए हंसी-मजाक करना तो ठीक है, लेकिन यह सेशन ज्यादा लंबा नहीं चलना चाहिए।
- अच्छे सेंस ऑफ ह्यूमर की निशानी यही है कि आप केवल दूसरों पर नहीं, बल्कि खुद पर भी हंसना सीखें।
- इस बात का हमेशा ध्यान रखें कि आपकी बातों से किसी की भावनाएं आहत न हों।
- कुछ लोग छोटी-छोटी बातों का बहुत जल्दी बुरा मान जाते हैं। ऐसे लोगों पर किसी भी तरह की टीका-टिप्पणी करने से बचें।
- हर ऑफिस में पुरुषों के साथ स्त्रियां भी काम करती हैं। इसलिए सभी को इस बात का हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि मजाक में कोई ऐसी बात न कही जाए, जिससे दूसरा व्यक्ति असहज महसूस करे।
- एसएमएस या ईमेल के जरिये एक-दूसरे को जोक्स भेजते समय शालीनता की सीमाओं का हमेशा खयाल रखें।
- जिन लोगों का सेंस ऑफ ह्यूमर अच्छा होता है, ऐसे लोग कभी-कभी अनजाने में दूसरों को डिस्टर्ब कर रहे होते हैं। इसलिए हमें अपने सेंस ऑफ ह्यूमर का सही मौके पर इस्तेमाल करना चाहिए। इसके लिए ऑफिस का कैफेटेरिया सबसे अच्छी जगह है। जहां आप अपने साथियों के साथ दिल खोल कर हंस सकते हैं।
- अगर आपको कोई अच्छा सा जोक याद आ रहा है, तो फिर देर किस बात की उसे अपने साथियों के साथ शेयर कीजिए और तनाव को भूल जाइए।

अब डैंड्रफ रहे काबू में

बारिश के मौसम में उमस और पसीने से बालों में चिपचिपाहट हो जाती है। रूसी एक प्रकार की निर्जीव त्वचा है, जो बालों की जड़ों के आसपास जमा हो जाती है। इसलिए अपने बालों को साफ रखें और महीन दांतों वाली कंघी का प्रयोग करें। ताकि सिर की त्वचा से आसानी से रूसी बाहर निकल जाए। यहां हेयर एक्सपर्ट जावेद हबीब बता रहे हैं, उपयोगी टिप्स।

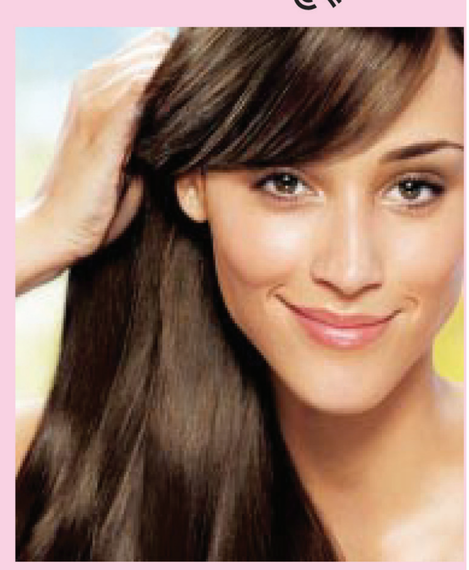

- बालों में प्रतिदिन ब्रश करने और मालिश करने से डैंड्रफकी समस्या से छुटकारा मिल सकता है, क्योंकि इन उपचारों से रक्तसंचार तीव्र गति से होता है और मृत त्वचा निकल जाती है।
- गर्म ऑलिव ऑयल में कुछ बूंदें अदरक के रस की डालकर इससे सिर पर कुछ देर मालिश करें। आधे घंटे तक बालों में लगा रहने के बाद शैंपू कर लें।
- बालों में रूसी होने से बाल कमजोर होकर टूटने लगते हैं। ऐसे में प्याज का रस लगाएं। आधा घंटे बाद एक मग में नीबू की कुछ बूंदें डाल कर उस पानी से धोएं।
- नीम की पत्तियों का रस नीबू के रस में मिलाकर सिर में लगभग तीस मिनट तक लगाएं। फिर शैंपू कर लें या फिर शैंपू करने के बाद सिरके और नीबू का रस बराबर मात्रा में लेकर 5-10 मिनट तक के लिए सिर में लगा रहने दें। उसके बाद बालों को धो लें।
- जोजोबा ऑयल और कोकोनट ऑयल को मिलाकर उंगली के पोरों से धीरे-धीरे सिर की त्वचा पर मालिश करें। इसके बाद गर्म पानी में भीगे तौलिये को निचोड़कर थोड़ी देर तक सिर पर लपेटकर रखें। आधे घंटे बाद शैंपू करें।

खूबसूरत बाल हर पल साथ

जब हम चाहते हैं कि किसी खास उत्सव पर हमारे बाल बेहद अच्छे दिखें तो जाने-अनजाने कोई ऐसी गडबड हो ही जाती है, जिससे पूरे दिन हम परेशान रहते हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा ही होता है तो हेयर एक्सपर्ट जावेद हबीब के कुछ आसान टिप्स अपनाकर आप पार्टी की शान बन सकती हैं।

● स्मार्ट हेयर कट

बालों का कट ऐसा होना चाहिए जो आपके चेहरे पर सूट करे और आपकी जीवनशैली के अनुकूल हो। इसके अलावा नियमित रूप से बालों की ट्रिमिंग कराएं। ऐसा हेयरस्टाइल बनाएं, जिसे संभालना आपके लिए आसान और संभव हो।

● जरूरी है हेयर एक्सेसरीज

बालों को संवारने के लिए खुद पर सूट करने वाली हेयर एक्सेसरीज का संग्रह करें। मौके की नजाकत को ध्यान में रख कर आप इन एक्सेसरीज का प्रयोग करके स्टाइलिश दिख सकती हैं।

● सही हेयर प्रोडक्ट का करें चयन

बालों के लिए जो भी प्रोडक्ट इस्तेमाल करें वे आपके बालों की किस्म के अनुरूप होने के साथ ही बेहतरीन क्वॉलिटी के होने चाहिए। जहां तक हो हेयर स्टाइलिंग प्रोडक्ट के अधिक प्रयोग से बचें। रूखे बालों के लिए कंडिशनर युक्त शैंपू का इस्तेमाल करें। तैलीय बालों के लिए सिट्रस युक्त शैंपू और अन्य हेयर प्रोडक्ट इस्तेमाल करें ताकि आपके बालों की अतिरिक्त चिपचिपाहट दूर हो जाए। रूखे बालों पर हॉट हेयर रोलर, हॉट एयर ड्रायर, पर्म या ब्लीच का प्रयोग न करें।

● सिर का मसाज

हफ्ते में एक-दो बार गुनगुने ऑलिव ऑयल या आमंड ऑयल से सिर की त्वचा की मालिश से बालों को पोषण मिलता है। साथ ही रूखे बालों को जरूरी मॉयस्चर भी मिल जाता है। इसके बाद बालों को अच्छे नरिशिंग शैंपू से धो लें।

ब्रेड इडली

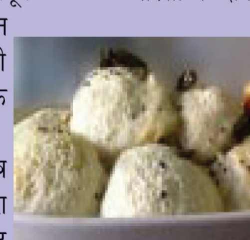

सामग्री : 6 ब्रेड स्लाइस, 2 उबले हुए आलू, 1 टी स्पून हरी मिर्च (बारीक कटी), 1 टीस्पून धनिया पाउडर, 1 टे.स्पून हरा धनिया (बारीक कटा), 1 टी स्पून (जीरा, उड़द की दाल, राई या सरसों), 1 कप दही, 2 टे.स्पून तेल, नमक स्वादानुसार।

विधि : उबले हुए आलू को छीलकर मैश कर लें। अब इसमें बारीक कटी हरी मिर्च, नमक, धनिया पाउडर और हरा धनिया डालकर अच्छी तरह मिला लें। दही को हल्का सा फेंट लें।

एक पैन में आधा टी स्पून तेल गरम करके उसमें जीरा, सरसों के दाने और उड़द की दाल डालकर चटकने दें। अब इस छौंक को फेंटी हुई दही में डाल दें।

ब्रेड को कटोरी या गिलास की सहायता से गोलाकार में काट लें। ब्रेड की एक तरफआलू का मिश्रण लगा दें।

एक पैन में तेल गरम करें और उसमें आलू लगी तरफसे ब्रेड को डाल दें। ब्रेड की दूसरे हिस्से पर 2 चम्मच दही का मिश्रण डालकर फैला दें। और फ्राइंग पैन को 2 मिनट के लिए ढक्कन से ढक दें। लीजिए तैयार है गर्मागर्म ब्रेड इडली इसे तुरंत सर्व करें।